



# IGRMS



## इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संस्थान

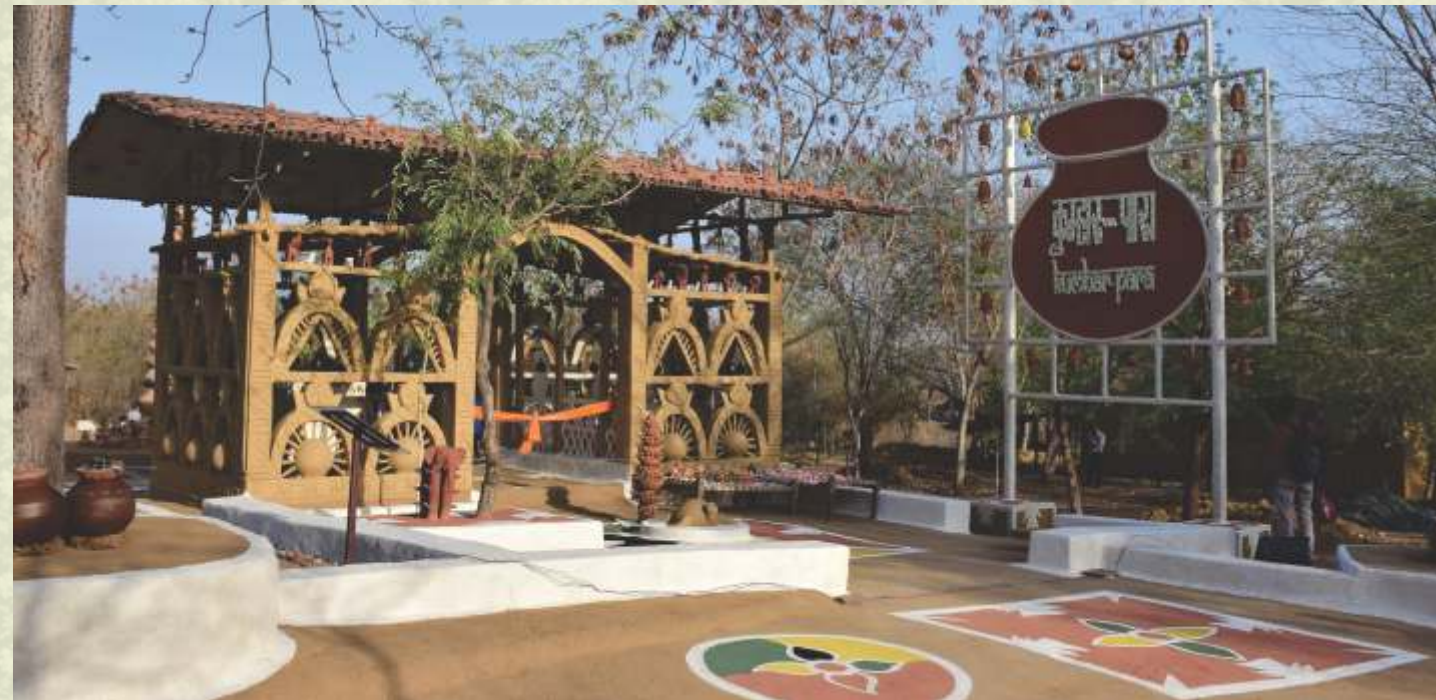
INDIRA GANDHI RASHTRIYA MANAV SANGRAHALAYA, BHOPAL

An Autonomous Organisation of Ministry of Culture, Govt. of India

• वार्षिक प्रतिवेदन •

ANNUAL REPORT

2018-19



मानव संग्रहालय

संस्कृतियों की इंद्रधनुषी आभा | Rainbow View of Cultures





इंगोरामास के वीथि संकुल की देशज कला दीर्घा में घसिया लोक कलाकारों द्वारा निर्मित जाली कार्य।  
Lattice work by Ghasia folk artists in the indigenous art gallery of Veethi Sankul at IGRMS.



# IGRMS

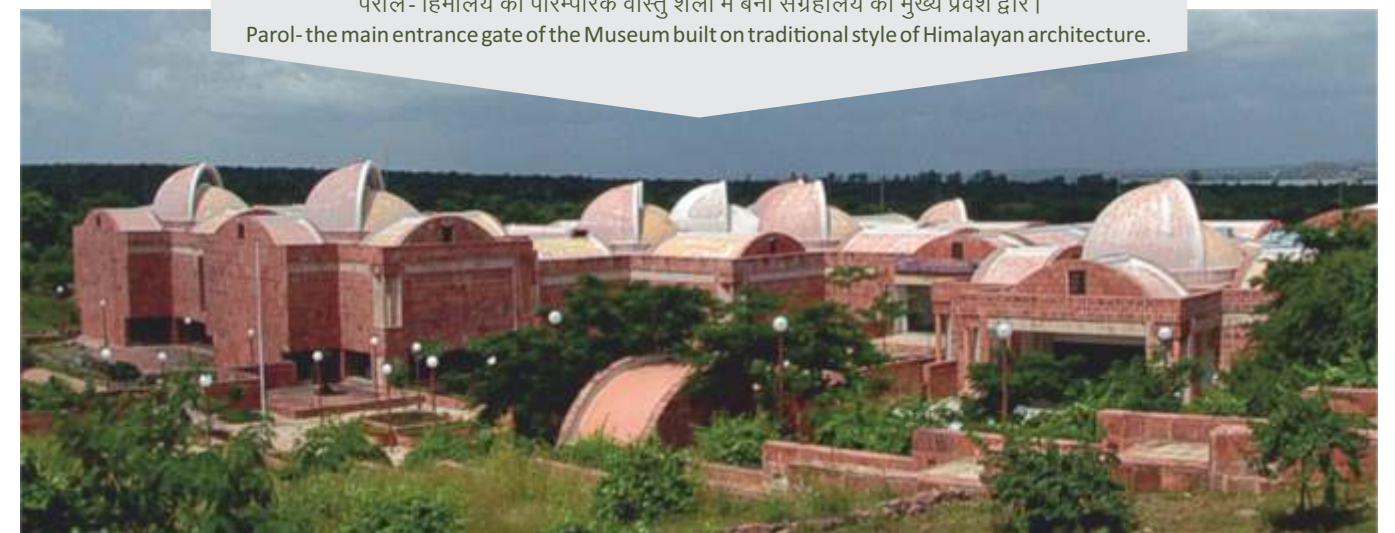


• वार्षिक प्रतिवेदन •  
ANNUAL REPORT  
2018-19

## इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल INDIRA GANDHI RASHTRIYA MANAV SANGRAHALAYA, BHOPAL



परोल - हिमालय की पारम्परिक वास्तु शैली में बना संग्रहालय का मुख्य प्रवेश द्वार।  
Parol - the main entrance gate of the Museum built on traditional style of Himalayan architecture.



इंगोरामास के अंतरंग संग्रहालय भवन वीथि संकुल का विहंगम दृश्य। / Birds eye view of Veethi Sankul the Indoor Museum building of IGRMS.



वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19  
Annual Report 2018-19

©  
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, शामला हिल्स, भोपाल-462013 (म.प्र.) भारत  
Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Shaml Hills, Bhopal-462013 (M.P.) India

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति  
(सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट XXI of 1860 के अंतर्गत पंजीकृत) के लिए  
निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय,  
शामला हिल्स, भोपाल द्वारा प्रकाशित

Published by  
Director, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya,  
Shamla Hills, Bhopal  
for Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti  
(Registered under Society Registration Act XXI of 1860)

निःशुल्क वितरण के लिए  
For Free Distribution

सामग्री संकलन एवं अनुवाद : डॉ. सूर्य कुमार पांडे, श्री राजेश गौतम, श्री मोहन लाल गोयल एवं श्री गीतू याइखोम  
Text Compilation & Translation : Dr. Surya Kumar Pandey, Shri Rajesh Gautam, Shri Mohan Lal Goyal and Shri Gitu Yaikhom

आकल्पन : श्री ललित बागुल, कला अनुभाग, इंग्रामासं  
Layout Design: Shri. Lalit Bagul, Art Section, IGRMS

छायाचित्र : छाया अनुभाग, इंग्रामासं  
Photographs : Photography Section, IGRMS

टंकण कार्य: श्रीमती विजया पांडे, श्री राजेश त्यागी  
Text keying : Smt Vijaya Pandey, Shri Rajesh Tyagi

मुद्रण : म. प्र. माध्यम, भोपाल  
Printed at : MP Madhyam, Bhopal

मुख्य पृष्ठ : वर्ष के दौरान इंग्रामासं की गतिविधियों और उपलब्धियों की झलकियाँ  
Cover Page : Glimpses of the activities and achievements of IGRMS during the year.

अंतिम पृष्ठ : इंग्रामासं में मणिपुर के पारम्परिक द्वार का समारोहपूर्ण उद्घाटन  
Back Page : Ceremonial inauguration of the traditional gate of Manipur at IGRMS.

शुची | Index

विषय / Contents	पृष्ठ क्र. / Page No.
■ निदेशक का संदेश / Message from Director	04
■ सामान्य परिचय / General Introduction	05
1. अधी संरचनात्मक विकास: (संग्रहालय संकुल का विकास)	
Infrastructure Development: (Development of Museum Complex)	06
1.1. प्रदर्शनियाँ / Exhibitions	06
1.2. अभिलेखीत संसाधनों का सशक्तिकरण / Strengthening of archival resources	10
2. शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ / Education & Outreach Activities	12
2.1. 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम / 'Do and Learn' Museum Education Programme	12
2.2. कलाकार कार्यशालाएं / Artist Workshops	14
2.3. संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / कार्यशालाएं / Seminars / Conferences / Workshops	16
2.4. संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान / Museum Popular Lectures	21
2.5. वार्षिक इंग्रामासं व्याख्यान / Annual IGRMS Lecture	23
2.6. द्वितीय प्रो. बी. के. रायबर्मन स्मृति व्याख्यान / 2 <sup>nd</sup> Prof. B.K.Royburman Memorial Lecture	23
2.7. प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियाँ / Performing Art Presentations	23
2.8. प्रकाशन / Publications	27
2.9. अन्य विशेष गतिविधियाँ / Other Special Activities	28
3. ऑपरेशन सल्वेज / Operation Salvage	46
3.1. संकलन द्वारा सल्वेज / Salvage through Collection	46
3.2. क्षेत्रकार्य द्वारा सल्वेज / Salvage through Field Work	46
4. दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, मैसूर / Southern Regional Centre, Mysore	48
5. पूर्वोत्तर भारत की गतिविधियाँ / Activities for North-Eastern India	50
6. सुविधा इकाईयाँ / Facility Units	55
7. लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखे / Audit Report and Annual Accounts (2018-19)	58
7.1. वर्ष 2018-19 के लेखे पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं प्रमाण पत्र / Audit Report and Audit Certificate on the accounts for the year 2018-19	58
7.2. वर्ष 2018-19 के लिए वार्षिक लेखा / Annual Accounts for the year 2018-19	58
8. अनुलग्नक / Annexures	82
8.1. राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के सदस्य Members of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti (RMSS)	83
8.2. राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति की कार्यकारी परिषद के सदस्य Members of the Executive Council of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti	85
8.3. कार्यकारी परिषद की वित्त समिति के सदस्य Members of the Finance Committee of the Executive Council	88

## निदेशक का संदेश Message from Director



इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संस्थान है। इसने अपनी स्थापना के 43 वर्ष पूरे कर लिए हैं और 44 वें वर्ष में प्रवेश किया है। भारत की सांस्कृतिक विविधता के समारोहण के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना इस संग्रहालय का एक प्रमुख उद्देश्य है। भोपाल में स्थित इस संग्रहालय का एक दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र मैसूरु, कर्नाटक में स्थित है।

यह वार्षिक प्रतिवेदन विभिन्न प्रकार की गतिविधियों और कार्यक्रमों का एक विवरण है जो हमने वर्ष-भर अपनी मुक्ताकाश प्रदर्शनियों और स्थायी व सामयिक प्रदर्शनियों को सुदृढ़ करने के लिए किए हैं। इस अवधि के दौरान संग्रहालय ने एक नई मुक्ताकाश प्रदर्शनी “कुम्हार पारा” विकसित की है, जो भारत की समृद्ध और विविधतापूर्ण मिट्टी के बर्तनों की परंपराओं पर आधारित है। यह संग्रहालय विभिन्न कला और शिल्प परंपराओं का उनके मूर्त और अमूर्त आयामों तथा उनके अंतर्संबंधों के साथ प्रलेखीकरण के द्वारा भारतीय सभ्यता के मूल सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्जीवित करने के लिए तथा संग्रहालय को समुदायों के द्वार तक ले जाने के लिए विभिन्न शैक्षणिक और आउटरीच गतिविधियों का आयोजन करता है। “करो और सीखो” संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम और कलाकार कार्यशालाएँ विभिन्न क्षेत्र के लोगों के बीच सांस्कृतिक समझ को मजबूत करने के साथ ही कलाकारों और दर्शकों के मध्य सीधे संपर्क का अवसर निर्मित कर संग्रहालय-दर्शक सम्बन्धों को बनाये रखने हेतु उद्देशित है। यह नियोजित रूप से अपने हितधारकों के साथ सम्मेलन/संवाद का आयोजन करता है। यह सभी गतिविधियाँ भारत में एक नव संग्रहालय आंदोलन का नेतृत्व करती हैं और राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को मजबूत करती हैं। अपनी उप-योजना ऑपरेशन साल्वेज के माध्यम से संग्रहालय संग्रह और प्रलेखन द्वारा मूर्त और अमूर्त दोनों जीवन संवृद्धिकारक परंपराओं के विभिन्न पहलुओं के साल्वेज के लिए व्यवस्थित प्रयास कर रहा है। हमें आशा है कि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से, हम समय और स्थान में मानव जाति की गाथा को प्रदर्शित करने में निरंतर सक्षम होंगे।

डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र  
निदेशक, इंगारामासं, भोपाल

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, an autonomous organisation of Ministry of Culture, Govt. of India. It has completed 43 year of its establishment and entered into 44th year. This Museum has a mandate of promotion of national integration through celebration of cultural diversity of India. Situated in Bhopal it has a Southern Regional Centre situated at Mysuru, Karnataka.

This annual report is a record of various kinds of activities and programmes we carried out throughout the year to strengthen our open air exhibitions and permanent and periodical exhibitions. During the period it has dedicated to the nation a new open air exhibition “Kumhar Para” focussing on rich and diverse pottery traditions of India. The museum also organises various education and outreach activities to revitalise various core cultural values of Indian civilization by documenting various art and craft traditions with their tangible and intangible dimensions and their interrelations as also to take the Museum to the doorstep of communities. “Do and Learn” Museum education programme and artist workshops are also aimed to maintain museum-visitor alliance by generating opportunity of direct interaction between artists and visitors as also to strengthen the cultural understanding among the people of different regions. It organise colloquiums/dialogues among its stakeholder regularly. All these activities lead to generation of a new Museum movement in India and strengthen the spirit of national integration. Through its sub-scheme Operation Salvage the Museum is making systematic efforts for salvaging various aspects of life enhancing traditions both tangible and intangible by collection and documentation. We are hopeful that with the support from the Ministry of Culture, Govt. of India we will continuously be able to demonstrate the story of humankind in time and space.

Dr. Praveen Kumar Mishra  
Director, IGRMS



## सामान्य परिचय General Introduction

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, (इंगारामासं)/ (नेशनल म्यूजियम ऑफ मेनकाइंड) समय और स्थान के परिप्रेक्ष्य में मानव जाति की गाथा के प्रस्तुतिकरण में संलग्न, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी संस्थान है। 1970 के आरंभ में अभिकल्पित, इंगारामासं ने अपनी गतिविधियों की शुरुआत 1977 में नई दिल्ली में एक केंद्रीय कार्यालय के रूप में की। संग्रहालय विकास हेतु आवश्यक भूमि आवंटन के पश्चात् यह संस्थान 1979 के प्रारंभ में भोपाल स्थानांतरित हो गया। इंगारामासं का मुख्य संग्रहालय प्रसिद्ध भोपाल झील के सामने मध्यप्रदेश राज्य सरकार द्वारा आवंटित 200 एकड़ परिसर में विकसित किया जा रहा है। इंगारामासं का एक दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र मैसूरु में 2001 से कर्नाटक सरकार द्वारा आवंटित धरोहर भवन ‘वैलिंगटन हाउस’ से कार्यरत है।

संग्रहालय मानव अभिव्यक्ति की वैकल्पिक बहुलताओं तथा मानव संस्कृतियों की समकक्ष वैधता के प्रदर्शन हेतु भारत में एक नव संग्रहालय आंदोलन जगाने में संलग्न है। संग्रहालय राष्ट्रीय एकता तथा शोध और प्रशिक्षण को बढ़ावा देते हुये अंतर्संगठनात्मक कार्यतंत्र का विकास कर विलुप्त प्राय किंतु बहुमूल्य सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण हेतु भी कार्यरत है। संस्थान के अभिनव पक्ष हैं पारंपरिक कारीगरों तथा विभिन्न समुदायों से आये विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी से निर्मित मुक्ताकाश और अंतरंग प्रदर्शनियाँ, विलुप्त प्राय परंतु बहुमूल्य सांस्कृतिक परम्पराओं के पुनर्जीवीकरण हेतु एजुकेशन, आउटरीच एवं साल्वेज गतिविधियाँ। अपनी प्रदर्शनियों व साल्वेज गतिविधियों के माध्यम से इंगारामासं भारत की पारंपरिक जीवन शैलियों की सौन्दर्यात्मक विशेषताओं तथा लोगों के स्थानीय ज्ञान और संस्कृति की आधुनिक समाज के साथ निरंतर प्रासंगिकता को प्रदर्शित करता तथा लोगों को पारिस्थितिकी व पर्यावरण तथा स्थानीय मूल्यों और प्रथाओं के अभूतपूर्व विनाश के प्रति सचेत करता है।

Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS)/ (National Museum of Mankind), an autonomous organization of the Ministry of Culture, Government of India is engaged to portray the story of mankind in time and space. Conceived in the early 1970s, the IGRMS began its activities in 1977 by opening a nucleus office at New Delhi. The establishment was shifted to Bhopal in early 1979 on allotment of necessary land for developing the Museum. The main Museum of the IGRMS is being developed in a 200 acre campus allotted by the State Government of Madhya Pradesh in front of the famous Bhopal lake. A Southern Regional Centre of IGRMS is functioning since 2001 at Mysuru from a heritage building 'Wellington House' allotted by the Government of Karnataka.

The Sangrahalaya is involved in generating a new Museum movement in India, to demonstrate the simultaneous validity of human cultures and the plurality of alternatives for human articulation. The Sangrahalaya is also working for national integration, and promote research and training and inter-organizational networking for salvage and revitalisation of vanishing, but valuable cultural traditions. The innovative aspects of the organisation are its open air and indoor exhibitions, built with active involvement of traditional artisans and experts drawn from different community groups: and the Education, Outreach and Salvage activities for revitalization of vanishing but valuable cultural traditions. Through its exhibitions and salvage activities, the IGRMS demonstrates the aesthetic qualities of India's traditional life styles, and the continued relevance of the local knowledge and mores of its people to the modern society, and cautions the people against unprecedented destruction of ecology and environment, local values and customs.

**संस्थान के कार्यक्रम और गतिविधियाँ निम्नलिखित तीन उप-योजनाओं के अंतर्गत संचालित की जाती हैं:**

1. अधो संरचनात्मक विकास: (संग्रहालय संकुल का विकास),
2. शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ, तथा
3. ऑपरेशन साल्वेज

**The programmes and activities of the organisation are carried out under three sub-schemes namely:**

- (1) Infrastructure Development (Development of Museum Complex),
- (2) Education and Outreach activities, and
- (3) Operation Salvage.





वर्ष 2018-19 के दौरान इंगारामासं द्वारा आयोजित गतिविधियों पर प्रतिवेदन निम्नानुसार है:

**1.1. प्रदर्शनियाँ:** क्यूरेटोरियल विंग के सदस्य विभिन्न मुक्ताकाश प्रदर्शनियों जैसे जनजातीय आवास, हिमालय ग्राम, तटीय गांव, मरु ग्राम, नदी घाटी संस्कृतियों, विश्व बोध एवं कथा पथ, शैलकला धरोहर, पारंपरिक तकनीक, कुम्हार पारा—भारत की कुम्हारी परम्परायें, पुनीत वन और अंतरंग संग्रहालय भवन वीथी संकुल में विकसित प्रदर्शनियों के उन्नयन तथा रखरखाव में संलग्न रहे। साथ ही क्यूरेटोरियल स्टॉफ सामयिक प्रदर्शनियों के विकास और माह का प्रादर्श श्रृंखला के विकास में भी संलग्न रहे।

**1.1.1. मुक्ताकाश प्रदर्शनियाँ:** संग्रहालय भोपाल में अपनी मुक्ताकाश प्रदर्शनियों में सांस्कृतिक विविधता के भाग के रूप में भारत के वास्तु वैविध्य तथा तकनीकी ज्ञान को प्रदर्शित करने के लिए व्यवस्थित प्रयास कर रहा है। इस अवधि के दौरान एक नई मुक्ताकाश प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया है।

**1.1.1.1. नवीन मुक्ताकाश प्रदर्शनी कुम्हार पारा — भारत की कुम्हारी परम्परायें का लोकार्पण:** भारत की समृद्ध और विविधतापूर्ण कुम्हारी परम्पराओं पर केन्द्रित एक नवीन मुक्ताकाश प्रदर्शनी कुम्हार पारा का लोकार्पण इंगारामासं. के 43 वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर किया गया। गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और परधान कलाकारों द्वारा सम्पादित अनुष्ठानों से इस प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।



A- 'कुम्हार पारा' मुक्ताकाश प्रदर्शनी का प्रवेश द्वार 'गोधारी पठेरा' / 'Godhari Pathera' entrance gate of open air exhibition 'Kumhar Para'  
B-मुक्ताकाश प्रदर्शनी 'कुम्हार पारा' का उद्घाटन/Inauguration of Open air exhibition 'Kumhar Para'

The report of activities carried out by the IGRMS during the year 2018-19 is given below:

**1.1. Exhibitions:** Members of the Curatorial Wing were engaged in updating and maintenance of different open-air exhibitions viz. Tribal Habitat; Himalayan Village; Coastal Village; Desert Village; River-valley Cultures; Cosmology and Narrative Trail; Rock Art Heritage; Traditional Technology; Kumhar Para- Pottery Traditions of India; Sacred Groves and exhibitions developed in the Veethi Sankul – the indoor museum building. The curatorial staff also worked for developing periodical exhibitions and exhibit of the month series.

**1.1.1. Open Air Exhibitions:** The museum is making systematic efforts to showcase the architectural diversity and technical wisdom of India as part of cultural diversity in its open-air exhibitions at Bhopal. During the period a new open air exhibition is inaugurated.

**1.1.1.1 Dedication of new open-air exhibition Kumhar Para - Pottery Traditions of India:** A new open-air exhibition entitled Kumhar Para focusing on rich and diverse pottery traditions of India was dedicated to the public on the occasion of the 43<sup>rd</sup> Foundation Day celebration of IGRMS. The exhibition was inaugurated by lighting the lamp by dignitaries and ritual ceremonies by Pardhan artists.



**1.1.1.2. मुक्ताकाश प्रदर्शनियों में नवीन प्रादर्शों का संयोजन:** a मणिपुर के उखरुल जिले के लोंगी कुम्हारों ने मुक्ताकाश प्रदर्शनी कुम्हार पारा में हम्पाई निर्माण के प्रदर्शन हेतु इंगारामासं का दौरा किया। हम्पाई वह बर्तन है जिनकी बाहरी सतह पर कलाकृतियाँ होती हैं जो तांगखुल नागा समुदाय में इसके उपयोग के सांस्कृतिक महत्व को दर्शाती हैं। हम्पाई को सामुदायिक भोज हेतु उपयोग किया जाता है।

**b.** मणिपुर से मैतेई कलाकारों ने कुम्हार पारा प्रदर्शनी में "अंजी पाफल"—मणिपुर के एक शासक देवता की दस फीट ऊंची त्रि-आयामी प्रतीकात्मक आकृति तैयार की। मणिपुर के मैतेई समुदाय में इसे ब्रम्हाण्ड का रचयिता माना जाता है।

**c.** कच्छ गुजरात के कलाकारों का एक दल संग्रहालय परिसर में कुम्हार पारा नामक मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रादर्श विकसित करने हेतु संलग्न रहा।



C - कच्छ गुजरात से आये कलाकार मुक्ताकाश प्रदर्शनी में प्रादर्श विकसित करते हुये। / Artist from Kutch, Gujarat, engaged to develop exhibits for the open air exhibition

D - अंजी पाफल—कुम्हार पारा मुक्ताकाश प्रदर्शनी में मणिपुर का एक नवीन प्रादर्श। / Anji Paphal – a new exhibit from Manipur in the Open air exhibition of Kumhar Para.

**1.1.1.3 मुक्ताकाश प्रदर्शनियों में रखरखाव और नवीनीकरण कार्य:**

**a.** मणिपुर के कलाकारों द्वारा कुम्हार पारा नामक मुक्ताकाश प्रदर्शनी में मिट्टी के बर्तनों के स्तम्भ कुम्हेइ शाकताक फुरोन का पुनः संयोजन किया गया। (मई, 2018)

**b.** तटीय गाँव मुक्ताकाश प्रदर्शनी में पारंपरिक ओड़िया घर 'मिर्धाबाड़ी' का रख रखाव कार्य किया गया। (मई, 2018)

**c.** केरल के पारंपरिक कलाकार श्री रामचंद्रन के मार्गदर्शन में तटीय गाँव मुक्ताकाश प्रदर्शनी में केरल के पारंपरिक घर 'नालकेटटू' और मछुआरों के गाँव का नवीनीकरण कार्य किया गया। (मई—जून, 2018)

**d.** कुम्हार गाँव, जिला गोलाघाट, असम के कुम्हार मुक्ताकाश प्रदर्शनी कुम्हार पारा के लिये बर्तन तैयार करने के लिये 30 दिनों तक इंगारामासं. में रहे। तैयार किये गये बर्तन एवं अन्य वस्तुएं ज्यादातर सामाजिक, धार्मिक और घरेलू उद्देश्य से संबंधित थे। (जून, 2018)

**1.1.1.2. Addition of new exhibits in the open-air exhibitions:** a. The Longpi potters from Ukhrul district of Manipur visited IGRMS and demonstrated the preparation of Hampais in the Kumhar Para open air exhibition. The Hampais are the pots having artworks on the outer surface narrating the cultural significance of its use among the Tangkhul Naga Community. Hampais are used in the village feast.

**b.** Meitei artists from Manipur prepared a 10ft high three dimensional figure of "Anji Paphal" – a symbolic representation of the ruling deity of Manipur in Kumhar Para exhibition. Among the Meitei community of Manipur it is regarded as the creator of the universe.

**c.** A group of artists from Kutch, Gujarat were engaged to develop exhibits for the open air exhibition titled Kumhar Para in the museum premises.



**1.1.1.3 Maintenance and renovation work of open-air exhibitions:**

**a.** Re-assembling of the 'Kumhei Shaktak Phuron', Pottery Tower from Manipur was done in the open air exhibition entitled 'Kumhar Para' by the artists from Manipur (May, 2018).

**b.** Maintenance work of 'Mirdhabadi', traditional Odiya house type has been carried out in the 'Coastal village' open air exhibition (May, 2018).

**c.** Renovation work of traditional house-type 'Nalkettu' and Fisherman's Village from Kerala in the Coastal Village open air exhibition was carried out under the guidance of traditional artist Shri Ramachandran from Kerala. (May-June, 2018).

**d.** Potters from Kumhargaoon, Golahat District, Assam, visited IGRMS for 30 days to make pottery for open air exhibition Kumhar Para. The pots and clay works prepared were mostly related to socio-religious and domestic purpose (June, 2018).



**e.** मणिपुर के 10 कलाकारों के एक दल ने संग्रहालय में एक प्रादर्श के रूप में स्थापित मणीपुर के पुनीत वन उमंग लाइगी लाइकान में उमंग लाई के पूजा स्थल का नवीनीकरण कार्य किया। दल ने लाई हाराओबा के वार्षिक अनुष्ठान अर्थात देवी देवताओं के उत्सव को समारोह पूर्वक मनाने के लिये संरचनाएं तैयार की। (अक्टूबर, 2018)

**f.** असम के मोरान समुदाय के 15 कलाकारों का एक समूह संग्रहालय में एक प्रादर्श के रूप में प्रदर्शित किए गये अपने पारंपरिक आवास प्रकार के नवीनीकरण के लिये 19 मार्च, 2019 से कार्यरत रहा। इस प्रादर्श का निर्माण असम के काकोपाथर क्षेत्र के कलाकारों द्वारा वर्ष 2010 में किया गया था।



E - मणिपुर के कलाकारों द्वारा 'कुम्हार पारा' नामक मुक्ताकाश प्रदर्शनी में मिट्टी के बर्तनों के स्तम्भ का पुनः संयोजन। / Artists from Manipur Re-assembled the Pottery Tower in the open air exhibition entitled 'Kumhar Para'.

F - इंगारा.मा.सं. में मणिपुर के मेतेई समुदाय के वार्षिक उत्सव उमंग लाई हाराओबा समारोह का दृश्य। / Glimpse of Umang Lai Haraoba Festival of Meitei community of Manipur at IGRMS.

### 1.1.2. सामयिक एवं घुमन्तु प्रदर्शनियाँ:

**1.1.2.1.** 'लोर ऑफ द रोर - द कल्चरल रिफ्लेक्शन्स ऑफ टाइगर' नामक एक विशेष प्रदर्शनी का संयोजन अंतरंग संग्रहालय भवन वीथि संकुल में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर 18 मई, 2018 को किया गया। इस प्रदर्शनी में भारत के समुदायों में बाघ की सांस्कृतिक परम्पराओं का वर्णन मुखौटो के बहुमूल्य संकलन के साथ 43 जनजातीय चित्रों के माध्यम से किया गया।

**1.1.2.2.** 'राहे' नामक एक विशेष 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम में शारीरिक और मानसिक विकलांग बच्चों द्वारा तैयार किये गये चित्रों पर आधारित एक प्रदर्शनी का संयोजन इंगारामासं में 19 से 23 जुलाई, 2018 तक किया गया।

**1.1.2.3.** अंतर्राष्ट्रीय देशज जन दिवस के अवसर पर 9 अगस्त, 2018 को 'आदि-जन' नामक एक विशेष प्रदर्शनी का संयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. तमो मिबांग, पूर्व कुलपति, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश द्वारा प्रो. एस. एन. चौधरी, राजीव गांधी चैयर, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की उपस्थिति में किया गया।

**e.** A team of 10 artists from Manipur renovated the shrine of Umang Laigi Laikon - Sacred Grove of Umang Lai, Manipur installed as an exhibit in the Museum. The team prepared the structures of the shrine for celebration of annual rites of Lai Haraoba Ceremony i.e. merry making of the gods and goddesses (October, 2018).

**f.** A group of 15 artists from the Moran community of Assam were engaged from 19th March, 2019 for carrying out renovation of their traditional house type displayed in the Museum as an exhibit. This exhibit was built in the year 2010 by artists from Kakopathar area of Assam.



### 1.1.2 Temporary and Travelling Exhibitions:

**1.1.2.1** A special exhibition entitled 'Lore of the Roar- the Cultural Reflections of Tiger' was mounted at Veethi Sankul – the indoor museum building on the occasion of the International Museum Day on 18<sup>th</sup> May, 2018. The exhibition showcased 43 tribal paintings, together with precious collections of masks to narrate the cultural tradition of Tiger from the communities of India.

**1.1.2.2** An exhibition was mounted in IGRMS from 19<sup>th</sup> to 23<sup>rd</sup> July, 2018 consisting of paintings prepared by physically and mentally disabled children in the programme entitled 'Rahen', a special 'Do and Learn' museum education programme.

**1.1.2.3** A special exhibition entitled 'Aadi-Jan' was held on 9<sup>th</sup> August, 2018 on the occasion of International Day of World's Indigenous People. The exhibition was inaugurated by Prof. Tamo Mibang, former Vice-Chancellor, Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh in presence of Prof. S.N. Chaudhary, Rajiv Gandhi Chair, Barkatullah University, Bhopal.

**1.1.2.4.** क्ले मॉडलिंग कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों द्वारा निर्मित की गयी कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी 15 से 17 सितम्बर, 2018 तक जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी की परिचयात्मक दीर्घा में लगायी गयी।

**1.1.2.5.** आदिवासी समुदायों में काष्ठ उत्कीर्णन पर 'काठे लेखा' नामक एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी में 14 दिसम्बर, 2018 को जनजातीय साहित्य महोत्सव, 2018 को एक भाग के रूप में किया गया।

**1.1.2.6.** उज्जैन में सिंहस्थ महाकुम्भ - 2016 के दौरान इंगारा.मा.सं. के अधिकारियों की टीम द्वारा प्रलेखित एथनोग्राफिक प्रादर्शों और तस्वीरों की 'सिंहस्थ महाकुम्भ' नामक एक सामयिक प्रदर्शनी का उद्घाटन सुश्री दीपिका पोखरना, निदेशक, वित्त, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा 23 फरवरी, 2019 को किया गया।

**1.1.2.7.** इंगारा.मा.सं. के संग्रह से पूर्वोत्तर भारत की हथकरघा वस्त्र परम्पराओं पर एक विशेष प्रदर्शनी 'हथकरघा' का उद्घाटन 8 मार्च, 2019 को इंगारा.मा.सं. की 43वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर किया गया।



A - सामयिक प्रदर्शनी 'लोर ऑफ द रोर' का दृश्य। / Glimpse of Periodical Exhibition 'Lore of the Roar'.

B - 'आदि-जन' नामक एक विशेष प्रदर्शनी। / A special exhibition entitled 'Aadi-Jan'.

C - 'सिंहस्थ महाकुम्भ' नामक एक सामयिक प्रदर्शनी का दृश्य। / Glimpse of a periodical exhibition entitled 'Simhasth Mahakumbh'.

D - पूर्वोत्तर भारत के हथकरघा वस्त्र परम्पराओं पर एक विशेष प्रदर्शनी 'हथकरघा' का दृश्य। / A glimpse of a special exhibition entitled 'Hathkargha' on Handloom Textile Traditions of North East India

**1.1.2.4** An exhibition of art pieces made by the participants during the clay modeling workshop from 15<sup>th</sup> to 17<sup>th</sup> September, 2018 was mounted at Introductory Gallery of Tribal Habitat open-air exhibition.

**1.1.2.5** A special exhibition entitled 'Kathe Lekha' on wood carving among the tribal communities was inaugurated on 14<sup>th</sup> December, 2018 at Tribal Habitat open air exhibition as a part of the Tribal Literature Festival - 2018.

**1.1.2.6** A special periodical exhibition entitled 'Simhasth Mahakumbh' comprising of ethnographic objects and photographs documented by the team of IGRMS officials during Simhasth Mahakumbha-2016 at Ujjain was inaugurated by Ms. Deepika Pokharna, Director, Finance, Ministry of Culture, Govt. of India on 23<sup>rd</sup> February, 2019.

**1.1.2.7** A special exhibition entitled 'Hathkargha' on Handloom Textile Traditions of North East India from the collection of IGRMS was inaugurated on 8th March, 2019 on the occasion of 43<sup>rd</sup> Foundation Day celebration of IGRMS.





**1.1.3 माह का प्रादर्श**— इ.गं.रा.मा.सं. की प्रदर्शनी शृंखला जिसका शीर्षक “माह का प्रादर्श” है, दर्शकों को संग्रहालय के अनूठे संकलन से परिचित कराने, एक प्रादर्श विशेष एवं सम्बद्ध समुदाय के बारे में संपूर्ण सूचना उपलब्ध कराने को उद्देशित है। इस शृंखला में प्रति माह संग्रहालय के सुरक्षित संकलन में से एक चयनित प्रादर्श प्रदर्शित किया जाता है। समीक्षावधि के दौरान विभिन्न लोक और जनजातीय समुदायों से सम्बद्ध तथा संबंधित समुदाय के सांस्कृतिक जीवन को प्रतिबिम्बित करते निम्नलिखित प्रादर्श प्रदर्शित किये गये:

1.1.3.1. **मुरुदुन्ग**— ओडिशा की खोंड जनजाति का एक देशज वाद्ययंत्र। (अप्रैल, 2018)

1.1.3.2 **गरुडासन**— असम से पवित्र ग्रंथों की पूजा के लिए एक वेदी। (मई, 2018)

1.1.3.3. **लीफान**— मणिपुर से बेंत से निर्मित एक मेज। (जून, 2018)।

1.1.3.4. **फान**— असम की खामती जनजाति में उपयोग किये जाने वाला बेंत और बांस का एक संदूक। (जुलाई, 2018)

1.1.3.5. **छेपु**— कालिम्पोंग, पश्चिम बंगाल से एक मिथिकीय प्राणी का एक काष्ठ मुखौटा। (अगस्त, 2018)

1.1.3.6. **वारपु**— केरल से धातु का एक बर्तन। (सितम्बर, 2018)

1.1.3.7. **रानी थोंगी**— मध्य प्रदेश की बैगा जनजाति में उपयोग किये जाने वाला एक पारंपरिक चूहा फंदा। (अक्टूबर, 2018)

1.1.3.8 **बोगरे**— अरुणाचल प्रदेश के शेरदुकपेन समुदाय का एक पारंपरिक झोला। (नवम्बर, 2018)

1.1.3.9. **मासेर चक्र**— पूर्वी भारतीय राज्यों की उत्सव संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाला एक मोर दीपक। (जनवरी, 2019)

1.1.3.10. **उरामिली**— केरल के इरुला समुदाय का एक वाद्ययंत्र। (फरवरी, 2019)

1.1.3.11. **माकोन्डे**— पूर्वी अफ्रीका से एक काष्ठ मूर्ति। (मार्च, 2019)

**1.1.4. हेरिटेज कॉर्नर**— हेरिटेज कॉर्नर इ.गं.रा.मा.सं. की एक प्रदर्शनी शृंखला है जिसमें भारत की सांस्कृतिक विविधता के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए शैक्षणिक और अन्य समान प्रकृति के संस्थानों को बड़े छाया चित्रों का एक सेट दिया जाता है। इस शृंखला के अंतर्गत कलकत्ता विश्वविद्यालय के तारकनाथ पालित प्रांगण के मुख्य भवन में स्थित मानव विज्ञान विभाग में भारत की प्रदर्शनकारी परंपराओं पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी लगायी गयी। इसका उद्घाटन 4 अक्टूबर, 2018 को प्रसिद्ध मानव शास्त्री प्रो. शेख रहिम मंडल ने किया।

**1.2. अभिलेखीय संसाधनों का सुदृढीकरण**— समीक्षावधि के दौरान संग्रहालय ने अपने संकलन में 530 एथनोग्राफिक प्रादर्श, 25184 डिजिटल छवियों, 277 घंटे से अधिक की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग, भारतीय/विदेशी पत्रिकाओं के 638 अंकों और 388 पुस्तकों को अपने संकलन में जोड़ा।

**1.1.3 Exhibit of the Month:** Exhibition series of the IGRMS entitled "Exhibit of the month" intends to make visitors introduced with a unique collection of the Museum as also to provide detail information about a particular object and the community related with. In this series, a selected object from the Museum's reserve collection is displayed every month. During the period under review following objects belonging to various folk and tribal communities and reflecting the cultural life of the respective community had been displayed:

1.1.3.1 **Murudung**- An indigenous musical instrument of Khond tribe of Odisha (April, 2018)

1.1.3.2 **Garudasan** – An altar for the worship of holy scriptures from Assam (May, 2018).

1.1.3.3 **Leephan** – A table made of cane from Manipur. (June, 2018).

1.1.3.4 **Phan** – A traditional cane and bamboo receptacle used among the Khamti tribe of Assam. (July, 2018).

1.1.3.5 **Chhepu** - A wooden mask of a mythical creature from Kalimpong, West Bengal. (August, 2018).

1.1.3.6 **Varpu** – A metal vessel from Kerala (September, 2018).

1.1.3.7 **Rani Thongi** - a traditional rat trap used among the Baiga tribe of Madhya Pradesh (October, 2018).

1.1.3.8 **Bogre** - A traditional bag of Sherdukpen community of Arunachal Pradesh (November, 2018).

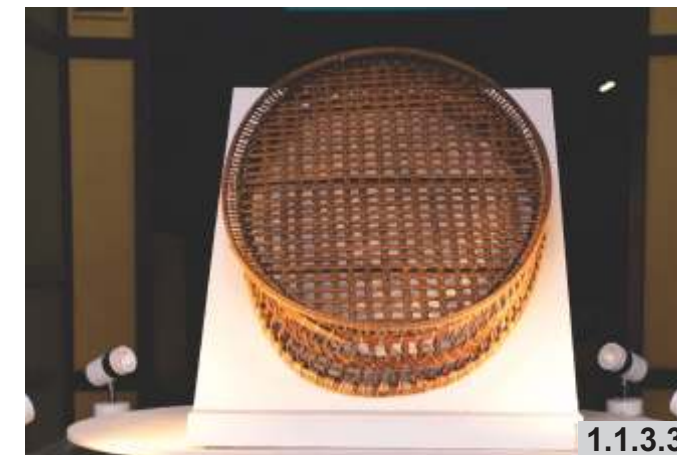
1.1.3.9 **Maser Chakra** - A peacock lamp representing the festive culture of Eastern Indian states (January, 2019).

1.1.3.10 **Uramili** - A musical instrument from Irula community of Kerala (February, 2019).

1.1.3.11 **Makonde** – A wooden sculpture from East Africa. (March, 2019).

**1.1.4 Heritage Corner:** Heritage corner is an exhibition series of IGRMS in which a set of enlarged photographs are given to educational and other similar nature institution for spreading awareness about cultural diversity of India. A special exhibition entitled Performing Traditions of India was mounted under this series in the Calcutta University at the Department of Anthropology, situated in the main building of Taraknath Palit Prangan. It was inaugurated on 4<sup>th</sup> October, 2018 by renowned anthropologist Prof. Shekh Rohim Mondal.

**1.2. Strengthening of Archival Resources:** During the period under review, the Museum added nearly 530 Ethnographic specimens, 25184 digital images, over 277 hours of audio-video recordings, 638 volumes of Indian/Foreign Journals and 388 books to its collection.



‘माह का प्रादर्श’ प्रदर्शनी शृंखला की झलकियाँ।  
Glimpses of the ‘Exhibit of the Month’ exhibition series.





शैक्षणिक गतिविधियाँ संग्रहालय का अभिन्न भाग हैं चूँकि वे लोगों को सीधे संग्रहालय से जोड़ती हैं। संग्रहालय-दर्शक सम्बंधों की निरन्तरता हेतु इंगारामास स्कूली विद्यार्थियों, युवाओं, अध्यापकों, अध्येताओं, गृहिणियों इत्यादि दर्शकों के वृहद समुदायों हेतु विविध शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित करता है।

संग्रहालय शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियों में 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम, कलाकार कार्यशाला, संगोष्ठी/सम्मेलन/अकादमिक कार्यशालाएँ, संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यान, वार्षिक इंगारामास व्याख्यान, विशेष उत्सव तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवस समारोह एवं मूर्त व अमूर्त धरोहर से सम्बंधित मुद्दे और अवसर इत्यादि भी शामिल हैं।

Educational activities had been an integral part of the museum as it directly associates masses with the Museum. In order to maintain the Museum-visitor alliance, IGRMS organizes various education programs and outreach activities catering to wide-ranging audiences such as school children, youth, teachers, scholars, house wives etc.

The Museum education and outreach activities includes 'Do & Learn' Museum Education Programme, Artists Workshop, Seminar/Conference/Academic workshop, Museum Popular Lectures, Annual IGRMS Lecture, particular festivals and celebration of national and international days as also the occasions and issues related to tangible and intangible heritage, etc.

अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा निम्नलिखित शैक्षणिक एवं आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

**2.1 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम:** संग्रहालय पंजीकृत प्रतिभागियों हेतु प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। इस श्रृंखला के अंतर्गत विभिन्न सृजनात्मक देशज ज्ञान पद्धतियों के लोक और जनजातीय कलाकार अपने संबंधित शिल्प का प्रशिक्षण देने के लिये आमंत्रित किये जाते हैं। समीक्षा अवधि के दौरान भोपाल के संग्रहालय परिसर तथा अन्य स्थानों पर निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

**2.1.1 गुजरात की राठवा भित्ती चित्रकला:** गुजरात की राठवा भित्ती चित्रकला पर एक प्रदर्शन-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27 अप्रैल से 4 मई, 2018 तक किया गया। इस कार्यक्रम में 19 प्रतिभागियों ने राठवा समुदाय की पारंपरिक चित्रकला पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

**2.1.2 कच्छ गुजरात के चित्रित मृदभांड:** कच्छ गुजरात के चित्रित मृदभांड पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन 8 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों हेतु विशेष रूप से किया गया। इस कार्यशाला के 26 पंजीकृत प्रतिभागियों को कच्छ, गुजरात से आये श्री इब्राहिम कासिम, श्री अहमद कासिम, श्री हमीद अहमद और श्रीमती सारा बाई इब्राहिम द्वारा दिनांक 1 से 8 मई, 2018 तक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

**2.1.3 मणीपुर की गुड़िया निर्माण कला:** मणीपुर की गुड़िया निर्माण कला पर एक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 6 से 13 मई, 2018 तक किया गया। जिसमें मणीपुर के कलाकार श्री ओईनाम नीलकंद एवं श्री थांगजम तुलाचंद्रा के द्वारा 22 पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

**During the period following Education and Outreach activities were carried out by the Museum:**

**2.1.1 Do and Learn' Museum Education Programme:** IGRMS organizes demonstration and training programs for registered participants. In this series folk and tribal artisans of various creative indigenous knowledge systems are invited to impart training of their respective craft. During the period under review, the following programs were organized in the museum campus in Bhopal and other places:

**2.1.1 Rathwa Wall Painting of Gujarat:** A demonstration-cum-training program was organised from 27<sup>th</sup> April to 4<sup>th</sup> May, 2018 on Rathwa Wall Painting of Gujarat. In this programme 19 participants learned the traditional painting of the Rathwa community.

**2.1.2 Painted pottery of Kutch Gujarat:** A special workshop on Painted Pottery of Kutch, Gujarat was organized exclusively for children between the ages of 8 to 14 years. Artists Shri Ibrahim Kasim, Shri Ahmed Qasim, Shri Hameed Ahmed and Smt. Sara Bai Ibrahim from Kutch, Gujarat trained 26 registered participants from 1<sup>st</sup> to 8<sup>th</sup> May, 2018.

**2.1.3 Doll making art of Manipur:** A workshop on Doll making art of Manipur was organized from 6<sup>th</sup> to 13<sup>th</sup> May, 2018 where artists Thangjam Tulachandra and Oinam Nilkand from Manipur imparted training to 22 registered participants.

**2.1.4 मणीपुर की ठप्पा छपाई कला:** मणीपुर की ठप्पा छपाई कला पर एक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 15 से 22 मई, 2018 तक किया गया, जिसमें मणीपुर से आये कलाकार श्री जोलिन कुमार एवं श्री नोबिन कुमार के द्वारा 27 पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

**2.1.5 महाराष्ट्र की वारली चित्रकला:** महाराष्ट्र की वारली चित्रकला पर एक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 15 से 22 मई, 2018 तक किया गया, जिसमें महाराष्ट्र से आये कलाकार श्री दिलीप एवं श्रीमती माल्ती बहोत्ता के द्वारा 49 पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया।

**2.1.6 ओडिशा का धान शिल्प:** ओडिशा की धान शिल्प पर एक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 से 25 मई, 2018 तक किया गया, जिसमें ओडिशा से आये पारंपरिक कलाकार श्री सदाशिव मुंडा एवं श्री अर्जुन मुंडा के द्वारा 20 पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

**2.1.7 राहें: विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिये 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम:** इंगारामास द्वारा 'राहें' नामक जनजातीय चित्रकला कार्यशाला का आयोजन विशेष रूप से शारीरिक और मानसिक विकलांग छात्रों के लिये दिनांक 19 से 23 जुलाई, 2018 तक शारीरिक और मानसिक विकलांग छात्रों के शासकीय आवासीय विद्यालय, केसर बंगला, परी बाजार, भोपाल में किया गया। इस कार्यशाला के समापन अवसर पर कार्यशाला के दौरान छात्रों द्वारा बनाये गये चित्रों की प्रदर्शनी लगायी गयी।



A - गुजरात की राठवा भित्ती चित्रकला पर शैक्षणिक कार्यक्रम। / Education Programme on Rathwa wall Painting.

B - मणीपुरी गुड़िया शिल्प पर शैक्षणिक कार्यक्रम। / Education Programme on Manipuri Doll making art.

C - महाराष्ट्र की वारली चित्रकला पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला। / A training workshop on warli painting.

D - ओडिशा के धान शिल्प पर एक शैक्षणिक कार्यक्रम। / Education Programme on Paddy Craft of Odisha.



**2.2. कलाकार कार्यशाला:** लोक और जनजातीय समुदायों के बीच कलाकृतियों या शिल्प सामग्रियों का सृजन केवल आजीविका के साधन के रूप में ही नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक-धार्मिक महत्ता और सम्बद्ध कारीगर समुदाय का सौन्दर्य बोध भी सम्मिलित है। समय और स्थान में विकसित ये कला रूप एक क्षेत्र अथवा उसमें रहने वाले समुदाय के पहचान चिन्ह रहे हैं। अपने प्राकट्य में स्पर्शनीय होते हुए भी इन कला परम्पराओं में कई अमूर्त पक्ष, जो विभिन्न नृजातीय समूहों और उनके अंतर्सम्बन्धों के अध्ययन में महत्वपूर्ण होते हैं, भी समाहित होते हैं। विविध कला परम्पराओं के प्रलेखन, कारीगर समुदायों के प्रोत्साहन और संग्रहालय के संकलन को समृद्ध करने के साथ ही एक ही स्थान पर कारीगर और दर्शकों के मध्य प्रत्यक्ष सम्वाद के अवसर उपलब्ध कराने के विचार से इं.गं.रा.मा.सं देश के विभिन्न स्थानों, भोपाल स्थित अपने मुख्यालय तथा दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, मैसूर में कलाकार शिविरों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। वर्ष के दौरान निम्नलिखित कलाकार कार्यशालाएँ आयोजित की गईं:

**2.2.1. क्ले मॉडलिंग पर कौशल विकास कार्यशाला:** इंगारामास द्वारा दिनांक 15 सितम्बर से 17 दिसम्बर, 2018 तक तीन माह की क्ले मॉडलिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 21 पंजीकृत प्रतिभागियों को 3 डी क्ले मॉडलिंग, मोल्डिंग, प्लास्टर ऑफ पेरिस कास्टिंग, फिनिशिंग और पेन्टिंग पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिये प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किये गये।

**2.2.2 सृष्टिकथा:** इंगारामास द्वारा श्रीमंत शंकर देव कलाक्षेत्र सोसायटी, गुवाहाटी के सहयोग से लोक एवं जनजातीय चित्रकारों के देशज दृष्टिकोण पर केन्द्रित 'सृष्टि कथा' नामक एक विशेष कार्यशाला का आयोजन दिनांक 21 से 25 सितम्बर, 2018 तक गुवाहाटी में किया गया। इस कार्यशाला में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, असम एवं गुजरात से लगभग 40 कलाकारों ने भाग लिया।

**2.2.3 जनजातीय एवं लोक नृत्य पर सामुदायिक आउटरीच कार्यशाला:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय एवं आस्ट्रेलियन हाई कमिशन द्वारा कम्यूनिटी आउटरीच कार्यशाला के अंतर्गत जनजातीय एवं लोक नृत्यों पर आधारित एक सहयोगात्मक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20 एवं 21 अक्टूबर, 2018 को इंगारामास में किया गया। इस दो दिवसीय कार्यशाला में आस्ट्रेलिया के बंगारा डांस थियेटर के कलाकारों द्वारा मध्यप्रदेश के बैगा समुदाय के कलाकारों के साथ पारंपरिक नृत्य पर केन्द्रित प्रयोगात्मक नवाचार किया गया। यह कार्यशाला भारत में आस्ट्रेलिया उत्सव का एक भाग थी।

**2.2.4 कलांजली:** जनजातीय साहित्य महोत्सव-2018 कार्यक्रम के महत्वपूर्ण भाग के रूप में पारम्परिक कला और शिल्प पर विभिन्न जनजातीय समुदायों की एक कार्यशाला का आयोजन संग्रहालय परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में मध्यप्रदेश,

**2.2 Artist Workshop:** Creation of craft items or artifacts among folk and tribal communities is not only a medium of livelihood but also contains socio-religious significance and aesthetic sense of respective artisan community. These art forms evolved in time and space have been an identity mark of a region or community residing there. Although being tangible in their appearance such art traditions contain several intangible aspects important for the study of various ethnic groups and their interrelations. With an aim to document various art traditions, to encourage artisans as well as to enrich museum's collection as also to provide an opportunity of direct interaction between artists and visitors at same place IGRMS organizes artist camps and workshops in various parts of the country and its headquarters at Bhopal and Southern Regional Centre at Mysore. During the year, following artist workshops were organized:

**2.2.1 Clay Modeling Workshop for Skill Development:** A three-month-long Clay Modelling Workshop was organized by IGRMS from 15<sup>th</sup> September to 17<sup>th</sup> December, 2018. In this workshop Hands-on training on 3D clay modeling, moulding, casting with Plaster of Paris, finishing and painting work was imparted to 21 registered participants. Certificates were awarded to the participants for successfully completing the workshop.

**2.2.2 Srishti Katha:** IGRMS organized a special Workshop of Folk and Tribal Painters focused on indigenous world view entitled 'Srishti Katha' in collaboration with Shrimanta Sankar Deva Kalakshetra Society, Guwahati from 21st to 25th September, 2018 at Guwahati. Nearly forty artists from Himachal Pradesh, Uttarakhand, Odisha, Madhya Pradesh, Rajasthan, Maharashtra, Assam, and Gujarat took part in this workshop.

**2.2.3 Community Outreach Workshop on Tribal and Folk Dance:** Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya and Australia's High Commission organized a collaborative workshop under the community outreach workshop based on tribal and folk dances on 20<sup>th</sup> and 21<sup>st</sup> October, 2018 at IGRMS. In this two-day workshop, the artists of Bangara Dance Theater of Australia made innovative experiments focused on traditional dance with artists of Baiga community of Madhya Pradesh. This workshop was a part of the Australia Fest in India.

**2.2.4 Kalanjali:** A workshop on traditional art and crafts of different tribal communities was organized in the Museum premises as an important event of the Tribal Literature Festival - 2018. The artists from Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Assam, Manipur,

छत्तीसगढ़, असम, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, और नागालैंड राज्यों से आये कलाकारों ने अपने-अपने शिल्प पर कौशल और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कलाकारों द्वारा बनाये गये शिल्प विक्रय हेतु भी उपलब्ध थे। इस कार्यशाला का उद्घाटन ख्याति प्राप्त लेखक श्री लक्ष्मण गायकवाड़ द्वारा किया गया।

**2.2.5 जनजातीय वैद्यों की कार्यशाला:** इंगारामास द्वारा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, जबलपुर, आयुष, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता के सहयोग से जनजातीय वैद्यों की पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 19 से 23 फरवरी, 2019 तक संग्रहालय परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में देश के 23 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों से लगभग 90 जनजातीय वैद्यों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्घाटन संयुक्त रूप से श्री अपरूप दास, निदेशक, आई सी एम आर, डॉ. सरमन सिंह, निदेशक, एम्स, भोपाल, श्रीमती शिखा दुबे, निदेशक, आयुष एवं प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामास द्वारा किया गया। दिनांक 23 फरवरी, 2019 को कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन सुश्री दीपिका पोखरना, निदेशक, वित्त विभाग, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की उपस्थिति में किया गया।

**2.2.6 हथकरघा एवं हस्तशिल्प पर कार्यशाला:** इंगारामास के 43वें स्थापना दिवस में आयोजित हथकरघा नामक प्रदर्शनी के अवसर पर पूर्वोत्तर भारत से आये कलाकारों द्वारा बुनकर सेवा केन्द्र, हथकरघा एवं हस्त शिल्प मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से दिनांक 8 से 10 मार्च, 2019 तक हथकरघा पर अपने कौशल का प्रदर्शन संग्रहालय परिसर में किया गया।

**2.2.7 पारम्परिक तकनीक उद्यान में प्रदर्शन:** इंगारामास की पारम्परिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित मणिपुर से संकलित समय मापक यंत्र, लौह तकनीक, जल संचालित ढेकी और चावल पीसने वाले यंत्र के नवीकरण कार्य हेतु मणिपुर के दस कलाकारों द्वारा दिनांक 19 से 27 मार्च, 2019 तक इंगारामास का दौरा किया गया। इस दल में से मणीपुर के पूर्वी इम्फाल जिले के निंगेल ग्राम के चार महिला कलाकारों द्वारा नमक निर्माण तकनीक की पारम्परिक प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।



A - क्ले मॉडलिंग कार्यशाला का दृश्य। / Glimpse of Clay Modelling Workshop.

B - 'सृष्टि कथा' नामक एक विशेष कार्यशाला का दृश्य। / Glimpse of a special Workshop entitled 'Srishti Katha'

Mizoram, Arunachal Pradesh and Nagaland demonstrated their creativity and skill in their respective crafts. The artifacts made by artists were also available for sale. This workshop was inaugurated by renowned author Shri Laxman Gaikwad.

**2.2.5 Tribal Healers Workshop:** Five days long Tribal Healers Workshop in collaboration with Indian Council for Medical Research, Jabalpur, AYUSH, Anthropological Survey of India, Kolkata was organized by IGRMS in the Museum premises from 19<sup>th</sup> to 23<sup>rd</sup> February, 2019. In this workshop nearly 90 tribal healers from 23 Indian states and Union Territories have participated. The workshop was jointly inaugurated by Shri Aparup Das, Director ICMR, Dr. Sarman Singh, Director, AIIMS, Bhopal, Mrs. Shikha Dubey, Director, AYUSH and Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS. Valedictory function held in presence of Ms Deepika Pokharna, Director, Finance, Ministry of Culture, Govt. of India on 23<sup>rd</sup> February 2019.

**2.2.6 Workshop on Handloom and Handicrafts:** Artists from North-east India demonstrated their skill on handloom in collaboration with the Weavers Service Centre, Ministry of Handlooms and Handicrafts, Govt. of India on the occasion of the exhibition entitled Hathkargha during the 43<sup>rd</sup> Foundation Day Celebration of IGRMS from 8<sup>th</sup> to 10<sup>th</sup> March, 2019.

**2.2.7 Demonstration in Traditional Technology Park:** Ten artists from Manipur visited IGRMS from 19<sup>th</sup> to 27<sup>th</sup> March, 2019 for renovation work of exhibits of timekeeping device, iron technology, water husking lever and rice grinder collected from Manipur installed at Traditional Technology open-air exhibition. Among the team, four women artists from Ningel village, Imphal East district of Manipur demonstrated the traditional process of salt making technology.







C - आस्ट्रेलिया के बंगारा डांस थियेटर के कलाकारों की बैगा समुदाय के कलाकारों के साथ कम्युनिटी आउटरीच कार्यशाला। / Community outreach workshop of artists from the Bangara Dance Theater of Australia with artists from the Baiga community.

D - संग्रहालय परिसर में जनजातीय वैद्यों की कार्यशाला। / Tribal Healers Workshop at IGRMS premises.

E - पूर्वोत्तर भारत से आये कलाकारों द्वारा हथ करघा पर अपने कौशल का प्रदर्शन। / Artists from North-east India demonstrating their skill on handloom.

F - पारम्परिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित जल संचालित ढेकी। / Water husking lever installed in Traditional Technology open-air exhibition.

**2.3 संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/कार्यशालाएँ:** संग्रहालय द्वारा मानवजाति के सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों के विभिन्न पक्षों पर संगोष्ठियाँ, परिसंवाद, वार्तालाप इत्यादि का आयोजन किया जाता है। यह गतिविधियाँ देश में एक नवीन संग्रहालय आंदोलन उत्पन्न करने के लिए उपयोगी है। अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित विषय पर संगोष्ठियाँ/परिसंवाद आयोजित किए गए:

**2.3.1** हैदराबाद विश्वविद्यालय के द्वारा दिनांक 31 जुलाई से 1 अगस्त, 2018 तक हैदराबाद में 'ट्राईबल आईडेन्टीटी एंड ट्राईबल इन्टिग्रेशन: इसुज ऑफ नेशनल बिल्डिंग' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन इंगारामास के सहयोग से सम्पन्न किया गया। इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बीज व्याख्यान इंगारामास के निदेशक प्रो. सरित कुमार चौधुरी द्वारा, हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी. अप्पा राव, प्रो.एम. रोमेश सिंह, विभागाध्यक्ष मानवशास्त्र, प्रो.पी. वरकडे राव, डीन, स्कूल ऑफ सोशल साइंस, प्रो. बी. वी. शर्मा, मानवशास्त्र विभाग, प्रो. एन सुधाकर राव, मानवशास्त्र विभाग, और श्री शेख अब्दुल मुनाफ, मानवशास्त्र विभाग, की उपस्थिति में दिया गया। दिनांक 1 अगस्त, 2018 को समापन समारोह में प्रो. एन. सुधाकर राव के द्वारा समापन भाषण प्रो. पी. वेंकट राव हैदराबाद विश्वविद्यालय के डीन, स्कूल ऑफ एथनोलॉजी, प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता और श्री मरिया कुमार मथंगी, मानवशास्त्र, विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय की उपस्थिति में दिया गया।

**2.3 Seminars/Conferences/Workshops:** The Museum organizes seminars, symposiums, colloquiums, etc on various aspects of socio-cultural relations of humankind. These activities are useful to generate a new museum movement in the country. During the period museum organized seminars/symposiums in different parts of the country on the following themes:

**2.3.1** A two-day National Seminar on 'Tribal Identity and Tribal Integration: Issues of Nation Building' was organized by the University of Hyderabad, at Hyderabad in collaboration with IGRMS, Bhopal from 31<sup>st</sup> July to 1<sup>st</sup> August, 2018. In the inaugural session, the keynote address was given by Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS in presence of dignitaries from University of Hyderabad namely Prof. P. Appa Rao, Vice-Chancellor, Prof. M. Romesh Singh, Head, Dept. of Anthropology; Prof. P. Verkade Rao, Dean School of Social Sciences; Prof. B.V. Sharma, Dept. of Anthropology; Prof. N Sudhakar Rao, Dept. of Anthropology; and Mr. Shaikh Abdul Munaf, Dept. of Anthropology. In the Valedictory session, Prof N. Sudhakar Rao presented the Valedictory Address on 1<sup>st</sup> August, 2018 in presence of Prof. P. Venkata Rao, Dean, School of Anthropology, University of Hyderabad; Prof. Vinay Kumar Srivastava, Director, Anthropological Survey of India and Shri Maria Kumar Mathangi, Dept. of Anthropology, University of Hyderabad.

**2.3.2** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा इंगारामास, भोपाल और भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता के सहयोग से 'ट्रांजिशन ऑफ ट्राईब्स इन इंडिया एंड द कन्टेम्पोरेरी डिस्कोर्स' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 24 व 25 सितम्बर, 2019 को आई जी एन टी यू, अमरकंटक में किया गया।

**2.3.3** इंगारामास, भोपाल द्वारा मानव विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय के सहयोग से 'एन्थ्रोपोलाजिकल रिसर्च इन पोस्ट-कोलोनियल इंडिया विथ स्पेशल रिफरेंस टू ईस्टर्न एंड नार्थ-ईस्टर्न इंडिया: ट्राईब एण्ड द बियॉड विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 4 से 6 अक्टूबर, 2018 तक कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में किया गया। इस संगोष्ठी में प्रो. गौतम छेत्रिय, प्रो. पी. वेंकट राव, प्रो. आर. पी. मिश्रा, डॉ. कुमार अखिलेश, प्रो. एस. सुमति, श्री एस.बी. ओटा, प्रो. पी.सी. जोशी और प्रो. निलिका मेहरोत्रा जैसे ख्याति प्राप्त विद्वानों ने विशेष व्याख्यान दिये।

**2.3.4** इंगारामास द्वारा इन्टेंजिबल हेरिटेज, ओरल कल्चर एंड ट्रेडिशनल म्यूजिक विषय पर दिनांक 29 नवम्बर से 03 दिसम्बर, 2018 तक पांच दिवसीय विंटर स्कूल का आयोजन किया गया। इस विन्टर स्कूल के सूत्रधार श्री रॉल्फ किलियस, भूतपूर्व क्यूरेटर, ओरल एंड म्यूजिकल कल्चर्स, ब्रिटिश लायब्रेरी/कतर फाउंडेशन पार्टनरशिप और सलाहकार, राष्ट्रीय संग्रहालय कतर थे। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता इंगारामास के निदेशक, प्रो. सरित कुमार चौधुरी ने की और इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. एन. श्रीधरन, निदेशक, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल उपस्थित थे। इस विन्टर स्कूल में देश भर से अध्ययताओं और अकादमिकों ने भाग लिया तथा अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के विभिन्न पहलुओं और महत्व को समझा तथा उस पर चर्चा की।

**2.3.5** 'हेल्थ डिस्पैरीटी एंड हेल्थ इक्यूटी: इंडीजिनस पीपुल एंड बियांड' विषय पर इंगारामास भोपाल एवं भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता के सहयोग से एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 22 और 23 दिसम्बर, 2018 को श्री चैतन्य कालेज, हबरा और वेस्ट बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी, बारासात के मानव विज्ञान विभाग में किया गया। इस संगोष्ठी में इंगारामास के निदेशक प्रो. सरित कुमार चौधुरी के द्वारा उद्घाटन सत्र का सम्बोधन दिया गया, साथ ही प्रो. बुद्धदेव चौधुरी, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता के द्वारा बीज व्याख्यान और विनय कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता के द्वारा समापन सत्र का व्याख्यान दिया गया।

**2.3.6.** इंगारामास के द्वारा एन्थोपोलॉजिकल एशोसिएसन मैसूर एवं भारतीय मानव विज्ञान, सर्वेक्षण, के सहयोग से दिनांक 10 एवं 11 जनवरी, 2019 को 'एसेंस ऑफ इंडिया-यूनिक मार्कर्स ऑफ बायोलॉजी, कल्चर, लैंग्वेज एंड हिस्ट्री ऑफ इंडियन पॉपुलेशन' विषय पर मैसूर में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न क्षेत्रों से 25 शोधार्थियों तथा अध्ययताओं ने भारतीय जनसंख्या के जीवविज्ञान, संस्कृति, भाषा एवं इतिहास पर केन्द्रित शोध पत्र प्रस्तुत किये।

**2.3.2** Indira Gandhi National Tribal University, Amarkantak in collaboration with IGRMS, Bhopal and Anthropological Survey of India, Kolkata organised a two-day national seminar on 'Transition of Tribes in India and the Contemporary Discourse' on 24th and 25th September, 2019 at IGNTU, Amarkantak.

**2.3.3** IGRMS, Bhopal in collaboration with Department of Anthropology, University of Calcutta organized a national seminar on 'Anthropological Research in Post-Colonial India with Special Reference to Eastern and North-eastern India: Tribe and the Beyond from 4<sup>th</sup> to 6<sup>th</sup> October, 2018 at University of Calcutta, Kolkata. In this seminar special lectures were delivered by renowned scholars like Prof. Gautam Kshatriya, Prof. P. Venkat Rao, Prof. R. P. Misra, Dr. Kumar Akhilesh, Prof. S. Sumathi, Shri S. B. Ota, Prof. P. C. Joshi and Prof. Nilika Mehrotra.

**2.3.4** IGRMS organized a 5-day Winter School on 'Intangible Heritage, Oral Culture and Traditional Music' from 29th November to 3rd December, 2018. The convener for this Winter School was Mr. Rolf Killius, former Curator, Oral and Musical Cultures at the British Library/Qatar Foundation Partnership and Consultant, National Museum of Qatar. The inaugural ceremony was chaired by Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS and the chief guest was Prof. N. Sridharan, Director, School of Planning and Architecture. Scholars and academicians from all over the country participated in this Winter School to learn and discuss various aspects and importance of intangible cultural heritage.

**2.3.5** An International Conference on 'Health Disparity and Health Equity: Indigenous People and Beyond' was held on 22<sup>nd</sup> and 23<sup>rd</sup> December, 2018 at Department of Anthropology, Sree Chaitanya College, Habra & Department of Anthropology, West Bengal State University, Barasat in collaboration with IGRMS, Bhopal & Anthropological Survey of India, Kolkata. Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS gave the inaugural speech followed by a keynote address by Prof. (retd.) Buddhadeb Chaudhury, University of Calcutta, Kolkata. Prof. Vinay Kumar Shrivastava, Director, Anthropological Survey of India gave the valedictory speech.

**2.3.6** The IGRMS in collaboration with Anthropological Association, Mysore and Anthropological Survey of India, organized a national seminar on the topic 'Essence of India - Unique Markers of Biology, Culture, Language and History of Indian population' on 10th and 11th January, 2019 at Mysore in which 25 researchers and scholars from various parts of the country presented papers focusing on biology, culture, language and history of Indian populations.





A - Kolkaata में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी श्री एस. बी. ओटा के द्वारा व्याख्यान। / Lecture by Shri S. B. Ota in National seminar Organised at Kolkata.  
B - हैदराबाद विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी की झलक। / Glimpse of National seminar at University of Hyderabad.  
C - इंगारामासं में विंटर स्कूल का आयोजन। / Winter School organised at IGRMS.  
D - मैसूर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का दृश्य। / A view of National seminar organised at Mysore.

**2.3.7.** इंगारामासं भोपाल में 'संग्रहालय एवं मानवशास्त्र' विषय पर पूर्वोत्तर राज्यों से मानव विज्ञान विभाग के शिक्षकों, संकाय सदस्यों और संग्रहालयों में कार्यरत व्यक्तियों के लिए दिनांक 3 से 5 फरवरी, 2019 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला संग्रहालय, जोरहाट, श्रीमंत शंकर देव कलाक्षेत्र, गुवाहाटी, डी. एम. कॉलेज, मणिपुर, आर्य विद्यापीठ कॉलेज, गुवाहाटी, जे.एन. कॉलेज, बोको, गर्ल्स कॉलेज, लखीमपुर, असम, सिक्किम विश्वविद्यालय, ढकुआखाना कॉलेज, डीमोरिया कॉलेज, डिब्रु कॉलेज, डिब्रुगढ़, असम और असम इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च फॉर ट्राइबल्स एंड शेड्यूल्ड कास्ट, असम से 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

**2.3.8.** इंगारामासं भोपाल में "संग्रहालय एवं मानवशास्त्र" विषय पर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से मानव विज्ञान के स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं हेतु 6 से 8 फरवरी, 2019 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पूर्वोत्तर भारत के सिक्किम विश्वविद्यालय, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, कॉटन कॉलेज विश्वविद्यालय, डिब्रुगढ़ विश्वविद्यालय, डी. एम. कॉलेज ऑफ साइंस, मणिपुर, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, नेहू मेघालय और मणिपुर विश्वविद्यालय से 20 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

**2.3.7** A three-day National Workshop on 'Museum and Anthropology' for university teachers of anthropology and faculties and museum personnel from north-eastern states of India was organized from 3rd to 5th February, 2019 at IGRMS Bhopal. 15 participants from District Museum Jorhat, Srimant Sankar Dev Kalakshetra, Guwahati; D.M. College, Manipur; Arya Vidhyapeeth College, Guwahati; J.N. College Boko; Girls College, Lakhimpur, Assam; Sikkim University; Dhakuakhana College; Dimoria College; Dibru College Dibrugarh, Assam; and Assam Institute of research for Tribals and scheduled caste, Assam attended this workshop.

**2.3.8** A three-day National Workshop on "Museum and Anthropology" for Post Graduate Students of Anthropology from the North-Eastern states of India was organized from 6<sup>th</sup> to 8<sup>th</sup> February 2019 at IGRMS Bhopal. 20 students from various universities of North-Eastern India viz. Sikkim University, Guwahati University, Cotton College University, Dibrugarh University, D.M. College of Science, Manipur, Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh, NEHU, Meghalaya and Manipur University attended this workshop.

**2.3.9.** इंगारामासं के द्वारा अरुणाचल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्राइबल स्टडीज, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के सहयोग से दिनांक 11 व 12 फरवरी, 2019 को 'कल्चरल हेरीटेज ऑफ अरुणाचल प्रदेश' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दोयमुख, अरुणाचल प्रदेश में किया गया।

**2.3.10.** इंडियन नेशनल कनफेडरेशन एंड एकेडमी ऑफ एंथ्रोपोलोजिस्ट एंड एकेडेमिशियन्स द्वारा इंगारामासं के सहयोग से 'एंथ्रोपोलॉजी फॉर डेवलपिंग इंडिया: पाथवेस टू पॉलिसी, प्लानिंग एंड इम्प्लिमेंटेशन' विषय पर दिनांक 21 से 23 फरवरी, 2019 तक सावित्री बाई फूले विश्वविद्यालय, पुणे में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्घाटन पद्म भूषण प्रो. विजय भटकर, कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। प्रो. के. के. बासा, सदस्य सचिव इंडा द्वारा इस संगोष्ठी का केंद्रीय विषय वस्तु की महत्व का परिचय दिया गया। प्रो. आर.के. मुटाटकर, पूर्व अध्यक्ष, महाराष्ट्र एंथ्रोसोसिएशन ऑफ एंथ्रोपोलोजिकल साइंस ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। आई एन सी ए ए के प्रथम अध्यक्ष एवं विश्वविख्यात मानव वैज्ञानिक प्रो. बी. एम. दास के सम्मान में एक व्याख्यान श्री एस.बी. ओटा, भूतपूर्व संयुक्त महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा दिया गया। इसी संगोष्ठी में 'एथिक्स एंड ऑब्जेक्टिविटी इन एंथ्रोपोलॉजी' विषय पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन को प्रख्यात मानव वैज्ञानिकों ने सम्बोधित किया। इस संगोष्ठी में देशभर से लगभग 200 मानव वैज्ञानिकों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

**2.3.11.** इंगारामासं के 43वें स्थापना दिवस समारोह के महत्वपूर्ण आयोजन के रूप में दिनांक 8 से 10 मार्च, 2019 तक 'वुमेन ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया: कान्ट्रीब्यूटर्स एंड कन्सर्न्स' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. सुभद्रा मित्रा चन्ना, सदस्य, राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के द्वारा बीज व्याख्यान दिया गया। संगोष्ठी में पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम, नागालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश, असम और मणिपुर से आयी महिला अध्येताओं ने पूर्वोत्तर भारत में किये अनुसंधान एवं अनुभव पर आधारित अपने वृहद सूचनापरक शोध पत्र प्रस्तुत किये।

**2.3.9** A 2-day national seminar on 'Cultural Heritage of Arunachal Pradesh' was organized on 11th and 12th February, 2019 at Doimukh in collaboration with Arunachal Pradesh Institute of Tribal Studies, Rajeev Gandhi University, Arunachal Pradesh.

**2.3.10** The IGRMS collaborated with the Indian National Confederation and Academy of Anthropologists and Academicians for organizing a national seminar on "Anthropology for Developing India: Pathways to Policy, Planning and Implementation" at Savitri Bai Phule University, Pune from 21<sup>st</sup> to 23<sup>rd</sup> February, 2019. The seminar was inaugurated by Padmbhushan Prof. Vijay Bhatkar, Chancellor, Nalanda University. Prof K.K. Basa, Member Secretary, INCAA introduced the relevance of the focal theme of the Congress, Prof. R.K. Mutatkar, former President, the Maharashtra Association of Anthropological Science presided the inaugural session. The Oration in honor of Prof. B.M. Das, the first chairman of INCAA and world-renowned Anthropologist of India was delivered by Shri S.B. Ota, Joint Director General (Retd.) Archaeological Survey of India. A round table discussion on 'Ethics and Objectivity in Anthropology' was addressed by distinguished Anthropologists. About 200 Anthropologists, eminent social scientists and research scholar from all over the country participated in the Congress.

**2.3.11** As an important event of 43<sup>rd</sup> Foundation Day celebration of IGRMS three day national seminar was organised from 8<sup>th</sup> to 10<sup>th</sup> March, 2019 on the topic entitled 'Women of North East India: Contributions and Concerns'. On this occasion Prof. Subhadra Mitra Chanana, Member, RMS Samiti gave the keynote address. Women scholars from Sikkim, Nagaland, Arunachal Pradesh, Assam and Manipur presented very informative papers based on their research and experience in North East India.



A,B - "संग्रहालय एवं मानवशास्त्र" विषय पर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से मानव विज्ञान के शिक्षकों एवं स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं हेतु आयोजित दो राष्ट्रीय कार्यशालाओं के दृश्य। / Glimpses of two National Workshops on "Museum and Anthropology" for Teachers and Post Graduate Students of Anthropology from the North-Eastern states.



**2.3.12.** कोलकाता सोसायटी फॉर एशियन स्टडीज के द्वारा इंडियन कौंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस, ईस्टर्न जोन कल्चरल सेन्टर, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण एवं इंगारामासं, भोपाल के सहयोग से दिनांक 15 से 17 मार्च, 2019 तक 'कल्चरल एक्सचेंजेस थ्रू नरेटिव्स: ऑन फोकलॉरिस्टिक ओवरव्यू' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कोलकाता में किया गया। इस संगोष्ठी में एशिया महाद्वीप के अनेक देशों जैसे जापान, बांग्लादेश, नेपाल एवं भारत से बड़ी संख्या में अध्येताओं एवं शोधार्थियों ने भाग लिया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में कोलकाता में जापान के काउंसिल जनरल श्री मासायुकी तागा उपस्थित थे। साथ ही श्री तेइजी सकाता, प्रोफेसर इमेरिटस, ताकुशोको विश्वविद्यालय जापान, तुलोसी द्विबासा, अध्यक्ष, नेपाल फोकलोर सोसायटी, काठमांडू, श्री शमसुज्जमान खान, पूर्व महानिदेशक, बंगला ऐकेडमी, ढाका और प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक इंगारामासं, विशिष्ट और सम्मानीय अतिथियों के रूप में उपस्थित थे। इस संगोष्ठी में श्री सौमेन सेन, निदेशक, फोकलोर रिसर्च एण्ड आर्काइव नेहू, शिलांग के द्वारा बीज व्याख्यान दिया गया।

**2.3.13.** इंगारामासं, द्वारा अंग्रेजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, के सहयोग से 'कल्चरल हेरिटेज ऑफ त्रिपुरा' विषय पर दिनांक 18 व 19 मार्च, 2019 को अगरतला में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रो. वी. एल. धारुरकर, कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की गयी। प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक इंगारामासं द्वारा बीज वक्तव्य दिया गया। संगोष्ठी में काफी संख्या में छात्र, शोधार्थी एवं अध्येता उपस्थित थे।

**2.3.14** इंगारामासं, के द्वारा इतिहास विभाग, पछुंगा विश्वविद्यालय कॉलेज, आइजोल के सहयोग से "कल्चरल हेरिटेज ऑफ मिजोरम" विषय पर दिनांक 21 और 22 मार्च, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आइजोल में किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में बीज व्याख्यान प्रो. सजल नाग द्वारा दिया गया। स्वागत उद्बोधन एवं धन्यवाद ज्ञापन क्रमशः चावंगथु, उप प्राचार्य, पी.यू.सी. तथा कार्यक्रम संयोजक डॉ. रॉहमिंगमावी द्वारा दिया गया। इस अवसर इंगारामासं, के निदेशक प्रो. सरित कुमार चौधुरी ने भी प्रतिभागियों को सम्बोधित किया।

**2.3.15 पूर्वोत्तर भारत की महिलाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी:** 'वुमेन ऑफ नॉर्थ ईस्ट इण्डिया: कॉन्ट्रीब्यूशन्स एण्ड कंसर्ंस' विषय पर एक 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 8 से 10 मार्च, 2019 तक किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति की सदस्य प्रो.सुभद्रा मित्रा चन्ना ने बीज संभाषण दिया तथा सिक्किम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, असम और मणिपुर से महिला अध्येताओं ने पूर्वोत्तर भारत पर अपने शोध व अनुभव के आधार पर विविध पत्र प्रस्तुत किये।

**2.3.12** A three day International conference on 'Cultural Exchanges Through Narratives: On Folkloristic Overview' was organised by Kolkata Society For Asian Studies in collaboration with Indian Council for Cultural Relations, Eastern Zone Cultural Centre, Anthropological Survey of India and IGRMS, Bhopal from 15th to 17th March, 2019 at Kolkata. The seminar was attended by a large number of scholars and researchers from Asian countries like Japan, Bangladesh, Nepal and India. Shri Masayuki Taga, Consul General of Japan in Kolkata graced the inaugural function as chief guest whereas Shri Teiji Sakata Professor Emeritus, Takushoko University, Japan, Tulosi Dwibasa, President, Nepal Folklore Society, Kathmandu, Mr. Shamasuzzman Khan, Former Director General, Bangla Academy, Dhaka and Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS were also present as the guest of honour and special guests. Key note address was presented by Shri Soumen Sen, Director, Folk Lore Research and Archive, NEHU, Shillong.

**2.3.13** The IGRMS organized a national seminar on 'Cultural Heritage of Tripura' in collaboration with the Department of English, Tripura University on 18th & 19th March, 2019 at Agartala. Prof. V.L. Dharurkar, Vice-Chancellor, Tripura University presided the inaugural session. Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS presented the Keynote address. The seminar was participated by a large number of students, researchers and scholars.

**2.3.14** The IGRMS organized a two-day national seminar on the 'Cultural Heritage of Mizoram' on 21st & 22nd March, 2019 at Aizawl in collaboration with the Department of History, Pachhunga University College, Aizawl. In the inaugural session, the Keynote address was delivered by Prof. Sajal Nag. Chawngthu, Vice Principal, PUC and Dr. Rohmingmawii, Coordinator of the programme delivered the welcome address and vote of thanks respectively. Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director IGRMS also addressed the delegates.

**2.3.15 National Seminar on Women of North East India:** A 3-day national seminar was organised from 8<sup>th</sup> to 10<sup>th</sup> March, 2019 on 'Women of North East India: Contributions and Concerns'. On this occasion, Prof. Subhadra Mitra Channa, Member, Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti gave the keynote address and women scholars from Sikkim, Nagaland, Arunachal Pradesh, Assam and Manipur presented various papers based on their research and experience in North East India.

**2.4 संग्रहालय लोक रुचि व्याख्यान:** अवधि के दौरान निम्नलिखित संग्रहालय लोक रुचि व्याख्यानों का आयोजन किया गया:

**2.4.1** 'इंटरनेशनल डे फॉर मोनुमेन्ट्स एंड साइट्स' के अवसर पर पुरातत्वविद सुश्री पूजा सकसेना के द्वारा दिनांक 18 अप्रैल, 2018 को संग्रहालय परिसर में व्याख्यान दिया गया। व्याख्यान का विषय 'दास्तान-ए-भोपाल' था, इसके बाद संग्रहालय परिसर में मुक्ताकाश प्रदर्शनी के रूप में सुरक्षित शैलकला धरोहर प्रदर्शनी क्षेत्र में हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया।

**2.4.2.** स्वच्छता पखवाड़ा – 2018 के अंतर्गत इंगारामासं के शैलकला धरोहर सभा कक्ष में 'स्वच्छता एवं स्वास्थ्य' विषय पर दिनांक 26 अप्रैल, 2018 को एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान कर्नल डॉ. महेन्द्र सिंह, पूर्व सैनिक एवं वर्तमान सिविल सर्जन, जय प्रकाश जिला अस्पताल भोपाल के द्वारा दिया गया।

**2.4.3.** डॉ. सुमित मुखर्जी, सेवा निवृत्त भूगोल वेत्ता, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के द्वारा "द वर्ल्ड ऑफ ओरिजनल अप्लूयेंट सोसायटी: एक्सपेरियेंस एमंग द ऑगे एंड शोम्पेन ऑफ बे आइलैंड" विषय पर दिनांक 11 मई, 2018 को व्याख्यान दिया गया।

**2.4.4.** प्रो. मानवी सेठ, अध्यक्ष, संग्रहालय विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर 'हाइपर कनेक्टिविटी इन म्यूजियम्स: नीड्स एंड चैलेंजेस इन इंडियन कॉन्टेक्स्ट' विषय पर दिनांक 18 मई, 2018 को भोपाल में संग्रहालय लोक रुचि व्याख्यान दिया गया।

**2.4.5.** प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं द्वारा भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र शिलांग में दिनांक 21 और 22 मई, 2018 को "वेरियर एल्विन: फील्डवर्क ट्रेडीशन एंड इंडियन एंथ्रोपोलॉजी" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया गया और एक अकादमिक सत्र में अध्यक्षता की गयी।



A - संग्रहालय लोक रुचि व्याख्यान माला में प्रो. मानवी सेठ द्वारा व्याख्यान। / Prof. Manvi Seth delivering lecture in Museum Popular Lecture series.

B - जापान के काउंसिल जनरल श्री मासायुकी तागा द्वारा एक संगोष्ठी में व्याख्यान। / Shri Masayuki Taga, Consul General of Japan delivering lecture in a seminar.

**2.4 Museum Popular Lectures:** During the period, following museum popular lectures were organized:

**2.4.1** On the occasion of 'International Day for Monuments and Sites' a lecture was delivered by archaeologist Ms. Puja Saxena in the museum premises on 18<sup>th</sup> April, 2018. The title of this lecture was 'Dastan-e-Bhopal' and was followed by a heritage walk in the Rock Art Heritage exhibition area preserved in the museum premises as open-air exhibition.

**2.4.2** A lecture on 'Cleanliness and Health' was organized on 26<sup>th</sup> April, 2018 under the Swachhta Pakhwada - 2018 at Rock Art Heritage Conference Hall of IGRMS. This lecture was delivered by Col. (Dr.) Mahendra Singh, ex-military and present civil surgeon at Jai Prakash District Hospital, Bhopal.

**2.4.3** Dr. Sumit Mukherjee, Retd. Geographer from the Anthropological Survey of India delivered a lecture on the topic "The World of Original Affluent Society: Experiences Among the Onge and Shompen of Bay Islands" on 11<sup>th</sup> May, 2018.

**2.4.4** Prof. Manvi Seth, Head, Department of Museology, National Museum Institute, New Delhi delivered a museum popular lecture on "Hyper connectivity in Museums: Needs and Challenges in Indian context" on the occasion of International Museum Day on 18th May, 2018 at Bhopal.

**2.4.5** Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS delivered an invited-lecture and chaired an academic session in the Anthropological Survey of India, NERC, Shillong during National seminar on "Verrier Elwin: Fieldwork Tradition and Indian Anthropology" held on 21<sup>st</sup> and 22<sup>nd</sup> May, 2018.





**2.4.6.** विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर डॉ. संदेश कुमार जैन, निदेशक एवं अध्यक्ष, सीपेट भोपाल द्वारा 'बीट प्लास्टिक पल्युशन' विषय पर इंगारामासं के शैलकला धरोहर भवन में दिनांक 5 जून, 2018 को व्याख्यान दिया गया।

**2.4.7.** अंतर्राष्ट्रीय देशज जन दिवस के अवसर पर दिनांक 9 अगस्त, 2018 को इंगारामासं में प्रो. तामो मिबांग, भूतपूर्व कुलपति, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश द्वारा 'राईट्स ऑफ इंडिजिनस पीपुल्स: विथ स्पेशल रिफ्रेंस टू नार्थ-ईस्ट इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

**2.4.8.** प्रो. संजीव सिंह, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय भोपाल द्वारा राष्ट्रीय एकता सप्ताह और विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर इंगारामासं, भोपाल में दिनांक 22 नवम्बर, 2018 को 'कलेक्टिव मेमोरी पर्सनल मेमोरी एज ए टूल फॉर अंडरस्टैंडिंग फिनोमेनोलॉजिकल डिस्कोर्स इन वाराणसी: ए केस ऑफ मणीकर्णिका घाट' विषय पर संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान दिया गया।

**2.4.9.** इंगारामासं के निदेशक प्रो. सरित कुमार चौधुरी के द्वारा दिनांक 22 जनवरी, 2019 को 'अरुणाचल प्रदेश की जनजातियाँ' विषय पर संग्रहालय के शैलकला धरोहर केन्द्र में विशेष व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान में बड़ी संख्या में योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के छात्र-छात्रायें उपस्थित थे जिन्हें अपनी अध्ययन गतिविधियों के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश के आपातानी घाटी का क्षेत्र अध्ययन करने जाना है। इस अवसर पर योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के निदेशक प्रो. श्रीधरन एवं संकाय के अन्य शिक्षक गण भी उपस्थित थे।

**2.4.10.** शहीद दिवस के अवसर दिनांक 30 जनवरी, 2019 को श्री ध्रुव शुक्ल, वरिष्ठ कवि के द्वारा 'गांधी का सत्याग्रह' विषय पर व्याख्यान दिया गया।



A - इंगारामासं के निदेशक प्रो. सरित कुमार चौधुरी के द्वारा अरुणाचल प्रदेश की जनजातियाँ विषय पर एक विशेष व्याख्यान। / Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS delivered a special lecture under the title 'Tribes of Arunachal Pradesh' at IGRMS.  
B - प्रो. तामो मिबांग, भूतपूर्व कुलपति, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश द्वारा संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान। / Museum Popular lecture by Prof. Tamo Mibang, former Vice-Chancellor, Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh.

**2.4.6** Dr. Sandesh Kumar Jain, Director & Head, CIPET, Bhopal delivered a lecture on the theme 'Beat Plastic Pollution' at Rock Art Heritage Centre, IGRMS on the occasion of the World Environment Day on 5<sup>th</sup> June, 2018.

**2.4.7** Prof. Tamo Mibang, former Vice-Chancellor, Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh delivered a lecture on 'Rights of Indigenous Peoples: with Special Reference to North-East India' on the occasion of International Day of World's Indigenous People at IGRMS on 9<sup>th</sup> August, 2018.

**2.4.8** Prof. Sanjeev Singh, School of Planning and Architecture, Bhopal delivered a Museum Popular Lecture on 'Collective Memory Personal Memory as a Tool for Understanding Phenomenological Discourse in Varanasi: A Case of Manikarnika Ghat' on 22<sup>nd</sup> November, 2018 on the occasion of the National Intergration Week & World Heritage Week at IGRMS, Bhopal.

**2.4.9** Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS delivered a special lecture under the title 'Tribes of Arunachal Pradesh' on 22<sup>nd</sup> January, 2019 at the Rock Art Heritage Centre of IGRMS. The lecture was attended by a large number of students from the School of Planning and Architecture, Bhopal who are going to pay a field visit to Apatani Valley of Arunachal Pradesh, as part of their curriculum. Prof. Shridharan, Director and faculties of SPA, Bhopal were also present on this occasion.

**2.4.10** Shri Dhruv Shukla, a senior poet delivered a special lecture on 'Gandhi Ka Satyagrih' on the occasion of the Shaheed Diwas on 30<sup>th</sup> January, 2019.



**2.5 15वां इंगारामासं वार्षिक व्याख्यान:** इस संग्रहालय की वार्षिक इंगारामासं व्याख्यान श्रृंखला के 15वें अध्याय में 9 मार्च, 2019 को प्रख्यात मानव वैज्ञानिक एवं सम्बलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीपक कुमार बेहेरा के द्वारा 'चिल्ड्रन एंड चाइल्डहुड: एन इमरजिंग सब-डिस्सीप्लिन इन एंथ्रोपोलॉजी' विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान की अध्यक्षता डॉ. के. के. चक्रवर्ती, सेवानिवृत्त आई.ए.एस. और भूतपूर्व निदेशक इंगारामासं के द्वारा की गयी।

**2.6 द्वितीय प्रो. बी. के. रायबर्मन स्मृति व्याख्यान:** भारतीय मानव वैज्ञानिकों के योगदान को उजागर करने तथा उनके द्वारा शोध क्षेत्र एवं व्यवहारिक क्षेत्र में समाज की बेहतरी के लिये किये गये कार्यों को याद करते हुये इंगारामासं द्वारा विशेष व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में द्वितीय प्रो. बी. के. रायबर्मन स्मृति व्याख्यान में प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता के द्वारा 'इथिक्स ऑफ डेवलपमेंट: ए ट्रिब्यूट टू प्रो. बी. के. रायबर्मन' विषय पर व्याख्यान दिया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने प्रो. बी. के. रायबर्मन को चलते फिरते ज्ञानकोष तथा ज्ञान के पुस्तकालय के रूप में संबोधित किया साथ ही उनसे जुड़े अनेक अनजाने और अनकहे पहलुओं का भी स्मरण किया। प्रो. के. के. बासा, भूतपूर्व निदेशक, इंगारामासं के द्वारा इस व्याख्यान की अध्यक्षता की गई।



A - प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता के द्वारा व्याख्यान। / Lecture by Prof. Vinay Kumar Shrivastava, Director, Anthropological Survey of India, Kolkata.

B - प्रो. दीपक कुमार बेहेरा, कुलपति, सम्बलपुर विश्वविद्यालय के द्वारा इंगारामासं वार्षिक व्याख्यान। / Annual IGRMS Lecture by Prof. Deepak Kumar Behera, Vice-Chancellor, Sambalpur University.

**2.7 प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियाँ:** सभी कला रूपों में मानव जीवन में संगीत और नृत्य का महत्वपूर्ण स्थान है और लोक तथा जनजातीय समाजों में तो यह उनके जीवन और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। अपने विविध रूपों में संगीत संचार के साधन, मानवीय भावों की अभिव्यक्ति सहित शिक्षण का भी एक तरीका रहा है। संग्रहालय को समुदायों तक पहुँचाने तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने हेतु इंगारामासं लोक, जनजातीय, शास्त्रीय संगीत व नाट्य प्रस्तुतियाँ इत्यादि के विविध कार्यक्रमों का आयोजन करता है। यह गतिविधियाँ विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच सांस्कृतिक समझ को मजबूती प्रदान करने तथा

**2.4 15th Annual IGRMS lecture:** The Annual IGRMS lecture series of this Museum added its 15th episode on 9th March, 2019 with lecture by renowned anthropologist and Vice-Chancellor, Sambalpur University Prof. Deepak Kumar Behera on the topic Children and Childhood: an emerging sub-discipline in Anthropology. The lecture was chaired by Dr. K.K. Chakravarty, Retd. IAS and former Director IGRMS, Bhopal.

**2.5 2<sup>nd</sup> Prof. B.K.Royburman Memorial Lecture:** With a view to highlighting the contribution of Indian anthropologists and remembering them for the path they led for fraternity which has a categorical significance in the research domain and practical domain of community development IGRMS organizes special lecture series. In the continuation of the same 2nd Prof. B. K. Royburman Memorial Lecture was delivered by Prof. Vinay Kumar Shrivastava, Director, Anthropological Survey of India, Kolkata under the title Ethics of Development: a tribute to Prof. B.K. Royburman during which he addressed the late scholar as library of knowledge and the Walking Encyclopedia and unveiled many unknown and untold aspects of Prof. Royburman's personality. The lecture was chaired by Prof. K. K. Basa, former Director of IGRMS.



**2.7 Performing Art Presentations:** Among all art forms dance and music have a significant position in the life of humankind and in folk and tribal societies it is an inseparable part of life and culture. Music in its varied forms has been a medium of communication, expression of human feelings and a way of teaching as well. As part of its activities to take the museum to the doorstep of communities and strengthen the spirit of national integration IGRMS organizes various programs of the live presentation of folk, tribal, classical music, theatrical performance, etc. These activities are useful to strengthen the cultural understanding among the



देश में नव संग्रहालय आन्दोलन की शुरुवात में उपयोगी होती है। अवधि के दौरान संग्रहालय ने भोपाल सहित देश में विभिन्न स्थानों पर प्रस्तुतिकारी कलाओं के प्रदर्शन के निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये:

**2.7.1 राग-रंग:** राष्ट्रीय रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह के अंतर्गत इंगारामास द्वारा रेल मंत्रालय के सहयोग से 15 से 17 अप्रैल, 2018 तक भोपाल हाट, भोपाल में 'राग-रंग' नामक तीन दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मणीपुर से मैतेई समुदाय, मध्यप्रदेश से बैगा एवं गोंड समुदाय एवं छत्तीसगढ़ से रजवार समुदाय के कलाकारों ने अपने पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुतियाँ दीं।

**2.7.2 गुंजार:** विश्व देशज जन दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश की परधान जनजाति के देशज वाद्य यंत्र बाना एवं राजस्थान के चकरी और कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति के एक कार्यक्रम का आयोजन 9 अगस्त, 2018 को इंगारामास में किया गया।

**2.7.3 भक्ति प्रसंग:** इंगारामास द्वारा संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से 20 अक्टूबर, 2018 को प्रख्यात भजन गायक श्री विनोद अग्रवाल एवं उनके समूह द्वारा भजन प्रस्तुति के एक कार्यक्रम का आयोजन संग्रहालय के आवृत्ति भवन के मुक्ताकाश मंच पर किया गया।

**2.7.4 लोकतंत्र के रंग रंगमंच के संग:** मणीपुर के कलाकारों द्वारा मणीपुरी नृत्य, ए डी आर समूह द्वारा नुक्कड़ नाटक और प्रतिभालय डांस अकादमी के कलाकारों द्वारा भरतनाट्यम को समाहित करते हुए विविध प्रदर्शनकारी कला स्वरूपों को दर्शाते एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन इंगारामास द्वारा जिला पंचायत, भोपाल के सहयोग से 26 अक्टूबर, 2018 को आवृत्ति भवन के मुक्ताकाश मंच पर किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण उज्जैन के पद्मश्री प्रहलाद टिपाणिया और समूह द्वारा कबीर गायन था। यह कार्यक्रम जिला चुनाव कार्यालय भोपाल के मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया।



A - प्रख्यात भजन गायक श्री विनोद अग्रवाल एवं उनके समूह द्वारा भजन प्रस्तुति। / Presentation of devotional songs by famous bhajan singer Shri Vinod Agrawal and his group.

B- भोपाल हाट, भोपाल में 'राग-रंग' नामक सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन। / Cultural festival 'Raag-Rang' organised at Bhopal Haat, Bhopal.

people of different regions and also generate a new museum movement in the country. During the period, the following programmes of performing art presentations were organized at different places in the country including Bhopal:

**2.7.1 Raag-Rang:** IGRMS in association with Ministry of Railways organized a three days long cultural festival 'Raag-Rang' at Bhopal Haat, Bhopal from 15<sup>th</sup> to 17<sup>th</sup> April, 2018 under the National Rail Week Award function. In this program artists from Meitei community of Manipur, Baiga and Gond community of Madhya Pradesh and Rajwar community of Chhattisgarh presented their traditional dances.

**2.7.2 Gunjar:** A program of presentation of the indigenous musical instrument Bana of Pardhan tribe of Madhya Pradesh and Chakri and Kalbelia dance of Rajasthan was held in IGRMS on 9<sup>th</sup> August, 2018 on the occasion of the International Day of World's Indigenous People.

**2.7.3 Bhakti Prasanga:** IGRMS in collaboration with the Department of Culture, Govt. of M.P. organized a programme of recitation of devotional songs by famous bhajan singer Shri Vinod Agrawal and his group at the open-air stage of Avritti Bhawan of the Museum on 20<sup>th</sup> October, 2018.

**2.7.4 Loktantra Ke Rang Rangmanch Ke Sang:** IGRMS in collaboration with Zila Panchayat, Bhopal organized a special programme at the open-air stage of Avritti Bhawan on 26<sup>th</sup> October, 2018 featuring a variety of performing art forms including Manipuri dance by the artists from Manipur, street play by ADR group and Bharatnatyram by the artists of Pratibhalaya Dance Academy. Main attraction of the program was Kabir recitation by Padmashri Prahalad Tipaniya and group, Ujjain. This event was organized under the voter awareness mission of District Electoral Office, Bhopal.



**2.7.5 लाई हाराओबा उत्सव-2018 :** संग्रहालय परिसर में एक प्रादर्श के रूप में स्थापित पुनीत वन में पवित्र भूदृश्य के शासक देव को समर्पित मणीपुर के मैतेई समुदाय के वार्षिक उत्सव 'उमंग लाई हाराओबा' को समारोह पूर्वक मनाने के लिये इंगारामास द्वारा एक 5 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 22 से 26 अक्टूबर, 2018 तक किया गया। इस उत्सव हेतु विशेष रूप से मणीपुर से भोपाल आये लोगों द्वारा कई अनुष्ठानों एवं समारोहों जैसे देवताओं की आत्माओं को प्रसन्न करने हेतु दैनिक अनुष्ठान, पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुति एवं लाइकोन संकुल को समृद्ध करने के लिये स्थानीय प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया।

**2.7.6 आमद:** इंगारामास द्वारा अपने परिसर में 'आमद' नामक प्रदर्शनकारी प्रस्तुतियों के एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन 01 और 02 दिसम्बर, 2018 को किया गया। यह कार्यक्रम शीत ऋतु के प्रारम्भ में पारम्परिक एवं पाश्चात्य संगीत के फ्यूजन पर आधारित था, जिसमें 01 दिसम्बर, 2018 को मणीपुर से गुरु र्यूबेन मशांगवा तथा दल द्वारा नागा फोक ब्ल्यूज़ एवं 2 दिसम्बर, 2018 को शिलोंग के प्रसिद्ध ब्ल्यूज़ रॉक बैंड सोलमेट द्वारा प्रस्तुति दी गई।



A,B - विश्व देशज जन दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश की परधान जनजाति के देशज वाद्य यंत्र बाना एवं राजस्थान के चकरी नृत्य की प्रस्तुति। / Presentation of an indigenous musical instrument Bana of Pardhan tribe of Madhya Pradesh and Chakari dance of Rajasthan on the occasion of Int. day of world Indigenous people.

C- शिलोंग के प्रसिद्ध ब्ल्यूज़ रॉक बैंड 'सोलमेट' द्वारा प्रस्तुति। / Performance of famous Blues Rock band of Shillong, 'Soulmate'.

D- छत्तीसगढ़ के प्रख्यात 'बस्तर बैंड' द्वारा प्रस्तुति। / Performance of famous 'Bastar Band' of Chhattisgarh.

**2.7.7 अखरा:** जनजातीय साहित्य महोत्सव - 2018 की एक महत्वपूर्ण गतिविधि के रूप में 'अखरा' नामक प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियों के एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 14 एवं 15 दिसम्बर, 2018 को मणीपुर, मिज़ोरम,

**2.7.5 Lai Haraoba Festival - 2018:** IGRMS organized a 5-day program celebrating an annual festival of the Meitei community of Manipur devoted to the presiding deities of sacred landscape named 'Umang Lai Haraoba' from 22<sup>nd</sup> to 26<sup>th</sup> October, 2018 at the Sacred Groves installed as an exhibit in the museum premises. Several rituals and ceremonies such as rituals for summoning the souls of deities, daily rituals for appeasement of gods and goddesses, an offering of traditional dances and enriching the laikon complex by plantation of local species were performed by people who specially arrived from Manipur to Bhopal for this festival.

**2.7.6 Aamad:** IGRMS organized a special programme of performing arts presentation entitled 'Aamad' on 1<sup>st</sup> and 2<sup>nd</sup> December, 2018 in its premises. This programme was based on a fusion of traditional and western music resonating at the beginning of winter, where Guru Rewben Mashangwa and troupe from Manipur performed Naga folk Blues on 1<sup>st</sup> December, 2018 and the famous Blues Rock band of Shillong, Soulmate performed on 2<sup>nd</sup> December, 2018.



**2.7.7 Akhra:** A programs of performing art presentation under the title 'Akhra' was held as an important event in Tribal Literature Festival - 2018. Performers from Manipur, Mizoram,



अरुणाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश और आंध्र प्रदेश के कलाकारों द्वारा अपने नृत्य स्वरूपों की प्रस्तुतियाँ दी गईं। 16 दिसम्बर, 2018 को प्रख्यात 'बस्तर बैंड' के एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बस्तर बैंड में बस्तर से मुरिया, दंडामी माड़िया, धुरवा, भतरा, डोरला, मुण्डा और हल्बा जनजातियाँ एवं मेहरा, गांदा, मिरगन, अहीर समुदायों से कलाकार शामिल थे। अपनी प्रस्तुति में बस्तर बैंड द्वारा 45 से अधिक पारम्परिक वाद्य यंत्रों के संयोजन में 30 से अधिक धुनों के साथ पारम्परिक जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं।

**2.7.8 पूर्वोत्तर नृत्य उत्सव:** अपनी आउटरीच गतिविधियों के एक भाग के रूप में इंगारामास द्वारा डिस्ट्रिक्ट टूरिज्म प्रमोशन कार्डसिल, कोल्लाम, केरल तथा नीलगिरी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड साइन्स, थल्लूर के सहयोग से मणीपुर एवं असम से सांस्कृतिक दलों को आमंत्रित कर 'पूर्वोत्तर नृत्य उत्सव' नामक प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया। श्रृंखला का प्रारम्भ 3 जनवरी, 2019 को जटायू अर्थ सेंटर, कोल्लाम से हुआ जहाँ कलाकारों द्वारा पारम्परिक लोक एवं शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुतियाँ दी गईं। श्रृंखला की अगली प्रस्तुति नीलगिरी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड साइंस, थल्लूर में 7 और 8 जनवरी 2019 को आयोजित की गई। श्रृंखला का अंत 10 और 11 जनवरी, 2019 को इंगारामास के मैसुरु स्थित दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र में इन्हीं दलों की दो दिवसीय प्रस्तुतियों से हुआ।

**2.7.9 पारंपरिक नृत्यों की प्रस्तुति:** इतिहास विभाग, पाछुंगा यूनिवर्सिटी कॉलेज, आइजोल में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ-साथ इंगारामास द्वारा 21 एवं 22 मार्च, 2019 को प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियों के दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पाछुंगा यूनिवर्सिटी कॉलेज के चॉखलेई कल्चरल क्लब के कलाकारों द्वारा तथा असम के एक सांस्कृतिक दल द्वारा पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुतियाँ दी गईं।

**2.7.10 फोक फ्यूज़न म्यूज़िक का विशेष कार्यक्रम:** संग्रहालय के स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय संस्कृतियों के समारोह के अंतर्गत फोक फ्यूज़न म्यूज़िक पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पूर्वोत्तर भारत से 5 प्रख्यात संगीत बैंडों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 8 मार्च, 2019 को नागालैंड से टेट्सियो सिस्टर्स, 9 मार्च, 2019 को मेघालय से रीडा एंड द म्यूज़िकल फोक्स एवं असम से मो एण्ड द शूटिंग स्टार्स एवं 10 मार्च, 2019 को मणीपुर के सेम्पा एवं मेघालय के सोलमेट एंड द क्लान्समेन द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं।

Arunachal Pradesh, Madhya Pradesh and Andhra Pradesh made a presentation of their dance forms on 14<sup>th</sup> and 15<sup>th</sup> December, 2018. A special program by the famous 'Bastar Band' was held on 16<sup>th</sup> December, 2018. The Bastar Band had artists from the Muria, Dandami Maria, Dhurwa, Bhatra, Dorla, Munda and Halba tribes and Mahra, Ganda, Mirgan, Ahir communities of Bastar. In their performances, the Bastar Band recited more than 30 styles of tunes in the accompaniment of 45 types of their traditional musical instruments and presented tribal traditional dances also.

**2.7.8 North East Dance Fest:** As part of its outreach activities IGRMS in collaboration with District Tourism Promotion Council, Kollam, Kerala and Nilgiri College of Arts & Science, Thallur organized a series of performing art presentations under the title 'North East Dance Fest' by inviting Cultural troupes from Manipur and Assam. The series began on 3<sup>rd</sup> January, 2019 at Jatayu Earth center, Kollam where artist gave performances of traditional folk and classical dances. The next episode of the series held on 7<sup>th</sup> and 8<sup>th</sup> January, 2019 at the Nilgiri College of Arts and Science, Thallur. The series culminated with two days cultural performances by the same troupes at Southern Regional Centre of IGRMS at Mysuru on 10<sup>th</sup> and 11<sup>th</sup> January, 2019.

**2.7.9 Traditional Dance Presentation:** A two-day programme of performing art presentations was organized by IGRMS on 21<sup>st</sup> and 22<sup>nd</sup> March, 2019 at the Department of History, Pachhunga University College, Aizawl coinciding with a national seminar in which artists of Chhawahlei Cultural Club of Pachhunga University College and a cultural troupe from Assam presented traditional dances.

**2.7.10 Special Programme of Folk Fusion Music:** A three day programme focussed on folk fusion music under the Celebration of Regional Cultures was organised on the occasion of Foundation Day of Museum in which 5 famous musical bands from North East India gave their performances. In this programme Tetseo Sisters from Nagaland gave a presentation on 8<sup>th</sup> March, 2019; whereas Rida and the Musical Folks, Meghalaya and Mo and the Shooting Stars, Assam on 9<sup>th</sup> March, 2019; Sampaa, Manipur and the Soulmate and the Clansmen, Meghalaya performed on 10<sup>th</sup> March, 2019.

## 2.8 प्रकाशन:

अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा निम्नलिखित प्रकाशन किये गये:

### पुस्तकें:

- (i) **स्ट्रेटिफिकेशन एण्ड सोशल चेंज अमंग द ट्राइब्स** रिनचिन मेगेजी द्वारा
- (ii) **ट्राइबल लाइफ ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया** नरेंद्र सिंह एवं सरित के. चौधुरी द्वारा सम्पादित
- (iii) **द लेजेंड ऑफ कृष्णा इन वाल पेंटिंग्स ऑफ गुजरात एण्ड राजस्थान** प्रदीप झावेरी द्वारा
- (iv) **सिंक्रेटिज्म इन इंडिया .रिलीजियन एण्ड कल्चरल डाइमेंशन** जी. लेज़ार एसवीडी, सरित कुमार चौधुरी एवं के जोस द्वारा
- (v) **ट्राइबल लाइवलीहुड** एस.एन. चौधरी और सरित कुमार चौधुरी द्वारा
- (vi) **कल्चरल आइडेंटिटीज़, मल्टीकल्चरलिज्म एण्ड बिर्योड** एस. ग्रेगरी एवं सरित के. चौधुरी द्वारा
- (vii) **चेंज एंड कंटीन्यूटी एमंग ट्राइब्स** तरुण मेने एवं सरित के. चौधुरी द्वारा सम्पादित
- (viii) **कॉन्सट्रक्टिंग द डिव्वाइन** जी कनाटो चोफी द्वारा

**ब्रोशर, फोल्डर, बुकलेट्स:** अवधि के दौरान संग्रहालय द्वारा समय-समय पर आयोजित अपने कार्यक्रमों और गतिविधियों के प्रसार के लिये वार्षिक प्रतिवेदन 2017-18, संग्रहालय के चार त्रैमासिक न्यूजलेटर तथा विविध अन्य फोल्डर, पोस्टर, हैंड आउट एवं बुकलेट आदि प्रकाशित किये गये।

## 2.8. Publications:

The following publications were brought out by the Sangrahalaya during the period:

### BOOKS:

- (i) **Stratification and Social Change among the Tribes** by Rinchin Megejee
- (ii) **Tribal life of Northeast India** edited by Narendra Singh and Sarit K. Chaudhuri
- (iii) **Legend of Krishna in Wall Paintings of Gujarat and Rajasthan** by Pradip Zaveri
- (iv) **Syncretism in India: Religion and Cultural Dimension** by G. Lazar SVD, Sarit Kumar Chaudhuri and K. Jose
- (v) **Tribal Livelihood** by S.N. Chaudhary and Sarit Kumar Chaudhuri
- (vi) **Cultural Identities, Multiculturalism and beyond** by S. Gregory & Sarit K. Chaudhuri
- (vii) **Change and Continuity among Tribes** edited by Tarun Mene and Sarit K. Chaudhuri
- (viii) **Constructing the Divine** by G. Kanato Chophy

**Brochure, Folder, Booklets:** During the period Sangrahalaya published its Annual Report 2017-18, quarterly newsletters of Sangrahalaya and various other folders, posters, handouts and booklets, etc to highlight its programmes and activities organized from time to time.



इंगारामास द्वारा किये गये प्रकाशन | /Publications brought out by IGRMS



## 2.9 अन्य विशेष गतिविधियाँ / कार्यक्रम

**2.9.1 क्यूरेटोरियल टॉक:** इंगारामास की शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों की श्रृंखला में 16 जून, 2015 से एक नया अध्याय क्यूरेटोरियल टॉक नामक एक कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इस संग्रहालय के क्यूरेटों द्वारा संग्रह हेतु किये गये क्षेत्र कार्य के दौरान अर्जित विचारों और अनुभवों को साझा करना है। अवधि के दौरान इस श्रृंखला में निम्नलिखित व्याख्यानों का आयोजन किया गया:

**2.9.1.1 डॉ. प्रीतम चौधरी,** संग्रहालय एसोसिएट द्वारा 29 जून, 2018 को 'इम्पोर्टेन्स ऑफ ट्रेडीशनल वीकली मार्केट इन ट्राइबल लाइफ— एन ऑब्जर्वेशन विथ स्पेशल रीफरेंस टू डिण्डोरी डिस्ट्रिक्ट ऑफ मध्यप्रदेश' विषय पर एक व्याख्यान दिया गया।

**2.9.1.2 श्रीमती पी. अनुराधा,** संग्रहालय एसोसिएट ने 25 जुलाई, 2018 को 'जर्नी विथ द ट्रान्सह्यूमेन्स पेस्टोरलिस्ट्स (गुज्जर - बकरवाल) ऑफ जम्मू एण्ड कश्मीर विथ स्पेशल रीफरेंस टू राजौरी, पूंछ एंड उधमपुर डिस्ट्रिक्ट' विषय पर व्याख्यान दिया।

**2.9.1.3 श्री राकेश भट्ट,** सहायक क्यूरेटर द्वारा 24 अगस्त, 2018 को 'नोमेडिक लाइफ ऑफ द रबारीज ऑफ कच्छ गुजरात: ए फील्ड ऑब्जर्वेशन' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

**2.9.1.4 डॉ. राकेश मोहन नयाल,** सहायक कीपर द्वारा 27 नवम्बर, 2018 को 'कल्चर एण्ड ट्रेडीशन्स ऑफ जौनसार - बावर ऑफ हिमालयन रीजन' विषय पर व्याख्यान दिया गया।



2.9.1.1



2.9.1.3

## 2.9 Other Special Activities / Programmes

**2.9.1 Curatorial Talk:** A new chapter in the series of academic and educational activities of IGRMS began with a program entitled "Curatorial Talk" from 16<sup>th</sup> June, 2015. The program intends to share the ideas and experiences gained by the curators of this Museum during their field works for the collection. During the period, the following talks were organized in the series:

**2.9.1.1 Dr. Pritam Chaudhary,** Museum Associate delivered a lecture on the topic 'Importance of Traditional Weekly Market in Tribal Life - An Observation with Special Reference to Dindori District of Madhya Pradesh' on 29<sup>th</sup> June, 2018.

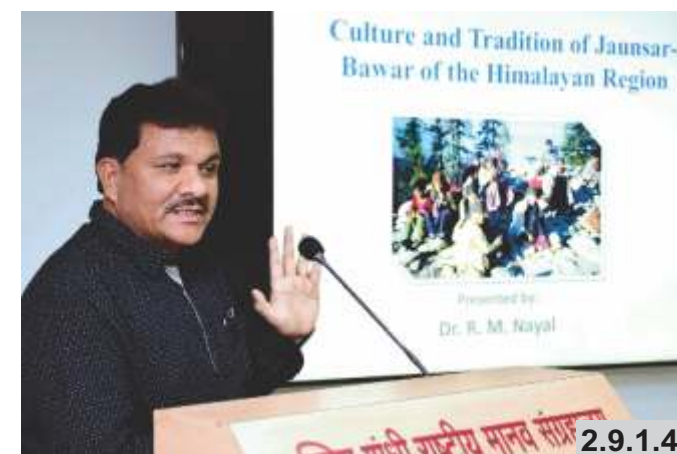
**2.9.1.2 Mrs. P. Anuradha,** Museum Associate spoke on "Journey with the Transhumance Pastoralists (Gujjar-Bakarwal) of Jammu and Kashmir with special Reference to Rajouri, Poonch and Udhampur District" on 25<sup>th</sup> July, 2018.

**2.9.1.3 Mr. Rakesh Bhatt,** Assistant Curator spoke on "Nomadic Life of the Rabaris of Kutch, Gujarat: A Field Observation" on 24<sup>th</sup> August, 2018.

**2.9.1.4 Dr. Rakesh Mohan Nayal,** Assistant Keeper spoke on 'Culture and Traditions of Jaunsar - Bawar of Himalayan Region' on 27<sup>th</sup> November 2018



2.9.1.2



2.9.1.4

## 2.9.2 राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों के समारोह:

**2.9.2.1 अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस समारोह:** इंगारामास द्वारा 18 मई, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस मनाया गया। इस वर्ष की विषय वस्तु 'हाईपरकनेक्टेड म्यूजियम्स : न्यू एप्रोचेस, न्यू पब्लिक्स' थी। इस दिवस पर निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया:

**a. खजाने की खोज:** भोपाल के स्मारकों तथा संग्रहालयों के भ्रमण को प्रचारित करने के साथ ही उनके संरक्षण हेतु जागरूकता उत्पन्न करने के लिये इंगारामास द्वारा 'खजाने की खोज' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खोज की शुरुआत प्रो. सरित कुमार चौधरी, निदेशक, इंगारामास द्वारा दुपहिया वाहनों पर दो सदस्यों वाले 63 दलों को झण्डा दिखाकर शुरुआत करने से हुई। प्रत्येक दल को संकेतों/प्रश्नों का एक समूह दिया गया था जो उन्हें अगले स्थल के बारे में संकेत प्रदान करता था। प्रतियोगिता के विजेताओं को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून, 2018 को पुरस्कृत किया गया।

**b. विशेष प्रदर्शनी:** 'लोर ऑफ द रोर— द कल्चरल रिफ्लेक्शंस ऑफ टाइगर' नामक एक विशेष प्रदर्शनी संयोजित की गई।

**c. संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान:** प्रो. मानवी सेठ, विभागाध्यक्ष, संग्रहालय विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 'हाईपरकनेक्टीविटी इन म्यूजियम्स : नीड्स एण्ड चैलेंजेस इन इण्डियन कंटेक्स्ट' विषय पर भोपाल में एक लोकरुचि व्याख्यान दिया गया।

**d. फ्रेंड्स ऑफ आईजीआरएमएस:** संग्रहालय की एक नवीन सदस्यता योजना 'फ्रेंड्स ऑफ आईजीआरएमएस' का शुभारम्भ 18 मई, 2018 को किया गया। यह योजना इंगारामास के दर्शकों को सदस्य बनने तथा विशेष अधिकारों का लाभ लेने की अनुमति प्रदान करती है तथा संग्रहालय के विकास में सम्मिलित होने का भी अवसर प्रदान करती है। 31 मार्च, 2018 तक इस योजना में 28 व्यक्तियों ने सदस्यता ली।

**e. पुस्तक का विमोचन:** इंगारामास के पूर्व टैगोर नेशनल फेलो श्री बसंत निरगुणे द्वारा पारंपरिक गोदना कला पर लिखित 'विलुप्त होती जनजातीय गोदना प्रथा' नामक एक पुस्तक का विमोचन भी इस अवसर पर हुआ।



A - इंगारामास द्वारा आयोजित 'खजाने की खोज' कार्यक्रम। / 'Treasure Hunt' a programme organised by IGRMS.

B - संग्रहालय की एक नवीन सदस्यता योजना 'फ्रेंड्स ऑफ आईजीआरएमएस'। / A new museum membership scheme entitled 'Friends of IGRMS'.

## 2.9.2 Celebration of National and International Days:

**2.9.2.1 International Museum Day Celebration:** IGRMS celebrated International Museum Day on 18<sup>th</sup> May, 2018. The theme for this year was 'Hyperconnected museums: New Approaches, New Publics'. Following activities were organized on this day:

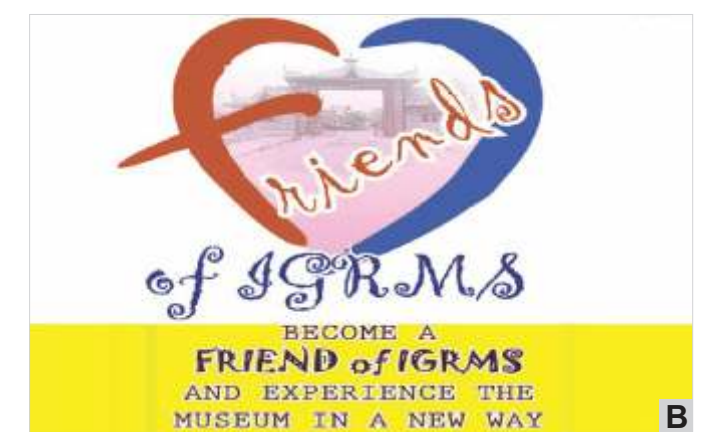
**a. Treasure Hunt:** To popularize the visit to monuments and museums of Bhopal, as also to generate awareness for their conservation IGRMS organized an event entitled 'Treasure Hunt'. A total of 63 teams with 2 people each on two-wheeler vehicles were flagged off by the Director IGRMS, Prof Sarit Kumar Chaudhuri to start the hunt. Every team was provided with a set of clues/questions which pointed towards the next location. The winners of this competition were awarded on 5<sup>th</sup> June, 2018 on the occasion of World Environment Day.

**b. Special Exhibition:** A special exhibition entitled 'Lore of the Roar- the Cultural Reflections of Tiger' was mounted.

**c. Museum Popular Lecture:** Prof. Manvi Seth, Head, Department of Museology, National Museum Institute, New Delhi delivered a popular lecture on "Hyperconnectivity in Museums: Needs and Challenges in Indian Context" at Bhopal.

**d. Friends of IGRMS:** A new museum membership scheme entitled 'Friends of IGRMS' was launched on 18<sup>th</sup> May, 2018. This scheme allows visitors to become a member and exercise special privileges at IGRMS and also become an integral part of the development of the museum. Till 31<sup>st</sup> March, 2018, 28 persons took the membership of this scheme.

**e. Book Release:** A book on the traditional tattoo art titled 'Vilupt Hoti Janjatiya Gudna Pratha' authored by former Tagore national fellow of IGRMS Shri Vasant Nirgune was also released on this occasion.





**2.9.2.2 विश्व पर्यावरण दिवस:** 05 जून, 2018 विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इंगारामासं द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया :

**a. साइकिल चालन:** ग्रीन प्लानेट बाइसिकल राइडर्स एसोसिएशन, भोपाल के सहयोग से एक वृहद साइकिल चालन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह साइकिल चालन शहर के विभिन्न स्थलों से हेतु हुए इंगारामासं में समाप्त हुआ।

**b. पौधा रोपण अभियान:** श्री सत्य प्रकाश, अध्यक्ष, ग्रीन प्लानेट बाइसिकल राइडर्स एसोसिएशन तथा इंगारामासं के स्टाफ ने साइकिल रैली के सभी प्रतिभागियों के साथ इंगारामासं के झील की ओर स्थित परिसर में पौधा रोपण अभियान में भाग लिया।

**c. स्वच्छता अभियान:** इंगारामासं ने संग्रहालय परिसर में साइकिल रैली के प्रतिभागियों को सम्मिलित करते हुए संग्रहालय को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए स्वच्छता अभियान आयोजित किया।

**d. विशेष व्याख्यान:** डॉ. संदेश कुमार जैन, निदेशक, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी, भोपाल ने 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' की विषय वस्तु पर इंगारामासं के शैलकला धरोहर केंद्र में एक व्याख्यान दिया।

**2.9.2.3 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:** 21 जून, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंगारामासं द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें योग प्रशिक्षण केंद्र भोपाल से श्री देवीलाल भारती ने योग आसनों का प्रशिक्षण दिया तथा योग से होने वाले लाभों पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया।

**2.9.2.4 विश्व देशज जन दिवस:** विश्व देशज जन दिवस को मनाने के लिए इंगारामासं ने 09 अगस्त, 2018 को 'वन अस्मिता' नामक एक बहुविध कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के निम्नलिखित घटक थे:

**a. आदि-जन:** प्रो. तामो मिबांग, भूतपूर्व कुलपति, राजीव गांधी विश्वविद्यालय द्वारा भारत की जनजातियों पर 'आदि-जन' नामक एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया।



A - विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित साइकिल चालन जागरूकता कार्यक्रम। / A bicycle ride awareness programme organised on the occasion of World Environment Day

B - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगासनों का प्रशिक्षण। / Training of Yogasanas on the occasion of International Yoga Day.

**2.9.2.2 World Environment Day:** On 5<sup>th</sup> June, 2018 on the occasion of World Environment Day IGRMS organised following activities:

**a. Bicycle Ride:** A mass bicycle ride awareness program was organized in association with Green Planet Bicycle Riders Association, Bhopal. The ride covered different points in the city and finished at IGRMS.

**b. Plantation Drive:** Plantation drive took place at Lakeview side premises of IGRMS by Shri Satya Prakash, President, Green Planet Bicycle Riders Association, Bhopal and IGRMS Staff with all participants of the cycle rally

**c. Cleanliness Drive:** IGRMS conducted a cleanliness drive to make museums plastic-free by involving participants of the cycle rally in Museum campus.

**d. Special Lecture:** Dr. Sandesh Kumar Jain, Director & Head, Central Institute of Plastic Engineering & Technology, Bhopal delivered a lecture on the theme 'Beat Plastic Pollution' at Rock Art Heritage Centre, IGRMS.

**2.9.2.3 International Day of Yoga:** IGRMS organize a special program on the International Day of Yoga on 21<sup>st</sup> June, 2018 where Shri Devilal Bharti from Yoga Training Centre, Bhopal imparted the training of Yoga Asanas and delivered a brief lecture on the merits of Yoga.

**2.9.2.4 International Day of World's Indigenous People:** In order to commemorate the International Day of World's Indigenous People, IGRMS organized a multifaceted programme entitled 'Van Asmita' on 9<sup>th</sup> August, 2018. The programme had the following components:

**a. Aadi-Jan:** A special exhibition on Tribes of India entitled 'Aadi-Jan' was inaugurated by Prof. Tamo Mibang, former Vice-Chancellor, Rajiv Gandhi University.



**b- संग्रहालय लोकरूचि व्याख्यान:** प्रो. तामो मिबांग, भूतपूर्व कुलपति, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश ने 'राइट्स ऑफ इण्डीजिनस पीपुल्स विथ स्पेशल रीफरेंस टू नॉर्थ ईस्ट इण्डिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

**c. पुस्तक विमोचन:** प्रो. एस.एन. चौधरी, राजीव गांधी चैयर, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल और प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक इंगारामासं द्वारा संपादित पुस्तक 'ट्राइबल लाइवलीहुड' का विमोचन किया गया।

**d. गुंजार:** मध्यप्रदेश की परधान जनजाति के देशज वाद्ययंत्र बाना और राजस्थान के चकरी और कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति के एक कार्यक्रम का आयोजन भी इस अवसर पर किया गया।

**2.9.2.5 स्वतंत्रता दिवस समारोह:** इंगारामासं ने अपने परिसर में 72<sup>वें</sup> स्वाधीनता दिवस का उत्साह पूर्वक आयोजन किया। इस अवसर पर प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा संग्रहालय के स्टाफ ने देश भक्ति के गीत प्रस्तुत किये।

**2.9.2.6 सद्भावना दिवस:** इंगारामासं ने अपने परिसर में सद्भावना दिवस मनाया जिसमें 20 अगस्त, 2018 को निदेशक, इंगारामासं. प्रो. सरित कुमार चौधुरी ने स्टॉफ को सद्भावना शपथ दिलाई।

**2.9.2.7 विश्व आत्महत्या निरोधक दिवस:** इंगारामासं ने 10 सितम्बर, 2018 को भोपाल में 'वर्किंग टूगेदर टू प्रिवेंट सुसाइड' की विषय वस्तु पर एक समूह चर्चा का आयोजन कर विश्व आत्महत्या निरोधक दिवस मनाया। इस समूह चर्चा में विशेषज्ञों के रूप में प्रो. एस.एन. चौधरी, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल, प्रो. तपन मोहन्ती, नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट, यूनिवर्सिटी, भोपाल, डॉ. विनय मिश्रा, भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, भोपाल एवं डॉ. अभिजीत आर. रोजातकर, अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान, भोपाल ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में भोपाल के विविध महाविद्यालयों के शिक्षकों व छात्रों ने भी भाग लिया।



72<sup>वें</sup> स्वाधीनता दिवस की झलकियाँ। / Glimpses of 72<sup>nd</sup> Independence Day

**b. Museum Popular Lecture:** Prof. Tamo Mibang, former Vice-Chancellor, Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh delivered a lecture on 'Rights of Indigenous Peoples: with Special Reference to North-East India'.

**c. Book release:** A book titled 'Tribal Livelihood' edited by Prof. S.N. Chaudhari, Rajiv Gandhi Chair, Barkatullah University, Bhopal and Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS, Bhopal was released.

**d. Gunjar:** A program of presentation of the indigenous musical instrument Bana of Pardhan tribe of Madhya Pradesh and Chakri and Kalbelia dance of Rajasthan was also organized on this occasion.

**2.9.2.5 Independence Day Celebration:** IGRMS observed 72<sup>nd</sup> Independence Day in its premises with enthusiasm. On this occasion Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS hoisted the national flag and staffs of the Museum presented various patriotic songs.

**2.9.2.6 Sadbhavna Diwas:** IGRMS observed Sadbhavna Diwas in its premises through a Sadbhavna pledge to staff which was administered by Director, IGRMS, Prof. Sarit Kumar Chaudhuri on 20<sup>th</sup> August, 2018.

**2.9.2.7 World Suicide Prevention Day:** IGRMS observed World Suicide Prevention Day on 10<sup>th</sup> September, 2018 by organizing a panel discussion on the theme 'Working Together to Prevent Suicide' at Bhopal. In this group discussion, Prof. S.N. Choudhary, Barkatullah University, Bhopal, Prof. Tapan Mohanty, National Law Institute University, Bhopal, Dr. Vinay Mishra, Bhopal, School of Social Sciences, Bhopal and Dr. Abhijit R. Rozatkar. All India Institute of Medical Sciences, Bhopal participated as experts. Students and faculties from various colleges of Bhopal also attended the programme.



**2.9.2.8 स्वच्छता पखवाड़ा:** संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार संग्रहालय द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से स्वच्छता अभियान के अंतर्गत दो स्वच्छता पखवाड़ों का आयोजन 16 से 30 अप्रैल एवं 16 से 30 सितम्बर, 2018 तक किया गया। विशेष गतिविधियों जैसे स्वच्छता शपथ, वृक्षारोपण, नुक्कड़ नाटक, विशेष स्वच्छता गतिविधियाँ, सामूहिक स्वच्छता रैली, विशेष व्याख्यान, पोस्टर पेंटिंग प्रदर्शनी और एक मैराथन वॉक का आयोजन किया गया।

#### 2.9.2.9 महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती:

**a. बापू खगोल मेला:** नेहरू तारामण्डल, नई दिल्ली के द्वारा इंगारामास और आर्यभट्ट फाउंडेशन भोपाल के सहयोग से टेलीस्कोप से आकाशीय तारों को देखने का कार्यक्रम 30 नवम्बर, 2018 को संग्रहालय परिसर में आयोजित किया गया।

**b.** इंगारामास ने महात्मा गांधी के 150 वें जन्म दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए शैल कला धरोहर भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में 2 अक्टूबर, 2018 को एक कार्यक्रम आयोजित किया।

**c. शहीद दिवस:** इंगारामास ने 30 जनवरी, 2019 को शहीद दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के शुरुआत बहादुर सैनिकों के लिये प्रार्थना करते हुये 2 मिनट मौन रखकर हुई। बाद में शाम को वरिष्ठ कवि श्री ध्रुव शुक्ला ने 'गांधी का सत्याग्रह' विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया। व्याख्यान की अध्यक्षता श्री दयाराम नामदेव, निदेशक, गांधी भवन न्यास, ने की।



A- इंगारामास में स्वच्छता पखवाड़ा का उद्घाटन समारोह। / Inauguration ceremony of Swachhta Pakhwada at IGRMS

B- शहीद दिवस के अवसर पर वरिष्ठ कवि श्री ध्रुव शुक्ला के द्वारा व्याख्यान। / Lecture by senior poet Shri Dhruv Shukla on the occasion of Shaheed Diwas.

**2.9.2.8 Swachhta Pakhwada:** As per the instructions of Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi, the Sangrahalaya under the cleanliness campaign organized two clean India fortnights to create awareness towards the cleanliness from 16<sup>th</sup> to 30<sup>th</sup> April and 16<sup>th</sup> to 30<sup>th</sup> September, 2018. Special events like pledge for cleanliness, tree plantation, street play, special Cleaning activities, collective swachhta rally, special lecture, poster painting Exhibition and a marathon walk were organized.

#### 2.9.2.9 150<sup>th</sup> Birth Anniversary of Mahatma Gandhi:

**a. Babu Khagol Mela:** Nehru Planetarium, New Delhi in collaboration with IGRMS and Aryabhat Foundation, Bhopal organized a program of sky gazing through telescope on 30<sup>th</sup> November, 2018 at IGRMS premises.

**b.** IGRMS organized a program to pay floral tribute to Mahatma Gandhi on his 150<sup>th</sup> birthday on 2<sup>nd</sup> October, 2018 at Rock Art Heritage Building Conference hall.

**c. Shaheed Diwas:** IGRMS paid homage to the martyrs of freedom struggle by organizing various activities on the occasion of Martyr's day on 30<sup>th</sup> January, 2019. The day-long programme began with observing 2 minutes of silence and praying for brave soldiers. Later, in the evening Shri Dhruv Shukla a senior poet delivered a special lecture on the topic 'Gandhi ka Satyagrah'. The lecture was chaired by Shri Daya Ram Namdev, Director, Gandhi Bhawan Nyaas.



**2.9.2.10 विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस:** इंगारामास ने 9 अक्टूबर, 2018 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए 'मुकाम' नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें इस वर्ष की विषयवस्तु 'यंग पीपुल एण्ड मेंटल हेल्थ इन द चेंजिंग वर्ल्ड' पर इण्डियन साइकिएट्री सोसायटी और वर्ड्स ऑफ वर्थ की अध्यक्ष डॉ. रुमा भट्टाचार्य तथा डॉ. नमिता गौतम, सहायक प्रोफेसर, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, भोपाल के विशेष व्याख्यान आयोजित किये गये। डॉ. सरमन सिंह, निदेशक एवं सीईओ, एम्स, भोपाल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। भोपाल के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों एवं शिक्षकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

**2.9.2.11 सतर्कता जागरूकता सप्ताह:** 'भ्रष्टाचार उन्मूलन— एक नये भारत का निर्माण' की विषय वस्तु पर इंगारामास ने 29 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया। इस सप्ताह के दौरान संग्रहालय ने 1 नवम्बर, 2018 को श्री दिलीप सिंह, संयुक्त निदेशक, इंगारामास के 'भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु उपाय एवं भारत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना' विषय पर व्याख्यान, सरदार वल्लभ भाई पटेल पर एक विशेष पुस्तक प्रदर्शनी, दर्शकों हेतु 'संग्रहालय की सीमाओं को जाने' नामक ट्रेकिंग गतिविधि तथा सुरक्षा स्टाफ को आग से बचाव का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

**2.9.2.12 बाल सप्ताह समारोह:** इंगारामास ने 14 से 20 नवम्बर, 2018 को निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन कर बाल सप्ताह मनाया —

**a दस्तक नौनिहालों की:** 'दस्तक नौनिहालों की' नामक कार्यक्रम के अंतर्गत वंचित वर्ग के स्कूली बच्चों के एक विशेष भ्रमण का आयोजन किया गया। भोपाल के विविध स्कूलों यथा संस्कार विद्या निकेतन तथा म्यूजियम स्कूल के शिक्षकों और छात्रों के समूहों ने सप्ताह के दौरान इंगारामास का भ्रमण किया।

**b- जॉय ऑफ द टॉय:** इंगारामास द्वारा मणीपुर के खोइरेन्टॉक खुमान गाँव में स्थित अपने सांस्कृतिक व्याख्या केंद्र में स्कूली बच्चों के लिए मनोरंजन के साथ सीखने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूली छात्रों और शिक्षकों हेतु 14 से 20 नवम्बर, 2018 तक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किये गये।



A -सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर श्री दिलीप सिंह, संयुक्त निदेशक, इंगारामास के द्वारा व्याख्यान। / Lecture by Shri Dilip Singh, Joint Director, IGRMS on the occasion of Vigilance Awareness Week.

B - इंगारामास में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उद्घाटन समारोह का दृश्य। / A view of inaugural ceremony of Vigilance Awareness Week at IGRMS

**2.9.2.10 World Mental Health Day:** IGRMS observed the World Mental Health Day on 9th October, 2018 by organizing a special programme entitled 'Muquam' in which special lectures were delivered on the theme of this year 'Young People and Mental Health in the Changing World' by Dr. Ruma Bhattacharya, President, Indian Psychiatry Society and Words of Worth (WoW) and Dr. Namita Gautam, Asst. Professor, Deptt. of Psychiatry, AIIMS, Bhopal, to create awareness towards the importance of mental health. Dr. Sarman Singh, Director, and CEO, AIIMS, Bhopal was the chief guest of the programme. Students and faculties of various colleges of Bhopal attended this programme.

**2.9.2.11 Vigilance Awareness Week:** IGRMS observed Vigilance Awareness Week on the theme of 'Eradicate Corruption – Build a New India' from 29<sup>th</sup> October to 3<sup>rd</sup> November, 2018. During the week the Museum had organised a lecture on the topic 'Measure to be taken to Eradicate Corruption and making Indian Corruption Free' on 1<sup>st</sup> November, 2018 by Shri Dilip Singh, Joint Director, IGRMS, a special book exhibition on life of Sardar Vallabh Bhai Patel, a trek entitled 'Know the Limits of the Museum' for visitors and a special programme of Fire Fighting Training for Security staff were also held.

**2.9.2.12 Children's Week Celebration:** IGRMS observed Children's Week from 14<sup>th</sup> to 20<sup>th</sup> November, 2018 by organizing following activities-

**a. Dasktak Naunihalon Ki:** A special visit for underprivileged school children was organized under the programme entitled "Dastak Naunihalon Ki". Groups of students and teachers from various schools of Bhopal like Sanskar Vidhya Niketan and Museum School visited IGRMS during the week.

**b. Joy of the Toy:** A program of learning with fun for school children was organized by IGRMS at its Cultural Interpretation Centre at Khoirentak Khuman village, Manipur. Guided visits for school students and teachers were organized from 14<sup>th</sup> to 20<sup>th</sup> November, 2018.





**2.9.2.13 राष्ट्रीय एकता सप्ताह एवं विश्व धरोहर सप्ताह:** इंगारामास ने 19 से 25 नवम्बर, 2018 तक निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित कर राष्ट्रीय एकता सप्ताह एवं विश्व धरोहर सप्ताह मनाया:

**a.** 19 नवम्बर, 2018 को संग्रहालय के स्टॉफ द्वारा राष्ट्रीय एकता और सत्यनिष्ठा की शपथ ली गई।

**b. संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान:** प्रो. संजीव सिंह, स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर, भोपाल ने 22 नवम्बर, 2018 को 'क्लेक्टिव मेमोरी पर्सनल मेमोरी एज ए टूल फॉर अन्डरस्टैंडिंग फिनोमिनालॉजिकल डिस्कोर्स इन वाराणसी: अ केस ऑफ मणिकर्णिका घाट' पर विशेष व्याख्यान दिया।

**c. संवाद:** इंगारामास द्वारा 24 नवम्बर, 2018 को 'रोल ऑफ वूमन इन द प्रोसेस ऑफ नेशन बिल्डिंग' विषय पर एक संवाद का आयोजन किया। महिला अधिकारों के क्षेत्र में कार्यरत महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों जैसे सुश्री वीनू धीर, सुश्री रश्मि गोलिया, डॉ शिवानी घोष, डॉ. सोनम छतवानी, सुश्री शीला पुरोहित, सुश्री संगीता जैन और श्रीमती प्रतिभा शुक्ला ने परिचर्चा में भाग लिया।

**d. धरोहर यात्रा एवं पौधा रोपण—** जन-सामान्य को धरोहर स्थलों की सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के लिये जागरूक करने के उद्देश्य से इंगारामास ने एक धरोहर यात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा इंगारामास के शैल कला धरोहर मुक्ताकाश प्रदर्शनी से प्रारम्भ होकर अंतरंग संग्रहालय भवन वीथि संकुल में समाप्त हुई। इस अवसर पर प्रतिभागियों ने पौधा रोपण किया।



**2.9.2.13 National Integration Week & World Heritage Week:** IGRMS observed National Integration Week and World Heritage Week by organizing following activities for its staff from 19<sup>th</sup> to 25<sup>th</sup> November, 2018:

**a.** Oath of National Integration and Integrity by museum staff on 19<sup>th</sup> November, 2018.

**b. Museum Popular Lecture:** Prof. Sanjeev Singh, School of Planning and Architecture, Bhopal delivered a lecture on 'Collective Memory Personal Memory as a Tool for Understanding Phenomenological Discourse in Varanasi: A Case of Manikarnika Ghat' on 22<sup>nd</sup> November, 2018.

**c. Colloquium:** IGRMS organized a colloquium on 24<sup>th</sup> November, 2018 on the 'Role of Women in the Process of Nation Building'. Noted personalities working in the field of Women's Rights such as Ms. Veenu Dheer, Ms. Rashmi Goliya, Dr. Shivani Ghosh, Dr. Sonam Chhatwani, Ms. Sheela Purohit, Ms. Sangeeta Jain and Smt. Pratibha Shukla participated in the discussion.

**d. Heritage Walk and Tree Plantation:** A heritage walk was organized by IGRMS with an aim to aware people about protection, preservation, and propagation of heritage sites. The walk started from Rock Art Heritage open-air exhibition of IGRMS and finished at Veethi Sankul – indoor museum building. On this occasion, participants also planted the trees.



A,B - इंगारामास में आयोजित 'दस्तक नैनिहालों की' नामक कार्यक्रम की झलकियाँ। / Glimpses of the program 'Dastak Nahanihal Ki' organised at IGRMS  
C,D - संग्रहालय परिसर में पौधारोपण करते संग्रहालय के निदेशक एवं स्टाफ। / Director and staff of the museum planting sapling in the museum premises

**2.9.2.14 राष्ट्रीय बालिका दिवस:** इंगारामास ने 24 जनवरी, 2019 को स्माइल फाउन्डेशन के सहयोग से 'स्वाभिमान-गौरव और गरिमा' शीर्षक से चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन कर राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया। प्रदर्शनी में समाज में बालिकाओं के महत्व और महिला अधिकारों पर नागपुर के स्कूली छात्रों द्वारा निर्मित लगभग 100 पुरस्कृत एवं प्रशंसित चित्र हैं। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामास ने किया।

**2.9.2.15 70 वां गणतंत्र दिवस:** प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामास ने स्टाफ सदस्यों तथा बड़ी संख्या में जनजातीय बच्चों की उपस्थिति में ध्वजारोहण तथा राष्ट्रगान का वंदन किया। इंगारामास के स्टॉफ ने इस अवसर पर देशभक्ति गीत भी प्रस्तुत किये।

**2.9.3 पर्यावरण संरक्षण के लिये जागरूकता कार्यक्रम:** इंगारामास तथा एस.आई.पी. अकादमी, भारत ने नगर निगम, भोपाल के सहयोग से 4 अगस्त, 2018 को संग्रहालय परिसर में वृक्षारोपण के एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर भोपाल के महापौर श्री आलोक शर्मा ने एस.आई.पी. अकादमियों और स्कूली छात्रों के साथ वृक्षारोपण किया तथा वृक्षों की सुरक्षा का संकल्प लिया।

**2.9.4 रन भोपाल रन:** भोपाल रनर्स एसोशियेशन एवं ऑर्गन डोनेशन सोसायटी ने इंगारामास के सहयोग से एक हाफ मैराथन का आयोजन किया, जो मोती लाल नेहरू मैदान से 2 दिसम्बर, 2018 को प्रातः 6 बजे प्रारम्भ होकर इंगारामास परिसर से निकली। सैंकड़ों धावकों ने इस दौड़ में प्रतिभागिता कर स्वस्थ जीवन का मंत्र तथा अंग दान के महत्व का संदेश फैलाया।

**2.9.5 राजभाषा के प्रचार-प्रसार हेतु गतिविधियाँ :**

**2.9.5.1 हिन्दी पखवाड़ा:** स्टाफ के मध्य कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये संग्रहालय द्वारा 4 से 14 सितम्बर, 2018 तक एक कार्यक्रम 'हिन्दी पखवाड़ा' का आयोजन किया गया। हिंदी पखवाड़ा के दौरान इंगारामास के स्टाफ हेतु कई प्रतियोगिताओं यथा यूनिकोड टाइपिंग, लेखन, वाद-विवाद, तात्कालिक भाषण, प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगितात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

**2.9.5.2 हिन्दी कार्यशाला:** इंगारामास में 27 मार्च, 2019 को 'मातृभाषा संस्कृति की संवाहक है' विषय पर एक दिवसीय सम्वाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

**2.9.6 स्वच्छ भारत अभियान:** संग्रहालय द्वारा अभियान के एक भाग के रूप में प्रत्येक बुधवार को अपने परिसर में किसी एक स्थल पर स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जाता है। अवधि के दौरान संग्रहालय के स्टाफ ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा विविध प्रदर्शनियों, पार्किंग और कैंटीन क्षेत्र की साफ-सफाई की।

**2.9.2.14 National Girl Child Day:** IGRMS in collaboration with Smile Foundation, marked the National Girl Child Day on 24<sup>th</sup> January, 2019 by organizing an exhibition of paintings entitled 'Swabhiman- Gaurav aur Garima'. The exhibition comprising of nearly 100 prize-winning and most appreciated paintings by the school children of Nagpur highlighting the importance of girls in society and women empowerment was inaugurated by Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS.

**2.9.2.15 70<sup>th</sup> Republic Day:** Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS in presence of staff members and a large number of tribal children hoisted the tri-color followed by the recitation of National Anthem. Staffs of IGRMS also presented various patriotic songs on this occasion.

**2.9.3 Awareness Programme for Protection of Environment:** IGRMS, SIP Academy, India with Municipal Corporation Bhopal organised a programme of tree plantation on 4<sup>th</sup> August, 2018. Shri Alok Sharma, Mayor, Bhopal, SIP Academies and school students planted trees and pledged to protect trees on this occasion.

**2.9.4 Run Bhopal Run:** Bhopal Runners Association and Organ Donation Society in collaboration with IGRMS organized a Half Marathon which started from Moti Lal Nehru Ground at 6 AM on 2<sup>nd</sup> December, 2018 and went through the IGRMS campus. Hundreds of marathoners participated in the event spreading the message about the secrets of healthy living and the importance of organ donation.

**2.9.5 Activities related to the promotion of Official Language:**

**2.9.5.1 Hindi Pakhwada:** With an aim to popularize the use of Hindi in Official working among the staff, a program entitled 'Hindi Pakhwada' was organized by the Museum from 4th to 14th September, 2018. A number of competitive events such as Unicode Typing, Article Writing, Debate, Extempore Speech, Quiz, etc were organized for the staff of IGRMS during the Hindi Pakhwada.

**2.9.5.2 Hindi Workshop:** A day-long colloquium on 'Matribhasha Sanskriti ki Samvahak hai' was organized on 27th March, 2019 at IGRMS.

**2.9.6 Clean India Campaign:** As a part of the campaign the museum organizes cleanliness drive on every Wednesday at one location in its campus. During the period the staff of the museum participated actively in this drive and carried out cleanliness work in various exhibitions, parking and canteen area.



**2.9.7 एडवेंचर नेक्स्टः** यू एस ए के एडवेंचर ट्रेवल ट्रेड एसोसिएशन (एटीटीए) ने इंगोरामासं और मध्य प्रदेश टूरिज्म के सहयोग से 3 दिसम्बर, 2018 को एक एडवेंचर टूर का आयोजन किया। म.प्र. टूरिज्म के अधिकारियों के साथ 20 अंतर्राष्ट्रीय एडवेंचर पर्यटकों ने संग्रहालय की विभिन्न प्रदर्शनियों का भ्रमण किया। संग्रहालय के अधिकारियों द्वारा संग्रहालय की विभिन्न मुक्ताकाश प्रदर्शनियों यथा शैलकला धरोहर, जनजातीय आवास, तटीय गांव, मरु ग्राम और वीथि संकुल— अंतरंग संग्रहालय भवन का मार्गदर्शी भ्रमण कराया गया।



A



C

**2.9.7 Adventure Next:** The USA based Adventure Travel Trade Association (ATTA) in collaboration with IGRMS and Madhya Pradesh Tourism organized an adventure tour at the IGRMS on 3<sup>rd</sup> December, 2018. 20 international adventure tourists along with the officials of the M.P. Tourism visited the museum to explore various exhibitions. A guided trek was conducted by the museum officials at different open air exhibitions of the museum such as the Rock Art Heritage, Tribal Habitat, Coastal Village, Desert Village and Veethi Sankul- the indoor museum building.



B



D

A- 'स्वाभिमान गौरव और गरिमा' शीर्षक से चित्रों की प्रदर्शनी। / Paintings exhibition entitled 'Swabhiman-Gaurav aur Garima'.

B- रन भोपाल रन के तहत आयोजित हाफ मैराथन संग्रहालय परिसर से होकर गुजरी। / Half Marathon organized under Run Bhopal Run pass through Museum premises.

C- पर्यावरण संरक्षण के लिये जागरूकता कार्यक्रम में वृक्षारोपण करते स्कूली बच्चों। / School children planting trees in awareness programme for environmental protection.

D- संग्रहालय परिसर में 'स्वच्छ भारत अभियान'। / 'Swachha Bharat Abhiyan' in Museum premises.

**2.9.8 जनजातीय साहित्य महोत्सवः** इ.गं.रा.मा.सं.ने आदिवासी साहित्य, कला, भोजन, नृत्य और संगीत पर केन्द्रित तीन दिवसीय जनजातीय साहित्य महोत्सव नामक कार्यक्रम का आयोजन 14 से 16 दिसम्बर, 2018 तक किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. सत्यनारायण मुण्डा, कुलपति, श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची द्वारा किया गया। इस तीन दिवसीय उत्सव के दौरान विभिन्न विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

**a. काठे लेखाः** आदिवासी समुदायों में अभिव्यक्ति के काष्ठ स्वरूपों पर 'काठे लेखा' नामक एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन 14 दिसम्बर, 2018 को जनजातीय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी की परिचयात्मक दीर्घा में किया गया।

**2.9.8 Tribal Literature Festival:** IGRMS organized a three-day programme entitled Tribal Literature Festival centered on tribal literature, arts, food, dance and music from 14<sup>th</sup> to 16<sup>th</sup> December, 2018. This programme was inaugurated by Prof. Satya Narayan Munda, Vice-Chancellor, Shyama Prasad Mukherji University, Ranchi. Various special programs were organized during this three-day festival.

**a. Kathe Lekha:** A special exhibition entitled 'Kathe Lekha' on wooden forms of expressions in tribal communities was inaugurated on 14<sup>th</sup> December, 2018 at Introductory Gallery of Tribal Habitat open air exhibition.

**b. कलांजलि:** विभिन्न आदिवासी समुदायों की पारंपरिक कला और शिल्प पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें म.प्र. छ.ग., असम, मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैण्ड के कलाकारों ने अपन-अपने शिल्प में रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन किया। कलाकारों द्वारा बनायी गयी कलाकृतियाँ बिक्री के लिए भी उपलब्ध थी। इस कार्यशाला का उद्घाटन प्रसिद्ध लेखक श्री लक्ष्मण गायकवाड़ ने किया।

**c. समूह चर्चा:** 'ट्राइबल लिटरेचर: कॉन्ट्रीब्यूशन्स एण्ड कन्सर्स' विषय पर एक समूह चर्चा का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. सत्यनारायण मुण्डा, कुलपति, श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची थे। बीज सम्भाषण प्रसिद्ध लेखक श्री लक्ष्मण गायकवाड़ द्वारा दिया गया। विशेषज्ञ श्री तामसांग, अध्यक्ष, मायेल लयांग लेप्चा डेवलपमेंट बोर्ड, प. बंगाल, द्वारा विशेष सम्भाषण दिया गया।

**d. पुस्तक प्रदर्शनी:** देश भर से जनजातीय साहित्य पर एक विशेष पुस्तक प्रदर्शनी लगायी गयी। काकसाड़, लैण्डमार्क बुक हाउस, भोपाल, स्वराज, बुक पैराडाइज, भोपाल, ज्ञान बुक हाउस, नई दिल्ली, कावेरी प्रकाशन, नियोगी प्रकाशन विकल्प, अकादमिक बुक हाउस, भोपाल, एकलव्य, पिटारा, इंगोरामासं, वन्या प्रकाशन, भोपाल, सेगमेंट बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली, आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल ने इस प्रदर्शनी के दौरान अपनी पुस्तकों को प्रदर्शित किया एवं विक्रय किया।

**e. जायका:** पारंपरिक जनजातीय व्यंजनों का आनन्द लेने के लिए मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, मणिपुर, असम और आंध्रप्रदेश से पारम्परिक व्यंजनों के स्टाल लगाए गए।

**f. अखरा:** 'अखरा' शीर्षक के तहत प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुति का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। मणिपुर, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, और आंध्रप्रदेश से आये कलाकारों ने 14 और 15 दिसम्बर, 2018 को अपने नृत्य स्वरूपों की प्रस्तुति दी। 16 दिसम्बर, 2018 को प्रसिद्ध 'बस्तर बैंड' द्वारा प्रस्तुतिकारी कला के एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बस्तर बैंड में बस्तर से मुरिया, डन्डामी मारिया, धुर्वा, भतरा, डोरला, मुण्डा और हल्बा जनजाति और मेंहरा, गंडा, मिरगन, अहीर समुदाय के कलाकार थे। बस्तर बैंड ने अपनी प्रस्तुति में 45 प्रकार के पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ 30 धुनों का वादन किया और जनजातीय पारम्परिक नृत्यों को भी प्रस्तुत किया।

**b. Kalanjali:** A workshop on traditional art and crafts of different tribal communities was organized in which artists from Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Assam, Manipur, Mizoram, Arunachal Pradesh and Nagaland demonstrated their creativity and skill in their respective crafts. The artifacts made by artists were also available for sale. This workshop was inaugurated by renowned author Shri Laxman Gaikwad.

**c. Panel discussion:** A panel discussion on 'Tribal Literature: Contributions and Concerns' was organized. Prof. Satya Narayan Munda, Vice-Chancellor, Syama Prasad Mukherji University, Ranchi was the chief guest in the inaugural session. The keynote address was delivered by renowned author, Shri Laxman Gaikwad. Special address was given by resource person Shri Tamsang, Chairman, Mayel Lyang Lepcha Development Board, West Bengal.

**d. Book Exhibition:** A special book exhibition of Tribal Literature from across the country was displayed. Publishers like Kaksad, Landmark Book House, Bhopal, Swaraj Book Paradise, Bhopal, Gyan Book House, New Delhi, Kaveri Publication, Niyogi Prakashan, Vikalp, Academic Book House, Bhopal, Ekalavya, Pitara, IGRMS, Vanya Prakashan, Bhopal, Segment Book Distributors, New Delhi, Adivasi Lok Kala Evam Boli Vikas Academy, Bhopal displayed and sold their books during this exhibition.

**e. Jayaka:** Stalls of ethnic food from Madhya Pradesh, Chhattisgarh, Manipur, Assam, and Andhra Pradesh were put up to enjoy traditional tribal delicacies.

**f. Akhra:** A programs of performing art presentation under the title 'Akhra' was held. Performers from Manipur, Mizoram, Arunachal Pradesh, Madhya Pradesh and Andhra Pradesh made a presentation of their dance forms on 14<sup>th</sup> and 15<sup>th</sup> December, 2018. A special program of performing arts by the famous 'Bastar Band' was held on 16<sup>th</sup> December, 2018. The Bastar Band had artists from the Muria, Dandami Maria, Dhurwa, Bhatra, Dorla, Munda and Halba tribes and Mahra, Ganda, Mirgan, Ahir communities of Bastar. In the performances, the Bastar Band recited more than 30 styles of tunes in the accompaniment of 45 types of their traditional musical instruments and presented tribal traditional dances also.



**2.9.9 राष्ट्रीय बालरंग-2018:** लोक शिक्षण संचालनालय, स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा इंगां.रा.मासं. के सहयोग से 19 से 21 दिसम्बर, 2018 तक 'राष्ट्रीय बालरंग-2018' नामक बच्चों के लिये एक भव्य सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का उद्घाटन सुश्री जयश्री कियावत, आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, साहित्यिक कौशल, संस्कृत, योग, मदरसा आदि सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। 'लघुभारत' प्रदर्शनी में भाग लेने वाले स्कूलों ने 22 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का प्रदर्शन किया। 'समर्थ भारत' नामक वैषयिक प्रदर्शनी के अंतर्गत पोस्टरों के माध्यम से विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों का भी प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता का उद्घाटन श्रीमती आनंदी बेन पटेल, माननीय राज्यपाल, मध्यप्रदेश, द्वारा 20 दिसम्बर, 2018 को किया गया। इस कार्यक्रम में देश के 19 राज्यों और 2 केन्द्र शासित प्रदेशों के स्कूली बच्चों ने भाग लिया और लोक नृत्यों की प्रस्तुति कर अपने-अपने राज्यों की झलक दिखाई। इस प्रतियोगिता में बिहार, हिमाचल प्रदेश और त्रिपुरा के छात्रों ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेता टीमों को क्रमशः 51,000 रुपये 31,000 रुपये और 21,000 रुपये तथा एक ट्रॉफी प्रदान की गई। झारखंड और सिक्किम के छात्रों को 5000 रुपये और ट्रॉफी के सात्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

**2.9.9 National Balrang – 2018:** Directorate of Public Instructions, School Education Department, Madhya Pradesh in collaboration with IGRMS organized a grand cultural festival for children entitled 'National Balrang – 2018' from 19<sup>th</sup> to 21<sup>st</sup> December, 2018. The state-level competitions were inaugurated by Ms. Jaishree Kiyawat, Commissioner, Directorate of Public Instructions. The program had various national level competitions including cultural performances, Literary skills, Sanskrit, Yoga, Madarsa, etc. In the 'Laghu Bharat' Exhibition, participating schools exhibited the cultural and historic heritage of 22 states and union territories. Various schemes and activities were also exhibited through posters under the thematic exhibition entitled 'Samarth Bharat'. The national dance competition inaugurated by the Hon'ble Governor of M.P. Anandiben Patel on 20<sup>th</sup> December, 2018. In this programme school children from 19 states and 2 Union Territories of the country participated and presented a glimpse of their respective states by presenting folk dance in this program. In this competition students from Bihar, Himachal Pradesh and Tripura stood at first, second and third positions respectively. The winning teams were awarded Rs 51,000, Rs 31,000 and Rs 21,000 respectively and a trophy. Students from the Jharkhand and Sikkim were awarded a consolation prize of Rs.5000/- and a trophy.



राष्ट्रीय बालरंग - 2018 की झलकियाँ | / Glimpses of National Balrang - 2018

**2.9.10 निःशक्तजनों के लिये विशेष कार्यक्रम:**

**2.9.10.1 राहें: विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिये एक विशेष 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम:** संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में इंगांरामासं ने 19 से 23 जुलाई, 2018 तक शारीरिक और मानसिक रूप से विशेष रूप से सक्षम छात्रों के लिये राहें नामक जनजातीय चित्रकला कार्यशाला का आयोजन फिजिकली एण्ड मेन्टली डिसेबल्ड स्टूडेंट्स के आवासीय विद्यालय केसर बंगला, परी बाजार, भोपाल में किया। समापन के दिन इस कार्यशाला में बच्चों द्वारा तैयार किये गये चित्रों की एक प्रदर्शनी भी लगायी गयी।

**2.9.10.2 संस्कृति मित्र:** असम राज्य संग्रहालय, गुवाहाटी के सहयोग से इंगांरामासं द्वारा निःशक्तजन बच्चों के लिये 'संस्कृति मित्र' नाम के एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन 25 सितम्बर, 2018 को आयोजित किया गया, जिसमें गोवाहाटी के एक गैर लाभकारी संगठन शिशु सारोथी सेन्टर फॉर रिहैबिलिटेशन एण्ड ट्रेनिंग फॉर मल्टीपल डिसेबिलिटीज के बच्चों को पेंटिंग और ड्राइंग गतिविधि के लिये आमंत्रित किया गया था।

**2.9.10.3 मार्गदर्शी यात्रा:** 22 नवम्बर, 2018 को अंतरंग संग्रहालय भवन वीथि संकुल की एक विशेष मार्गदर्शी यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें गवर्नमेंट रेसीडेंसियल स्कूल फॉर डीफ एण्ड डंब एण्ड मेन्टली रिटार्डेड चिल्ड्रन के बच्चों ने संग्रहालय का भ्रमण किया।

**2.9.10.4 13 वीं ब्लाइंड चैलेंज कार रैली:** विशेष रूप से सक्षम और नेत्रहीन बच्चों के लिये कार्य करने वाली भोपाल स्थित एक गैर सरकारी संस्था अरुषि ने 13 जनवरी, 2019 को इंगांरामासं, भोपाल के सहयोग से 13 वीं ब्लाइंड चैलेंज कार रैली का आयोजन किया। 50 कार चालकों के साथ उतने ही दृष्टि बाधित व्यक्तियों की रैली को प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगांरामासं ने झण्डा दिखाकर रवाना किया। रैली का रोमांचक पहलू एक दृष्टिहीन मार्गदर्शक की मदद से ब्रेल मानचित्र पर विभिन्न बिंदुओं का पता लगाना और शहर के अंदर 20 किलो मीटर की दूरी तय करना था। भोपाल के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए रैली का समापन, इंगांरामासं के अंतरंग संग्रहालय भवन, वीथि संकुल के प्रांगण में हुआ, जहाँ विजेताओं को गणमान्य लोगों द्वारा नगद पुरस्कार और ट्रॉफी प्रदान की गयी।

**2.9.10.5 विशेष रूप से सक्षम बच्चों द्वारा एक विशेष कार्यक्रम: 'एक ताल एक साल':** शारीरिक रूप से विशेष रूप से सक्षम और मानसिक रूप से कमजोर बच्चों की देखभाल और परवरिश के लिये समर्पित भोपाल की गैर सरकारी संस्था अरुषि ने इंगांरामासं और संस्कृति विभाग, म.प्र. सरकार के सहयोग से 19 मार्च, 2019 को अपना वार्षिक दिवस मनाया। शिक्षकों के प्रयासों से इन बच्चों की प्रतिभा खिल उठी और फैंसी ड्रेस में अपनी-अपनी विशेष वेशभूषा तथा अभिनय से एवं साथ ही एकल और समूह में अन्य प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

**2.9.10 Special Programmes for differently-abled person:**

**2.9.10.1 Rahen: a special 'Do and Learn' Museum Education Programme for Specially abled Children:** In the series of museum educational programmes IGRMS organized a tribal painting workshop entitled **Rahen** for physically and mentally disabled students from 19<sup>th</sup> to 23<sup>rd</sup> July, 2018 at Govt. Residential School of Physically and Mentally Specially abled Students, Kesar Bungalow, Pari Baazar, Bhopal. On concluding day, an exhibition of paintings prepared by children during this workshop was also mounted.

**2.9.10.2 Sanskriti Mitra:** A special programme for differently-abled children entitled 'Sanskriti Mitra' was organized by IGRMS in collaboration with Assam State Museum, Guwahati on 25<sup>th</sup> September 2018 in which children from Shishu Sarothi Centre for Rehabilitation and Training for Multiple Disabilities, Guwahati - a Non-Profit Organisation were invited for painting and drawing activity.

**2.9.10.3 Guided Tour:** A special guided visit of Veethi Sankul - indoor museum building was organised on 22<sup>nd</sup> November, 2018 in which children from Government Residential School for deaf and dumb and mentally retarded children visited the museum.

**2.9.10.4 13<sup>th</sup> Blind Challenge Car Rally:** Arushi a Bhopal based NGO working for Specially abled and Blind children, organized 13<sup>th</sup> Blind Challenge Car Rally in collaboration with IGRMS, Bhopal on 13<sup>th</sup> January, 2019. Rally of 50 car drivers with an equal number of visually impaired navigators was flagged off by Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS. The most exciting aspect of the rally was to locate various points through a Braille map with the help of a visually impaired navigator and cover the 20 Km. distance within the city. Passing through the main streets of Bhopal the rally culminated at the courtyard of Veethi Sankul the indoor museum building of IGRMS where winners were awarded cash prizes and trophy by the dignitaries.

**2.9.10.5 A Special Programme by Specially abled Children: 'Ek taal Ek Saal':** Arushi an NGO from Bhopal dedicated for wellness and upbringing of Specially abled and mentally retarded children celebrated its annual day on 19<sup>th</sup> March, 2019 in collaboration with IGRMS and Department of Culture, Govt. of Madhya Pradesh. Distinct talent of these children bloomed with the efforts of their teachers and mesmerized the audience with their specific get ups and enactment in fancy dress and also various other items of group and solo presentations.



**2.9.11 बर्ड वॉक:** 10 फरवरी, 2019 को संग्रहालय परिसर में बर्ड कजर्वेशन सोसायटी के सहयोग से बर्ड वॉक नामक एक दिन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। शहर के लगभग 40 प्रकृति प्रेमियों ने प्राकृतिक वातावरण में विभिन्न पक्षी प्रजातियों को देखने के अवसर का लाभ उठाया और संबंधित जानकारी प्राप्त की।



2.9.10.1

**2.9.11 Bird Walk:** A day-long programme entitled Bird Walk in association with Bird Conservation Society was organized in the museum premises on 10th February, 2019. Nearly 40 nature lovers from the city availed the opportunity of watching various bird species in their natural environment and acquired related information.



2.9.10.2



2.9.10.4



2.9.10.5

**निःशक्तजनों के लिये विशेष कार्यक्रम।/Special programme organised for differently-abled persons.**

**2.9.12 इंगारामास का 43वां स्थापना दिवस समारोह:** संग्रहालय ने अपनी स्थापना के 42 वर्ष पूर्ण कर लिये हैं तथा 8 से 10 मार्च, 2019 को विराट उत्सव के साथ 43वें वर्ष में प्रवेश किया। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एन. श्रीधरन, निदेशक, स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्कीटेक्चर, भोपाल थे। इस 3 दिवसीय कार्यक्रम में निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

**2.9.12.1 कुम्हार पारा - नई मुक्ताकाश प्रदर्शनी का समर्पण:** इस अवसर पर भारत की समृद्ध और विविध पॉटरी एवं टेराकोटा परम्पराओं पर केन्द्रित एक नई मुक्ताकाश प्रदर्शनी का लोकार्पण किया गया। डॉ. के.के. चक्रवर्ती, सेवानिवृत्त, आई.ए.एस., प्रो. के. के.बासा, प्रो. मिताश्री मित्रा, प्रो. सरित कुमार चौधुरी ने दीप जलाकर और परधान कलाकारों द्वारा किए गये अनुष्ठान में भाग लेकर प्रदर्शनी का लोकार्पण किया।

**2.9.12.2 पूर्वोत्तर भारत की महिलाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी:** 'वुमेन ऑफ नॉर्थ ईस्ट इण्डिया: कॉन्ट्रीब्यूशन्स एण्ड कंसर्न्स' विषय पर एक 3 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 8 से 10 मार्च, 2019 तक किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय मानव संग्रहालय

**2.9.12 43rd Foundation Day celebration of IGRMS:** The Museum had completed 42 years of its establishment and stepped in 43<sup>rd</sup> year with a grand celebration of its Foundation Day from 8<sup>th</sup> to 10<sup>th</sup> March, 2019 at Bhopal. The Chief Guest of the Inaugural Programme was Prof. N. Sridharan, Director, School of Planning and Architecture, Bhopal. In this 3-day program following activities had been organised:

**2.9.12.1 Dedication of New Open Air Exhibition - Kumharpara:** A new open-air exhibition focusing on rich and diverse pottery and terracotta traditions of India was dedicated to the public on the occasion. Dr. K. K. Chakravarty, Retd. IAS, Prof. K.K.Basa, Prof. Mitashri Mitra, Prof. Sarit Kumar Chaudhuri dedicated the exhibition to the visitors by lighting lamp and participating in the Ritual performed by Pardhan artists.

**2.9.12.2 National Seminar on Women of North East India:** A 3-day national seminar was organised from 8<sup>th</sup> to 10<sup>th</sup> March, 2019 on 'Women of North East

समिति की सदस्य प्रो.सुभद्रा मित्रा चन्ना ने बीज संभाषण दिया तथा सिक्किम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, असम और मणिपुर से महिला अध्येताओं ने पूर्वोत्तर भारत पर अपने शोध व अनुभव के आधार पर विविध पत्र प्रस्तुत किये।

**2.9.12.3 हथकरघा: हैण्डलूम टेक्स्टाइल ट्रेडीशन ऑफ नॉर्थ ईस्ट इण्डिया पर एक विशेष प्रदर्शनी:** पूर्वोत्तर भारत से हथकरघों और विभिन्न वस्त्रों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन 8 मार्च, 2019 को किया गया। पूर्वोत्तर के 16 कलाकारों ने बुनकर सेवा केन्द्र, हथकरघा और हस्तशिल्प मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 3 दिनों के लिये हथकरघा पर अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

**2.9.12.4 आलविलक्कु- केरल के एक हजार एक बत्तियों वाले दीपक का प्रज्वलन:** इंगारामास के स्थापना दिवस समारोह के सबसे मनमोहक क्षण के रूप में केरल के एक हजार एक बत्तियों वाले दीपक— आलविलक्कु का प्रज्वलन रहा। इसका प्रज्वलन भोपाल में निवासरत मलयाली समुदाय, समारोह के अतिथियों एवं अन्य दर्शकों ने चेंडा (केरल का पारंपरिक वाद्य यंत्र) वादन के साथ किया।

India: Contributions and Concerns'. On this occasion, Prof. Subhadra Mitra Channa, Member, Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti gave the keynote address and women scholars from Sikkim, Nagaland, Arunachal Pradesh, Assam and Manipur presented various papers based on their research and experience in North East India.

**2.9.12.3 Hathkargha- a special Exhibition on Handloom Textile Tradition of North East India:** a special exhibition consisting of looms and various textiles from North East India was inaugurated on 8th March, 2019. 16 artists from North East also demonstrated their skill on handloom for 3 days in collaboration with Weavers Service Centre, Ministry of Handlooms and Handicrafts, Govt. of India.

**2.9.12.4 Lighting of Al Vilakku- the 1001 wicks lamp from Kerala:** The most graceful segment of Foundation Day celebration of IGRMS is ceremonial lighting of 1001 wicked lamp from Kerala named Al Vilakku with the participation of Malyali community residing in Bhopal, delegates and others visitors with Chenda (traditional percussion instrument of Kerala) recital.



इंगारामास में 1001 बातियों वाले दीप 'आल-विलक्कु' का समारोह पूर्वक प्रज्वलन।  
Ceremonial lighting of 1001 Wicked lamp 'Aal-Vilakku' at IGRMS.





A -स्थापना दिवस समारोह का शुभारम्भ। / Inauguration of Foundation Day Celebration.

B - पूर्वोत्तर भारत की महिलाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। / National Seminar on Womens of North East India.

**2.9.12.5 कलाकारों एवं सेवानिवृत्त कर्मियों का सम्मान:** इंगारामासं प्रति वर्ष स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदर्शनियों के विकास, प्रादर्शों के संकलन तथा विभिन्न स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों के आयोजन में योगदान देने वाले कलाकारों और इस वर्ष सेवानिवृत्त कर्मियों को अपने स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मानित करता है। इस वर्ष भी दिनांक 8 मार्च, 2019 को स्थापना दिवस की संध्या पर लोक कलाकार श्री बंदी ओरांव, झारखंड, श्री श्रवण कुमार पासवान, बिहार, श्री पप्पला सत्य नारायण, आंध्रप्रदेश, श्री मोहन लाल, उत्तराखंड और श्रीमती वंदना टेटे, रिसोर्स पर्सन झारखंड को सम्मानित किया गया।

**2.9.12.6 15वां इंगारामासं वार्षिक व्याख्यान:** अकादमिकों, छात्रों, शोधार्थियों और संग्रहालयविदों में प्रतिष्ठित तथा सर्वाधिक लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला वार्षिक इंगारामासं व्याख्यान श्रृंखला के 15वें अध्याय में 9 मार्च, 2019 को प्रख्यात मानव वैज्ञानिक एवं सम्बलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीपक कुमार बेहेरा के द्वारा 'चिल्ड्रन एंड चाइल्ड हुड: एन इमरजिंग सब-डिस्सीप्लिन इन एंथ्रोपोलॉजी' विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान की अध्यक्षता डॉ. के. के. चक्रवर्ती, सेवानिवृत्त आई.ए.एस. और भूतपूर्व निदेशक, इंगारामासं, भोपाल के द्वारा की गयी।

**2.9.12.7 द्वितीय प्रो. बी. के. राय बर्मन स्मृति व्याख्यान:** भारतीय मानव वैज्ञानिकों के योगदान को उजागर करने तथा उनके द्वारा शोध क्षेत्र एवं व्यवहारिक क्षेत्र में समाज की बेहतरी के लिये किये गये कार्यों को याद करते हुये इंगारामासं द्वारा विशेष व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया जाता है। इसी कम में द्वितीय प्रो. बी.के. रायबर्मन स्मृति व्याख्यान में प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, कोलकाता के द्वारा 'इथिक्स ऑफ डेवेलपमेंट: ए ट्रिब्यूट टू प्रो. बी. के रायबर्मन' विषय पर व्याख्यान दिया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने प्रो. बी. के रायबर्मन को चलते फिरते ज्ञानकोष तथा ज्ञान के पुस्तकालय के रूप में संबोधित किया साथ ही उनसे जुड़े अनेक अनजाने और अनकहे पहलुओं का भी स्मरण किया। प्रो. के. के. बासा, भूतपूर्व निदेशक, इंगारामासं के द्वारा इस व्याख्यान की अध्यक्षता की गई।



**2.9.12.5 Felicitation of Artists and Retired Employees:** On the occasion of its foundation Day every year IGRMS felicitates some artists and resource persons who have contributed in the development of its exhibition, collection of specimens and activities at various places and its employees superannuated during the year against their services they rendered for this Museum. On the eve of this Foundation Day on 8th March, 2019 folk artists Shri Bandi Oraon, Jharkhand, Shri Shrawan Kumar Paswan, Bihar, Shri Pappala Satyanarayan, Andhra Pradesh, Shri Mohan Lal, Uttarakhand, and Smt. Vandana Tete a resource person from Jharkhand were felicitated.

**2.9.12.6 15<sup>th</sup> Annual IGRMS lecture:** The prestigious and most popular lecture series among the academicians, students, researchers and across the museum fraternity the Annual IGRMS lecture series added its 15<sup>th</sup> episode on 9<sup>th</sup> March, 2019 with lecture by renowned anthropologist and Vice-Chancellor, Sambalpur University Prof. Deepak Kumar Behera on the topic 'Children and Childhood: an emerging sub-discipline in Anthropology'. The lecture was chaired by Dr. K.K. Chakravarty, Retd. IAS and former Director IGRMS, Bhopal.

**2.9.12.7 2<sup>nd</sup> Prof. B.K.Royburman Memorial Lecture:** With a view to highlighting the contribution of Indian anthropologists and remembering them for the path they led for fraternity which has a categorical significance in the research domain and practical domain of community development IGRMS organizes special lecture series. In the continuation of the same 2<sup>nd</sup> Prof. B. K. Royburman Memorial Lecture was delivered by Prof. Vinay Kumar Shrivastava, Director, Anthropological Survey of India, Kolkata under the title 'Ethics of Development: a Tribute to Prof. B.K. Royburman' during which he addressed the late scholar as library of knowledge and the Walking Encyclopedia and unveiled many unknown and untold aspects of Prof. Royburman's personality. The lecture was chaired by Prof. K. K. Basa, former Director of IGRMS, Bhopal.



A,B - स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर कलाकारों और इस वर्ष सेवानिवृत्त कर्मियों का सम्मान। / Felicitates of artists and its employees superannuated this year on the occasion of Foundation Day Ceremony.

**2.9.12.8 क्षेत्रीय संस्कृतियों का उत्सव: पूर्वोत्तरी:** क्षेत्रीय संस्कृतियों के उत्सव की श्रृंखला में पूर्वोत्तरी नामक तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत पारंपरिक भोजन उत्सव, कला और शिल्प का प्रदर्शन सह विक्रय, प्रस्तुतिकारी कलाओं का प्रदर्शन, संगोष्ठियों आदि का आयोजन सम्मिलित था। संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:

**a. पूर्वोत्तर भारत का पारंपरिक भोजन:** अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर और त्रिपुरा राज्यों से आये कलाकारों द्वारा अपने-अपने राज्यों के पारंपरिक भोजन बनाकर स्थापना दिवस के तीनों दिन संग्रहालय के दर्शकों को उपलब्ध करवाया गया। मध्यप्रदेश के प्रतिनिधित्व के रूप में भील जनजाति के सदस्यों द्वारा भी पारंपरिक भोजन बनाया गया।

**b. कलाकार कार्यशाला और प्रदर्शनी:** मणिपुर, असम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा राज्यों के पारंपरिक कलाकारों द्वारा देशज तकनीकों से विविध कलाकृतियों का निर्माण किया गया।

**c. फोक फ्यूजन संगीत का विशेष कार्यक्रम:** भोपाल वासियों को पूर्वोत्तरी कार्यक्रम के तीनों दिन पूर्वोत्तर भारत के पांच प्रसिद्ध फोक फ्यूजन म्यूजिक बैंडों को सुनने का रोमांचकारी अनुभव प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में नागालैंड से टेटसीयो सिस्टर्स ने 8 मार्च, 2019 को रिडा एंड द म्यूजिकल फोक्स, मेघालय तथा मो एंड द शूटिंग स्टार्स, असम ने 9 मार्च, 2019 को साम्पा, मणिपुर और सोलमेट एंड द क्लान्समेन, मेघालय के द्वारा 10 मार्च, 2019 को प्रस्तुति दी गयी।

**d. पुस्तक प्रदर्शनी:** इंगारामासं के संदर्भ पुस्तकालय में पूर्वोत्तर भारत पर उपलब्ध पुस्तकों को संयोजित कर 'पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति' शीर्षक से दिनांक 8 से 10 मार्च, 2019 तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

**2.9.13 फोटो वॉक:** द भोपाल कैमरा क्लब, भोपाल द्वारा इंगारामासं के सहयोग से व्यवसायिक और शौकीन फोटोग्राफरों के लिए दिनांक 8 जुलाई, 2018 को फोटो वॉक का आयोजन किया गया।

**2.9.14 इंटर्न्स के साथ संवाद:** मानव विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय से दो और इतिहास विभाग, शिव नाडार विश्वविद्यालय से एक इंटर्न्स के द्वारा इंगारामासं के स्त्रोतों पर कार्य किया गया तथा चार सप्ताह की इंटर्नशिप के दौरान प्राप्त किये गये तथ्यों और सूचनाओं को 'संग्रहालय एवं संस्कृति' शीर्षक से 5 जुलाई, 2018 को प्रस्तुत किया गया।



**2.9.12.8 Celebrating Regional Cultures-Poorvottari:** Three-day long special programme in series of Celebrating Regional Cultures with various components of ethnic food festival, demonstration cum sale of art and crafts, performing art presentations, seminars, etc were also organized under the title Poorvottari. A brief on events is as follows:

**a. Ethnic cuisine of North East India:** Communities from Arunachal Pradesh, Sikkim, Assam, Manipur and Tripura prepared traditional food items of their respective states and served to museum visitors for three days. To represent Madhya Pradesh artists from the Bhil tribe also prepared their food.

**b. Artist Workshop and Demonstration:** Traditional artists from Manipur, Assam, Nagaland, Sikkim, and Tripura prepared various artifacts using indigenous techniques.

**c. Special Programme of Folk Fusion Music:** Three consequent days of Poorvottari offered a lot of excitement to the audience of Bhopal as they had an opportunity to listen to five famous folk fusion musical bands from North East India. Tetseo Sisters from Nagaland gave a presentation on 8th March, 2019 whereas Rida and the Musical Folks, Meghalaya and Mo and the Shooting Stars, Assam on 9th March, 2019, Sampaa, Manipur and the Soulmate and the Clansmen, Meghalaya performed on 10th March, 2019.

**d. Book Exhibition:** An exhibition of books available in Sandarbh- the library of IGRMS entitled 'Cultures of North East India' was also mounted from 8<sup>th</sup> to 10<sup>th</sup> March, 2019.

**2.9.13 Photo walk:** The Bhopal Camera Club, Bhopal in collaboration with IGRMS organized a photo walk on 8<sup>th</sup> July, 2018 for professional and amateur photographers.

**2.9.14 Interaction with Interns:** Two interns from the Department of Anthropology, Punjab University and one from Department of History, Shiv Nadar University had worked on the resources of the IGRMS and presented the facts and information collected during the course of 4 weeks of Internship under the title 'Museum and Culture' on 5<sup>th</sup> July, 2018.





A - कला शिल्पों का प्रदर्शन-सह-विक्रय । / Demonstration-cum-sale of art and crafts.

B - पूर्वोत्तर भारत का पारंपरिक भोजन । / Ethnic cuisine of North East India.

C - इंगारामास के संदर्भ पुस्तकालय में पूर्वोत्तर भारत पर उपलब्ध पुस्तकों पर आयोजित प्रदर्शनी । / An exhibition of books on North-East India available in Sandarbha - the library of IGRMS

D - नागालैंड से टेत्सो सिस्टरर्स द्वारा फोक फ्यूजन म्यूजिक कार्यक्रम की प्रस्तुति । / Performance of folk fusion music by Tetseo Sisters from Nagaland.

## 2.9.15 विशेष दौरा:

**2.9.15.1** श्रीमती सुमित्रा महाजन, लोकसभा अध्यक्ष, श्री हेमंत गुप्ता, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, मध्य प्रदेश, प्रो. एन. श्रीधरन, निदेशक योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल, सुश्री जेनिफर लार्सन, कार्यकारी काउंसल जनरल, अमेरिकन कॉन्सुलेट, मुंबई, लेफ्टिनेंट जनरल दीवान रविन्द्रनाथ सोनी, पी. व्ही.एस.एम., व्ही.एस.एम., ए.डी.सी., जनरल ऑफिसर, दक्षिणी कमांड, भारतीय सेना, श्री फिलिप मैगिड, कार्यकारी निदेशक, बंगारा डांस थियेटर, आस्ट्रेलिया और सुश्री हेमा सिंह रैन्स, प्रबंधक, कल्चर एंड पब्लिक डिप्लोमेसी, आस्ट्रेलियन उच्च आयोग, नई दिल्ली, सुश्री दीपिका पोखरना, निदेशक, वित्त, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, श्री अरुण गुप्ता, निदेशक आई. एफ. डी., पी एंड बी, ऑडिट मैटर्स, पूर्वोत्तर मामले का अतिरिक्त प्रभार, संस्कृति मंत्रालय, श्री आवुला गोवर्धन, अध्यक्ष, केन्द्रीय न्यूनतम मजदूरी सलाहकार बोर्ड, रोजगार एवं श्रम मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो. दीपक रंजन मंडल, कुलपति, सिद्धो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल और श्रीमती शर्मिला गुप्ता, क्यूरेटर, उत्तर दिनाजपुर जिला संग्रहालय, पश्चिम बंगाल,

## 2.9.15 Special visits

**2.9.15.1** Smt. Sumitra Mahajan, Speaker of Lok Sabha, Chief Justice Shri Hemant Gupta, High Court of Madhya Pradesh, Prof. N. Sridharan, Director, School of Planning and Architecture, Bhopal, Ms. Jennifer Larson, Acting Consul General, American consulate, Mumbai, Lieutenant General Dewan Rabindranath Soni, PVSM, VSM, ADC, General Officer, Southern Command, Indian Army, Mr. Philippe Magid, Executive Director, Bangara Dance Theatre, Australia and Ms. Hema Singh Rance, Manager, Cultural, and Public Diplomacy, Australian High Commission, New Delhi, Ms. Deepika Pokharna, Director of Finance, Ministry of Culture, Govt. of India, Shri Arun Gupta, Director- IFD, P&B, Audit Matters with Additional Charge: North East Matters, Ministry of Culture, Shri Aavula Goverdhan, Chairman, Central Minimum Wages Advisory Board, Ministry of Labour and Employment, Government of India, Prof. Dipak Ranjan Mandal, Vice-Chancellor, Sidho-Kanho Birsha University, Purulia, West Bengal, and Smt. Sharmila Gupta, Curator, Uttar Dinajpur District Museum, West Bengal.

श्री के. बालामुरुगन, आई.आर.एस. चुनाव पर्यवेक्षक (व्यय) और डॉ. के. एच. कुलकर्णी, आई.ए.एस., चुनाव पर्यवेक्षक, डॉ. गुरुप्रसाद महापात्रा आई.ए.एस., अध्यक्ष, हवाई अड्डा प्राधिकरण के द्वारा अलग-अलग समय पर संग्रहालय भ्रमण किया गया।

**2.9.15.2** पुरातत्व विभाग, कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम एवं यूनाइटेड वर्ल्ड इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद के छात्र-छात्राओं; नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल से 101 वीं सयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के 87 प्रशिक्षु अधिकारी; इंडिया फाउंडेशन फार द आर्ट्स, बेंगलूर के 30 कला शिक्षक; आर्मी स्कूल भोपाल के छात्र, सिविल एवं एलाइड सेवा के 80 अधिकारी; आई.आई.एफ.एम. भोपाल के सोसायटी एवं पॉलीटी संकाय के छात्र, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, ओडिशा शासन के जनजातीय संग्रहालय के यंग म्यूजियम प्रोफेशनल और अधिकारी, इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, नार्थ ईस्ट हिल यूनिवर्सिटी, शिलॉंग के 20 छात्र एवं 2 फैकल्टी सदस्य, पूर्वोत्तर भारत, बांग्लादेश एवं श्रीलंका के 30 प्रतिनिधियों ने इंगारामास का भ्रमण किया।

**2.9.16 अन्य संग्रहालयों को सहयोग:** 1857 से 1947 के बीच भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातियों के योगदान को स्वीकार करने के उद्देश्य से, भारत सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में संग्रहालयों की स्थापना कर रही है। इस सिलसिले में श्री वी. सर्वेश्वर रेड्डी, निदेशक, श्री पी. कल्याण रेड्डी, संयुक्त निदेशक, डॉ. डी. सत्यनारायण, संग्रहालय क्यूरेटर, आदिवासी अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना से और श्री एन. मुरली कृष्ण, सुपरीन्टेन्डिंग इंजीनियर, ट्राइबल वेलफेयर, ने 30 मार्च, 2019 को इंगारामास का दौरा किया और आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय की अवधारणा के बारे में इंगारामास के निदेशक और क्यूरेटोरियल स्टाफ के साथ चर्चा की।



A - श्रीमती सुमित्रा महाजन, लोकसभा अध्यक्ष द्वारा संग्रहालय का भ्रमण । / Smt. Sumitra Mahajan, Speaker of Lok Sabha visited the Museum.

B - आदिवासी अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना के एक दल ने संग्रहालय का भ्रमण किया । / A team from Tribal Research Institute, Hyderabad, Telangana visited the museum.



आपरेशन साल्वेज उपयोजना का उद्देश्य मूर्त एवं अमूर्त संस्कृतियों के विलुप्त प्रायः पक्षों को संरक्षित करना है। संग्रहालय विगत कई वर्षों से संकलन एवं प्रलेखन के माध्यम से जीवन अभिवृद्धि कारक परंपराओं के विविध पक्षों को संरक्षित करने का सुनियोजित प्रयास कर रहा है। अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम और गतिविधियाँ क्रियान्वित की गयीं:

**3.1 संकलन के द्वारा साल्वेज:** अवधि के दौरान अरुणाचल प्रदेश के आदि, न्यीसी, नोक्टे, खाम्टी, तागिन, नागालैण्ड की रेंग्मा नागा, चाखेसांग नागा, कोन्याक नागा, संगताम नागा, चांग नागा, अंगामी नागा, जेलियांग नागा, लोथा, मेघालय की गारो, खासी, जयन्तिया और असम की सिंगफो, ताई खाम्टी, ताईफेक, असमिया, मिशिंग और लोक समुदाय ओडिशा की कोंध, जोंगरिया, कोंध और लांजिया सौरा, लद्दाख की चीलिंग, बोट, चांग्पा, मुस्लिम, लोक समुदाय, केरल का लोक समुदाय, त्रिपुरा की त्रिपुरी और लोक समुदाय और मणिपुर की मरिंग, थंगाल नागा, मैतेई जैसे विभिन्न संजातीय समुदायों से कुल मिलाकर 530 एथनोग्राफिक प्रादर्शों को संग्रह कर आरोहित किया गया।

**3.2 प्रलेखन के द्वारा साल्वेज:** प्रलेखन के माध्यम से साल्वेज के एक भाग के रूप में 2018 –19 के दौरान निम्नलिखित प्रलेखन किये गये:

**3.2.1 रेह त्यौहार का प्रलेखन:** संग्रहालय के अधिकारियों के एक दल ने अरुणाचल प्रदेश के इदु मिशमी जनजाति के रेह सांस्कृतिक त्यौहार का प्रलेखन किया।

**3.2.2 साप्ताहिक बाजारों का प्रलेखन:** संग्रहालय के अधिकारियों के एक दल ने अरुणाचल प्रदेश, मेघालय(खासी, जयन्तिया), मध्य प्रदेश (अनूपपुर, डिंडोरी) और असम के जनजातीय क्षेत्रों में साप्ताहिक बाजारों का छाया, वीडियो एवं लिखित प्रलेखन किया।

**3.3.3 लोसर उत्सव का प्रलेखन:** इंगांरामास ने भोपाल स्थित अपने परिसर में 18 से 23 जनवरी, 2019 तक लद्दाख के लोसर उत्सव का आयोजन किया। ब्रोक्पा समुदाय के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि श्री सोनम सोपारी के नेतृत्व में आठ ब्रोक्पा महिलाओं के एक समूह ने संग्रहालय का दौरा किया और हिमालयी ग्राम मुक्ताकाश प्रदर्शनी में एक प्रादर्श के रूप में स्थापित लद्दाख की पारंपरिक रसोई-चान्सा में लोसर उत्सव से संबंधित विविध अनुष्ठानों को संपादित किया।

**3.3. क्षेत्रकार्य के द्वारा साल्वेज:** वर्ष 2018-19 के दौरान क्षेत्र कार्य के माध्यम से साल्वेज के एक भाग के रूप में वर्ष के दौरान निम्नलिखित क्षेत्र कार्य किये गये:

**3.3.1.** संग्रहालय के दो अधिकारियों ने 16 से 27 अप्रैल, 2018 तक असम में ताई खाम्टी की भौतिक संस्कृति के संग्रह के लिये और मणिपुर में इंगांरामास की पहल के अंतर्गत पीपुल्स म्युजियम, काकचिंग के संस्थापक श्री गौराचंद्र पर संग्रहालय जीवन वृत्त के निर्माण के लिए प्रलेखन किया।

**The sub-scheme Operation Salvage is aimed at salvaging the vanishing aspects of tangible and intangible cultures. The Sagrahalaya is making systematic efforts for salvaging various aspects of life enhancing traditions, by collection and documentation. The following programmes and activities were implemented during the period:**

**3.1 Salvage Through Collection:** During the period altogether 530 ethnographic objects were collected and accessioned from different ethnic communities like Adi, Nyishi, Nocte, Khamti, Tagin of Arunachal Pradesh; Rengma Naga, Chakhesang Naga, Konyak Naga, Sangtam Naga, Chang Naga, Angami Naga, Zeliang Naga, Lotha of Nagaland; Garo, Khasi, Jaintia of Meghalaya; Singpho, Tai Khamti, Tai phek, Assamese, Mishng and Folk population of Assam; Kondha, Dongaria Kondh and Lanjia Saora of Odisha; Chiling, Bot, Changpa, Muslim, folk community of Ladakh, Folk population of Kerala, Tripuri and folk population of Tripura and Maring, Thangal Naga, Meitei of Manipur.

**3.2 Salvage Through Documentation:** As a part of salvage through documentation, following documentation were carried out during the year 2018-19:

**3.2.1 Documentation of Reh festival:** A team of museum officials carried out photo, video and textual documentation of the Reh-cultural festival of the Idu Mishmi tribe of Arunachal Pradesh.

**3.2.2 Documentation of weekly markets:** A team of museum officials carried out photo, video and textual documentation of the weekly markets in the tribal areas of Arunachal Pradesh, Meghalaya (Khasi, Jaintia), Madhya Pradesh (Annupur, Dindori) and Assam.

**3.2.3 Documentation of Losar Festival:** IGRMS organized Losar Festival of Laddakh from 18th to 23rd January, 2019 in its premises at Bhopal. A group of 8 Brokpa women led by Shri Sonam Sopari has visited the museum and performed various rituals related to Losar festival at the Chansa- the traditional kitchen of Laddakh in the Himalayan village open-air exhibition of the museum.

**3.3 Salvage Through Fieldwork:** Following fieldwork and documentation tours were carried out for salvage through fieldwork during the year 2018-19:

**3.3.1** Two museum officials conducted a documentation programme from 16<sup>th</sup> to 27<sup>th</sup> April, 2018 in Assam for collection of the material culture of Tai Khampti and in Manipur under the IGRMS initiative for the production of a museum biography on Shri Gourachandra, the founder of the People's Museum, Kakching.

**3.3.2.** संग्रहालय के एक अधिकारी ने 27 अप्रैल से 10 मई, 2018 तक मेघालय के खासी, जयंतिया और खासी-भोई समुदायों के बीच क्षेत्र कार्य किया। इस दो सप्ताह लंबे क्षेत्र कार्य के दौरान लगभग 60 प्रादर्शों को संकलित किया गया तथा खासी और जयंतिया जनजातियों के विभिन्न पारंपरिक साप्ताहिक बाजारों का प्रलेखन किया गया।

**3.3.3.** संग्रहालय के दो अधिकारियों ने 8 से 24 मई 2018 तक सांस्कृतिक महत्व से संबंधित प्रादर्शों के संग्रह के लिए लेह-लद्दाख क्षेत्र के तुरतुक, बोंगदांग, हुन्डर, डिस्किट, दाह-हानू, स्कुर बुचान और बैमा गावों में क्षेत्र कार्य किया। इस भ्रमण के दौरान चांगपा, ब्रोक्पा और ड्रोक्पा समुदायों से 40 प्रादर्शों का संकलन किया गया।

**3.3.4.** संग्रहालय के दो अधिकारियों ने नालुकेट्टू और मछुआरों के गाँव की मरम्मत के लिये नारियल के पत्तों के संग्रह के लिए 16 से 23 मई, 2018 तक केरल के पट्टानम, कयामकुलम और कोल्लम क्षेत्रों का दौरा किया।

**3.3.5.** संग्रहालय के एक अधिकारी ने स्थानीय समुदायों से सांस्कृतिक प्रासंगिकता की प्रादर्शों के संग्रह के लिए 16 से 21 मई, 2018 तक हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति क्षेत्र में क्षेत्र कार्य किया।

**3.3.6.** संग्रहालय के तीन अधिकारियों ने 22 से 30 सितम्बर, 2018 तक असम के तिनसुकिया जिला के मार्धेरिट्टा, लेखपानी, डिम्बोई और लेडो क्षेत्र में क्षेत्र कार्य किया। इस दौरान कुल 50 प्रादर्शों का संग्रह किया गया।

**3.3.7.** संग्रहालय के एक अधिकारी ने 26 सितंबर, 2018 को मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में लालपुर के जनजातीय साप्ताहिक बाजार का अध्ययन और छाया प्रलेखन किया।

**3.3.8.** इंगां.रा.मासं. के निदेशक प्रो. सरित कुमार चौधुरी के साथ संग्रहालय के एक अधिकारी ने 17 नवम्बर, 2018 को नदी घाटी संस्कृति पर प्रदर्शनी को सुदृढ़ करने के लिए नर्मदा नदी और उसके घाटों के प्रलेखन के लिए क्षेत्र कार्य किया।

**3.3.9.** संग्रहालय क्यूरेटरों की एक टीम ने अरुणाचल प्रदेश के लोअर सियांग जिले के गालों गावों और माजुली, असम में क्षेत्रीय कार्य किया।

**3.3.10.** संग्रहालय क्यूरेटरों की एक टीम ने ओडिशा के रायगड़ा जिले के आदिवासी क्षेत्रों में क्षेत्र कार्य किया।

**3.3.11** संग्रहालय क्यूरेटरों की एक टीम ने अरुणाचल प्रदेश के लोअर सियांग के मागी गाँव और लिकाबाली जिला और असम में माजुली में एक स्थानीय घांस-सोरन, तोको पात एवं बांस लाने के लिये क्षेत्र कार्य किया। इसका उपयोग इंगांरामास में अरुणाचल प्रदेश से आवास प्रादर्शों की मरम्मत के लिये किया जाना है।

**3.3.12** संग्रहालय क्यूरेटरों के एक दल ने संग्रहालय की मुक्ताकाश प्रदर्शनी में गोंड जनजाति के पारंपरिक आवास के पुनर्स्थापन के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए म.प्र. के डिण्डौरी जिले में क्षेत्र कार्य किया।

**3.3.13** संग्रहालय के अधिकारियों के एक दल ने अरुणाचल प्रदेश और असम के आदिवासी क्षेत्रों में सप्ताहिक बाजारों का फोटो, वीडियो और लिखित प्रलेखन किया।

**3.4 संग्रहालय की डिजिटাইजेशन:** इस अवधि के दौरान 2795 प्रादर्शों का जतन सॉफ्टवेयर में डिजिटाइज्ड किया गया।

**3.3.2** A museum official carried out fieldwork among the Khasi, Jaintia and Khasi-'Bhoi'- communities of Meghalaya from 27th April to 10th May, 2018. During this two-week-long fieldwork, around 60 objects were collected and documentation of different traditional weekly markets of Khasi and Jaintia tribes was carried out.

**3.3.3** Two museum officials carried out fieldwork in Turtuk, Bogdang, Hundar, Diskit, Dah-Hanoo, Skur Buchan and Baima villages of Leh-Ladakh region for collection of objects of cultural importance from 8<sup>th</sup> to 24<sup>th</sup> May, 2018. During this visit, 40 objects from Changpa, Brokpa And Drokpa communities were collected.

**3.3.4** Two museum officials visited Pattanam, Kayamkulam and Kollam regions of Kerala from 16<sup>th</sup> to 23<sup>rd</sup> May, 2018 for collection of coconut leaves, for maintenance of exhibit Nalukettu and fishermen village.

**3.3.5** A museum official carried out fieldwork in Lahaul-Spiti region of Himachal Pradesh from 16th to 21<sup>st</sup> May 2018 for the collection of objects of the cultural relevance of local communities.

**3.3.6** Three museum officials conducted fieldwork for collection and documentation at Marghereitta, Lekhapani, Digboi and Ledo region in Tinsukia district of Assam from 22<sup>nd</sup> to 30<sup>th</sup> September, 2018. A total of 50 objects were collected during this fieldwork.

**3.3.7** A museum official conducted a study and photographic documentation of the Lalpur Tribal Weekly Market in the Anuppur district of Madhya Pradesh on 26<sup>th</sup> September, 2018.

**3.3.8** A museum official along with Prof Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS conducted fieldwork for documentation of Narmada River and its Ghats on 17<sup>th</sup> November, 2018 for strengthening exhibition on River Valley Culture.

**3.3.9** A team of museum curators carried out fieldwork in Galo villages of Lower Siang District of Arunachal Pradesh and Majuli, Assam.

**3.3.10** A team of museum curators carried out fieldwork in tribal inhabited regions of Raigada District of Odisha.

**3.3.11** A team of museum curators carried out fieldwork in Magi village of Lower Siang and Likabali District of Arunachal Pradesh and Majuli in Assam for bringing a local grass-Soran, Toko Pat and bamboo for maintenance work of housetype exhibits from Arunachal Pradesh at IGRMS.

**3.3.12** A team of museum curators carried out fieldwork in Dindori district of Madhya Pradesh for collecting information about reinstallation of a traditional dwelling of the Gond tribe in museums open-air exhibition.

**3.3.13** A team of museum officials carried out photo, video and textual documentation of the weekly markets in the tribal areas of Arunachal Pradesh and Assam.

**3.4 Digitization of the museum objects:** During the period 2795 objects were digitized in Jatan software.



इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र मैसूर शहर के केंद्र में ऐतिहासिक इमारत वेलिंगटन हाउस में है। एकीकृत भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और पुनरोद्धार के लिए केंद्र सरकार की पहल पर गहरी दिलचस्पी लेते हुए, कर्नाटक सरकार ने वर्ष 2000 में केंद्र सरकार को दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के लिए प्रतिष्ठित भवन आवंटित किया, जिसने अक्टूबर 2001 से अपनी गतिविधियाँ प्रारम्भ की। वर्ष के दौरान, निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए :

**4.1 माह का प्रादर्श:** इंगारामास की प्रदर्शनी श्रृंखला 'माह का प्रादर्श' दर्शकों को संग्रहालय के अनूठे संकलन से परिचित कराने साथ ही एक प्रादर्श विशेष एवं संबद्ध समुदाय के बारे में विस्तृत सूचना उपलब्ध कराने को उद्देशित है। इस श्रृंखला में प्रति माह संग्रहालय के सुरक्षित संकलन में से एक चयनित प्रादर्श प्रदर्शित किया जाता है। समीक्षावधी के दौरान विभिन्न लोक और जनजातीय समुदायों से संबद्ध एवं संबंधित समुदाय के जीवन और संस्कृति को प्रतिबिम्बित करते निम्नलिखित प्रादर्श प्रदर्शित किये गये:

**4.1.1 चिलाम्बू—** केरल की एक अनुष्ठानिक पुरुष पायल (अप्रैल, 2018)

**4.1.2 बाजोट—** गुजरात का एक अलंकृत पीढ़ा (मई, 2018)

**4.1.3 रेंगमेन लेक—** नागालैंड से मनकों का एक हार (जून, 2018)

**4.1.4 राम—** पश्चिम बंगाल से छाउ नृत्य मुखौटा (जुलाई, 2018)

**4.1.5 फर्शी—** उत्तराखंड से पीतल का एक हुक्का (अगस्त, 2018)

**4.1.6 गणगौर—** उदयपुर राजस्थान से ईश्वर जी और गौरी जी की मूर्ति (सितंबर, 2018)

**4.1.7. गागर—** पंजाब से पीतल का एक जल पात्र (अक्टूबर, 2018)

**4.1.8 नंदी लाकुला दांडा—** उडुपी कर्नाटक से एक भूता आकृति (मार्च, 2019)

**4.2 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम:** करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत संग्रहालय पंजीकृत प्रतिभागियों हेतु प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। विभिन्न सृजनात्मक देशज ज्ञान पद्धतियों के लोक और जनजातीय कलाकार अपने संबंधित शिल्प का प्रशिक्षण देने के लिए आमंत्रित किये जाते हैं। समीक्षा अवधि के दौरान, इंगारामास के दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

The Southern Regional Centre of Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya is in the historic building 'Wellington House' in the heart of Mysore city. Taking keen interest on the Central Government's initiatives for preservation and revitalization of rich cultural traditions of unified India, the Government of Karnataka has allocated the prestigious building to the Central Government, in the year 2000, for setting up the Southern Regional Centre began its activities from October 2001. During the year, the following programmes were held:

**4.1 Exhibit of the month:** Exhibition series of the IGRMS entitled 'Exhibit of the month' intends to make visitors introduced with a unique collection of the Museum as also to provide detail information about a particular object and the community related with. In this series, a selected object from the Museum's reserve collection is displayed every month. During the period under review following objects belonging to various folk and tribal communities and reflecting the cultural life of the respective community had been displayed:

**4.1.1 Chilambu –** A ritual male anklet from Kerala (April, 2018)

**4.1.2 Bajot –** A decorative brass stool from Gujarat (May, 2018).

**4.1.3 Rengmein Leck -** Beads necklace from Nagaland (June, 2018).

**4.1.4 Ram –** Chhau dance mask from West Bengal (July, 2018).

**4.1.5 Farshi –** A bronze hookah from Uttarakhand (August, 2018).

**4.1.6 Gangaur –** Idol of Eshwar Ji and Gauri Ji from Udaipur, Rajasthan (September, 2018).

**1.1.7 Gagar –** A brass water vessel from Punjab (October, 2018).

**4.1.8 Nandi Lakula Danda-** a Bhuta figure from Udupi, Karnataka (March, 2019)

**4.2 Do and Learn Museum Education Programme:** IGRMS organizes demonstration and training programs for registered participants. Folk and tribal artisans of various creative indigenous knowledge systems are invited to impart training of their respective craft. During the period under review, the following programs were organized on in Southern Regional Centre of IGRMS:

**4.2.1 मणिपुर की गुड़िया बनाने की कला:** मणिपुर की गुड़िया बनाने की कला पर एक कार्यशाला का आयोजन 16 से 23 मई, 2018 तक किया गया जिसमें मणिपुर के कलाकार श्री थांगजाम तुलाचंद्र और श्री ओइनाम नीलकंद ने 31 पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

**4.2.2 मणिपुर की ब्लॉक प्रिंटिंग:** मणिपुर के ब्लॉक प्रिंटिंग पर एक कार्यशाला का आयोजन 16 से 23 मई, 2018 तक किया गया जिसमें कलाकार श्री जोलिन कुमार और श्री नोबिन कुमार ने 23 पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।

**4.3 चित्रकला प्रतियोगिता:** 2 अक्टूबर, 2018 को गांधी जयंती के अवसर पर 'स्वच्छ भारत' विषय पर स्कूली बच्चों के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम में दो श्रेणियों— 3री से 6वीं कक्षा और 7वीं से 9वीं कक्षा में विभाजित कुल 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेता छात्रों को पुरस्कार वितरण भी किया गया।

**4.4. सामयिक प्रदर्शनी:** 'नोमैड्स ऑफ इण्डिया' नामक प्रदर्शनी का आयोजन 10 दिसम्बर, 2018 से किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. पी. के. मिश्रा, अध्यक्ष, एंथ्रोपोलॉजिकल एसोसिएशन, मैसूर द्वारा प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामास एवं अन्य दर्शकों की उपस्थिति में किया गया। इस प्रदर्शनी में भारत में घुमंतू समुदायों के जीवन को चित्रित करने के लिए 54 तस्वीरें और 200 प्रादर्शों को प्रदर्शित किया गया।



A,B - मणिपुर की गुड़िया बनाने की कला' पर आधारित करो एवं सीखो शैक्षणिक कार्यक्रम की झलकियाँ। / Glimpses of 'Do and Learn' Museum Education Programme on Doll making art of Manipur.

C - 'नोमैड्स ऑफ इण्डिया' नामक सामयिक प्रदर्शनी की झलकियाँ। / Glimpses of Periodical Exhibition entitled 'Nomads of India'

D - इ.गां.रा.मा.सं. के दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर में आयोजित माह का प्रादर्श का दृश्य। / A view of Exhibit of the Month organised at Southern Regional Centre, Mysore, IGRMS.

**4.2.1 Doll making art of Manipur:** A workshop on doll making art of Manipur was organised from 16<sup>th</sup> to 23<sup>rd</sup> May, 2018 where artists Thangjam Tulachandra and Oinam Nilkand trained the 31 registered participants in the art.

**4.2.2 Block printing of Manipur:** A workshop on block printing of Manipur was organised from 16<sup>th</sup> to 23<sup>rd</sup> May, 2018 where artists Shri Jolin Kumar and Shri Nobin Kumar trained the 23 registered participants.

**4.3 Painting Competition:** A Painting Competition for school children on the occasion of Gandhi Jayanti was conducted on 2<sup>nd</sup> October, 2018 on the theme of 'Swachh Bharat'. Total 100 students divided in two categories, 3<sup>rd</sup> to 6<sup>th</sup> standard and 7<sup>th</sup> to 9<sup>th</sup> standard, participated in this programme. Participating students were also given prizes.

**4.4 Periodical Exhibition:** An exhibition entitled 'Nomads of India' was organised from 10<sup>th</sup> December, 2018 at IGRMS, SRC, Mysore. Prof. P. K. Misra, President, Anthropological Association, Mysore inaugurated this exhibition in presence of Prof Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS and other visitors. 54 photographs and 200 objects were displayed at this exhibition to depict the life of nomadic communities in India







संग्रहालय द्वारा पूर्वोत्तर भारत के राज्यों की परम्पराओं के प्रलेखन एवं पुनरोद्धार पर विशेष महत्व दिया जाता है। वर्ष के दौरान संग्रहालय ने पूर्वोत्तर राज्यों एवं भारत के विभिन्न स्थानों पर विविध कार्यक्रम आयोजित कर अपनी गतिविधियों को सुदृढ़ किया है।

#### 5.1. सामयिक एवं घुमन्तु प्रदर्शनियाँ:

**5.1.1.** इ.गं.रा.मा.सं. के संग्रह से पूर्वोत्तर भारत के हथकरघा वस्त्र परम्पराओं पर एक विशेष प्रदर्शनी 'हथकरघा' का उद्घाटन 8 मार्च, 2019 को इ.गं.रा.मा.सं. के 43वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर किया गया।

#### 5.2 माह का प्रादर्श:

**5.2.1. गरुड़ासन—** असम से पवित्र ग्रंथों की पूजा के लिए एक वेदी। (मई, 2018)

**5.2.2.. लीफान—** मणिपुर से बेंत से निर्मित एक मेज। (जून, 2018)

**5.2.3.. फान—** असम की खामती जनजाति में उपयोग किये जाने वाला बैत और बांस का एक संदूक। (जुलाई, 2018)

**5.2.4. बोगरे—** अरुणाचल प्रदेश के शेरदुकपेन समुदाय का एक पारंपरिक झोला। (नवम्बर, 2018)

#### 5.3. 'करो और सीखो' संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम:

**5.3.1. मणीपुर की गुड़िया निर्माण कला:** मणीपुर की गुड़िया निर्माण कला पर एक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 6 से 13 मई, 2018 तक किया गया। जिसमें मणीपुर के कलाकार श्री ओईनाम नीलकंद एवं श्री थांगजम तुलाचंद्रा के द्वारा 22 पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

**5.3.2. मणीपुर की ठप्पा छपाई कला:** मणीपुर की ठप्पा छपाई कला पर एक कार्यशाला का आयोजन दिनांक 15 से 22 मई, 2018 तक किया गया। जिसमें मणीपुर से आये कलाकार श्री जोलिन कुमार एवं श्री नोबिन कुमार के द्वारा 27 पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

#### 5.4. कलाकार कार्यशाला:

**5.4.1. सृष्टिकथा:** इंगारामासं द्वारा श्रीमंत शंकर देव कलाक्षेत्र सोसायटी, गुवाहाटी के सहयोग से लोक एवं जनजातीय चित्रकारों के देशज दृष्टिकोण पर केन्द्रित 'सृष्टि कथा' नामक एक विशेष कार्यशाला का आयोजन दिनांक 21 से 25 सितम्बर, 2018 तक गुवाहाटी में किया गया। इस कार्यशाला में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, असम एवं गुजरात से लगभग 40 कलाकारों ने भाग लिया।

**5.4.2. पारम्परिक तकनीक उद्यान में प्रदर्शन:** इंगारामासं की पारम्परिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी में स्थापित मणिपुर से संकलित समय मापक यंत्र, लौह तकनीक, जल संचालित ढेकी और चावल पीसने वाले यंत्र के नवीकरण कार्य हेतु मणिपुर के दस कलाकारों द्वारा दिनांक 19 से 27 मार्च, 2019 तक इंगारामासं का दौरा किया गया। इस दल में से मणीपुर के पूर्वी इम्फाल जिले के निंगेल ग्राम के चार महिला कलाकारों द्वारा नमक निर्माण तकनीक की पारम्परिक प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

**The Museum is giving special emphasis on the documentation and revitalization of traditions of North-Eastern states of India. During the year the Museum has strengthened its activities by organizing various programmes in the North-eastern States and at different places in India.**

#### 5.1. Temporary and Travelling Exhibitions:

**5.1.1.** A special exhibition entitled 'Hathkargha' on Handloom Textile Tradition of North East India from the collection of IGRMS was inaugurated on 8th March, 2019 on the occasion of 43<sup>rd</sup> Foundation Day celebration of IGRMS.

#### 5.2. Exhibit of the Month:

**5.2.1. Garudasan –** An altar for the worship of holy scriptures from Assam (May, 2018).

**5.2.2. Leephan –** A table made of cane from Manipur. (June, 2018).

**5.2.3. Phan –** A traditional cane and bamboo receptacle used among the Khampti tribe of Assam. (July, 2018).

**5.2.4. Bogre -** A traditional bag of Sherdukpen community of Arunachal Pradesh (November, 2018).

#### 5.3 'Do and Learn' Museum Education Programme:

**5.3.1. Doll making art of Manipur:** A workshop on Doll making art of Manipur was organized from 6<sup>th</sup> to 13<sup>th</sup> May, 2018 where artists Thangjam Tulachandra and Oinam Nilkand from Manipur imparted training to 22 registered participants.

**5.3.2. Block Printing of Manipur:** A workshop on Block Printing of Manipur was organized from 15<sup>th</sup> to 22<sup>nd</sup> May, 2018 in which artists Shri Jolin Kumar and Shri Nobin Kumar from Manipur gave training to 27 registered participants.

#### 5.4. Artist Workshop:

**5.4.1. Srishti Katha:** IGRMS organized a special Workshop of Folk and Tribal Painters focused on indigenous world view entitled 'Srishti Katha' in collaboration with Shrimanta Sankar Deva Kalakshetra Society, Guwahati from 21st to 25th September, 2018 at Guwahati. Nearly forty artists from Himachal Pradesh, Uttarakhand, Odisha, Madhya Pradesh, Rajasthan, Maharashtra, Assam, and Gujarat took part in this workshop.

**5.4.2. Demonstration in Traditional Technology Park:** Ten artists from Manipur visited IGRMS from 19<sup>th</sup> to 27<sup>th</sup> March, 2019 for renovation work of exhibits of timekeeping device, iron technology, water husking lever and rice grinder collected from Manipur installed at Traditional Technology open-air exhibition. Among the team, four women artists from Ningel village, Imphal East district of Manipur demonstrated the traditional process of salt making technology.

#### 5.5 संगोष्ठियाँ / सम्मेलन / कार्यशालायें:

**5.5.1.** इंगारामासं भोपाल में 'संग्रहालय एवं मानवशास्त्र' विषय पर पूर्वोत्तर राज्यों से मानव विज्ञान विभाग के शिक्षकों, संकाय सदस्यों और संग्रहालयों में कार्यरत व्यक्तियों के लिए दिनांक 3 से 5 फरवरी, 2019 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला संग्रहालय, जोरहाट, श्रीमंत शंकर देव कलाक्षेत्र, गुवाहाटी, डी. एम. कॉलेज, मणिपुर, आर्य विद्यापीठ कॉलेज, गुवाहाटी, जे.एन. कॉलेज, बोको, गर्ल्स कॉलेज, लखीमपुर, असम, सिक्किम विश्वविद्यालय, ढकुआखाना कॉलेज, डीमोरिया कॉलेज, डिब्रु कॉलेज, डिब्रुगढ़, असम और असम इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च फॉर ट्राइबल्स एंड शेड्यूल्ड कास्ट, असम से 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

**5.5.2.** इंगारामासं भोपाल में "संग्रहालय एवं मानवशास्त्र" विषय पर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से मानव विज्ञान के स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं हेतु 6 से 8 फरवरी, 2019 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पूर्वोत्तर भारत के सिक्किम विश्वविद्यालय, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, कॉटन कॉलेज विश्वविद्यालय, डिब्रुगढ़ विश्वविद्यालय, डी. एम. कॉलेज ऑफ साइंस, मणिपुर, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, नेहू, मेघालय और मणिपुर विश्वविद्यालय से 20 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

**5.5.3.** इंगारामासं के द्वारा अरुणाचल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्राइबल स्टडीज, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के सहयोग से दिनांक 11 व 12 फरवरी, 2019 को दोंयमुख, अरुणाचल प्रदेश में 'कल्चरल हेरीटेज ऑफ अरुणाचल प्रदेश' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

**5.5.4.** इंगारामासं के 43वें स्थापना दिवस समारोह के महत्वपूर्ण आयोजन के रूप में दिनांक 8 से 10 मार्च, 2019 तक 'युमन ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया: कान्ट्रीब्युसंस एंड कन्सर्स' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. सुभद्रा मित्रा चन्ना, सदस्य, राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के द्वारा बीज व्याख्यान दिया गया। संगोष्ठी में पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम, नागालैण्ड, अरुणाचल प्रदेश, असम और मणिपुर से आयी महिला अध्येताओं ने पूर्वोत्तर भारत में किये अनुसंधान एवं अनुभव पर आधारित अपने वृहद सूचनापरक शोध पत्र प्रस्तुत किये।

**5.5.5.** इंगारामासं, द्वारा अंग्रेजी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, के सहयोग से 'कल्चरल हेरीटेज ऑफ त्रिपुरा' विषय पर दिनांक 18 व 19 मार्च, 2019 को अगरतला में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रो. वी. एल. धारुरकर, कुलपति, त्रिपुरा विश्वविद्यालय द्वारा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की गयी। प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं द्वारा बीज वक्तव्य दिया गया। संगोष्ठी में काफी संख्या में छात्र, शोधार्थी एवं अध्येता उपस्थित थे।

**5.5.6** इंगारामासं द्वारा के इतिहास विभाग, पछुंगा विश्वविद्यालय कॉलेज, आइजोल के सहयोग से "कल्चरल हेरीटेज ऑफ मिजोरम" विषय पर दिनांक 21 और 22 मार्च, 2019 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आइजोल में किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में प्रो. सजल नाग द्वारा बीज वक्तव्य दिया गया। प्रो. सरित कुमार चौधुरी, निदेशक, इंगारामासं ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

#### 5.5. Seminars/Conferences/Workshops:

**5.5.1** A three-day National Workshop on 'Museum and Anthropology' for university teachers of anthropology and faculties and museum personnel from north-eastern states of India was organized from 3rd to 5th February, 2019 at IGRMS Bhopal. 15 participants from District Museum Jorhat, Srimant Sankar Dev Kalakshetra, Guwahati; D.M. College, Manipur; Arya Vidhyapeeth College, Guwahati; J.N. College Boko; Girls College, Lakhimpur, Assam; Sikkim University; Dhakuakhana College; Dimoria College; Dibru College, Dibrugarh, Assam; and Assam Institute of research for Tribals and scheduled caste, Assam attended this workshop.

**5.5.2** A three-day National Workshop on "Museum and Anthropology" for Post Graduate Students of Anthropology from the north-eastern states of India was organized from 6<sup>th</sup> to 8<sup>th</sup> February, 2019 at IGRMS Bhopal. 20 students from various universities of North-Eastern India viz. Sikkim University, Guwahati University, Cotton College University, Dibrugarh University, D.M. College of Science, Manipur, Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh, NEHU, Meghalaya and Manipur University attended this workshop.

**5.5.3** A 2-day national seminar on 'Cultural Heritage of Arunachal Pradesh' was organized on 11th and 12th February, 2019 at Doimukh in collaboration with Arunachal Pradesh Institute of Tribal Studies, Rajeev Gandhi University, Arunachal Pradesh.

**5.5.4** As an important event of 43<sup>rd</sup> Foundation Day celebration of IGRMS three day national seminar was organised from 8<sup>th</sup> to 10<sup>th</sup> March, 2019 on the topic entitled 'Women of North East India: Contributions and Concerns'. On the occasion Prof. Subhadra Mitra Chanana, Member, RMS Samiti gave the keynote address. Women scholars from Sikkim, Nagaland, Arunachal Pradesh, Assam and Manipur presented very informative papers based on their research and experience in North East India.

**5.5.5.** The IGRMS organized a national seminar on 'Cultural Heritage of Tripura' in collaboration with the Department of English, Tripura University on 18th & 19th March, 2019 at Agartala. Prof. V.L. Dharurkar, Vice-Chancellor, Tripura University presided the inaugural session. Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS presented the Keynote address. The seminar was participated by a large number of students, researchers, and scholars.

**5.5.6** The IGRMS organized a two-day national seminar on the 'Cultural Heritage of Mizoram' on 21st & 22nd March, 2019 at Aizawl in collaboration with the Department of History, Pachhunga University College, Aizawl. In the inaugural session, the Keynote address was delivered by Prof. Sajal Nag. Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director IGRMS also addressed the delegates.



## 5.6 व्यख्यानः

**5.6.1.** अंतर्राष्ट्रीय देशज जन दिवस के अवसर पर दिनांक 9 अगस्त, 2018 को इंगारामास में प्रो. तामो मिबांग, भूतपूर्व कुलपति, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश द्वारा 'राईट्स ऑफ इंडिजिनस पीपुल्स: विथ स्पेशल रिफ्रेंस टू नार्थ-ईस्ट इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

**5.6.2.** इंगारामास के निदेशक प्रो. सरित कुमार चौधुरी के द्वारा दिनांक 22 जनवरी, 2019 को 'अरुणाचल प्रदेश की जनजातियाँ' विषय पर संग्रहालय के शैलकला धरोहर केन्द्र में विशेष व्याख्यान दिया गया। इस व्याख्यान में बड़ी संख्या में योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के छात्र-छात्रायेँ उपस्थित थे जिन्हें अपनी अध्ययन गतिविधियों के अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश के आपातानी घाटी का क्षेत्र अध्ययन करने जाना है। इस अवसर पर योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के निदेशक प्रो. श्रीधरन एवं संकाय के अन्य शिक्षक गण भी उपस्थित थे।

## 5.7 प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियाँ:

**5.7.1. लाई हाराओबा उत्सव-2018 :** संग्रहालय परिसर में एक प्रादर्श के रूप में स्थापित पुनीत वन में पवित्र भूदृश्य के शासक देव को समर्पित मणीपुर के मैतेई समुदाय के वार्षिक उत्सव 'उमंग लाई हाराओबा' को समारोह पूर्वक मनाने के लिये इंगारामास द्वारा एक 5 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 22 से 26 अक्टूबर, 2018 तक किया गया। इस उत्सव हेतु विशेष रूप से मणीपुर से भोपाल आये लोगों द्वारा कई अनुष्ठानों एवं समारोहों जैसे देवताओं की आत्माओं को प्रसन्न करने हेतु दैनिक अनुष्ठान, पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुति एवं लाइकोन संकुल को समृद्ध करने के लिये स्थानीय प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया।

**5.7.2. आमदः** इंगारामास द्वारा अपने परिसर में 'आमद' नामक प्रदर्शनकारी प्रस्तुतियों के एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन 01 और 02 दिसम्बर, 2018 को किया गया। यह कार्यक्रम शीत ऋतु के प्रारम्भ में पारम्परिक एवं पाश्चात्य संगीत के फ्यूजन पर आधारित था जिसमें 01 दिसम्बर, 2018 को मणीपुर से गुरु र्यूबेन मशांगवा तथा दल द्वारा नागा फोक ब्ल्यूज़ एवं 2 दिसम्बर, 2018 को शिलॉग के प्रसिद्ध ब्ल्यूज़ रॉक बैंड सोलमेट द्वारा प्रस्तुति दी गई।

**5.7.3. अखराः** जनजातीय साहित्य महोत्सव - 2018 की एक महत्वपूर्ण गतिविधि के रूप में 'अखरा' नामक प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियों के एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 14 एवं 15 दिसम्बर, 2018 को मणीपुर, मिज़ोरम, अरुणाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश और आंध्र प्रदेश के कलाकारों द्वारा अपने नृत्य स्वरूपों की प्रस्तुतियाँ दी गईं।

## 5.6 Lectures:

**5.6.1** Prof. Tamo Mibang, former Vice-Chancellor, Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh delivered a lecture on 'Rights of Indigenous Peoples: with Special Reference to North-East India' on the occasion of International Day of World's Indigenous People at IGRMS on 9<sup>th</sup> August, 2018.

**5.6.2** Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, IGRMS delivered a special lecture under the title 'Tribes of Arunachal Pradesh' on 22<sup>nd</sup> January, 2019 at the Rock art Heritage Centre of IGRMS. The lecture was attended by a large number of students from the School of Planning and Architecture, Bhopal who are going to pay a field visit to Apatani Valley of Arunachal Pradesh, as part of their curriculum. Prof. Shridharan, Director and faculties of SPA, Bhopal were also present on the occasion.

## 5.7 Performing Art Presentations:

**5.7.1 Lai Haraoba Festival - 2018:** IGRMS organized a 5-day programme celebrating an annual festival of the Meitei community of Manipur devoted to the presiding deities of sacred landscape named 'Umag Lai Haraoba' from 22<sup>nd</sup> to 26<sup>th</sup> October, 2018 at the Sacred Groves installed as an exhibit in the museum premises. Several rituals and ceremonies such as rituals for summoning the souls of deities, daily rituals for appeasement of gods and goddesses, an offering of traditional dances and enriching the laikon complex by plantation of local species were performed by people who specially arrived from Manipur to Bhopal for this festival.

**5.7.2 Aamad:** IGRMS organized a special programme of performing arts presentation entitled 'Aamad' on 1<sup>st</sup> and 2<sup>nd</sup> December, 2018 in its premises. This programme was based on a fusion of traditional and western music resonating at the beginning of winter where Guru Rewben Mashangwa and troupe from Manipur performed Naga folk Blues on 1<sup>st</sup> December, 2018 and the famous Blues Rock band of Shillong, Soulmate performed on 2<sup>nd</sup> December, 2018

**5.7.3. Akhra:** A programmes of performing art presentation under the title 'Akhra' was held as an important event in Tribal Literature Festival - 2018. Performers from Manipur, Mizoram, Arunachal Pradesh, Madhya Pradesh and Andhra Pradesh made a presentation of their dance forms on 14<sup>th</sup> and 15<sup>th</sup> December, 2018.

**5.7.4. पूर्वोत्तर नृत्य उत्सवः** अपनी आउटरीच गतिविधियों के एक भाग के रूप में इंगारामास द्वारा डिस्ट्रिक्ट टूरिज्म प्रमोशन काउंसिल, कोल्लाम, केरल तथा नीलगिरी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड साइन्स, थल्लूर के सहयोग से मणीपुर एवं असम से सांस्कृतिक दलों को आमंत्रित कर 'पूर्वोत्तर नृत्य उत्सव' नामक प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियों की एक शृंखला का आयोजन किया गया। शृंखला का प्रारम्भ 3 जनवरी, 2019 को जटायू अर्थ सेंटर, कोल्लाम से हुआ जहाँ कलाकारों द्वारा पारम्परिक लोक एवं शास्त्रीय नृत्यों की प्रस्तुतियाँ दी गईं। शृंखला की अगली प्रस्तुति नीलगिरी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड साइंस, थल्लूर में 7 और 8 जनवरी को आयोजित की गई। शृंखला का अंत 10 और 11 जनवरी, 2019 को इंगारामास के मैसुरु स्थित दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र में इन्हीं दलों की दो दिवसीय प्रस्तुतियों से हुआ।

**5.7.5. पारंपरिक नृत्यों की प्रस्तुति:** इतिहास विभाग, पाछुंगा यूनिवर्सिटी कॉलेज, आइजोल में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ-साथ इंगारामास द्वारा 21 एवं 22 मार्च, 2019 को प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुतियों के दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पाछुंगा युनिवर्सिटी कॉलेज के चॉखलेई कल्चरल क्लब के कलाकारों द्वारा तथा असम के एक सांस्कृतिक दल द्वारा पारम्परिक नृत्यों की प्रस्तुतियाँ दी गईं।

**5.7.6. फोक फ्यूजन म्यूज़िक का विशेष कार्यक्रमः** संग्रहालय के स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय संस्कृतियों के समारोह के अंतर्गत फोक फ्यूज़न म्यूज़िक पर केंद्रित तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें पूर्वोत्तर भारत से 5 प्रख्यात संगीत बैंडों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 8 मार्च, 2019 को नागालैंड से टेट्सियों सिस्टर्स, 9 मार्च, 2019 को मेघालय से रीडा एंड द म्यूज़िकल फोक्स एवं असम से मो एण्ड द शूटिंग स्टार्स एवं 10 मार्च, 2019 को मणीपुर के सेम्पा एवं मेघालय के सोलमेट एंड द क्लान्समेन द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं।

## 5.8 निःशक्तजनों के लिय विशेष कार्यक्रमः

**5.8.1. संस्कृति मित्रः** असम राज्य संग्रहालय, गुवाहाटी के सहयोग से इंगारामास द्वारा विकलांग बच्चों के लिये 'संस्कृति मित्र' नाम के एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन 25 सितम्बर, 2018 को आयोजित किया गया जिसमें गोवाहाटी के एक गैर लाभकारी संगठन शिशु सारोथी सेन्टर फॉर रिहैबिलिटेशन एण्ड ट्रेनिंग फॉर मल्टीपल डिसेबिलिटीज के बच्चों को पेंटिंग और ड्राइंग गतिविधि के लिये आमंत्रित किया गया था।

**5.7.4. North East Dance Fest:** As part of its outreach activities IGRMS in collaboration with District Tourism Promotion Council, Kollam, Kerala and Nilgiri College of Arts & Science, Thallur organized a series of performing art presentations under the title 'North East Dance Fest' by inviting Cultural troupes from Manipur and Assam. The series began on 3<sup>rd</sup> January, 2019 at Jatayu Earth center, Kollam where artist gave performances of traditional folk and classical dances. The next episode of the series held on 7<sup>th</sup> and 8<sup>th</sup> January, 2019 at the Nilgiri College of Arts and Science, Thallur. The series culminated with two days cultural performances by the same troupes at Southern Regional Centre of IGRMS at Mysuru on 10<sup>th</sup> and 11<sup>th</sup> January, 2019.

**5.7.5. Traditional Dance Presentation:** A two-day programme of performing art presentations was organized by IGRMS on 21<sup>st</sup> and 22<sup>nd</sup> March, 2019 at the Department of History, Pachhunga University College, Aizawl coinciding with a national seminar in which artists of Chhawkhle Cultural Club of Pachhunga University College and a cultural troupe from Assam presented traditional dances.

**5.7.6. Special Programme of Folk Fusion Music:** A three day programme focussed on folk fusion music under the Celebration of Regional Cultures was organised on the occasion of Foundation Day of Museum in which 5 famous musical bands from North East India gave their performances. In this programme Tetseo Sisters from Nagaland gave a presentation on 8<sup>th</sup> March, 2019; whereas Rida and the Musical Folks, Meghalaya and Mo and the Shooting Stars, Assam on 9<sup>th</sup> March, 2019; Sampaa, Manipur and the Soulmate and the Clansmen, Meghalaya performed on 10<sup>th</sup> March, 2019.

## 5.8. Special Programmes for differently-abled person:

**5.8.1. Sanskriti Mitra:** A special programme for differently-abled children entitled 'Sanskriti Mitra' was organized by IGRMS in collaboration with Assam State Museum, Guwahati on 25<sup>th</sup> September, 2018 in which children from Shishu Sarothi Centre for Rehabilitation and Training for Multiple Disabilities, Guwahati - a Non-Profit Organisation were invited for painting and drawing activity.



## 5.9. सांस्कृतिक व्याख्या केंद्र, खोईरेंटाक, मणिपुर की गतिविधियाँ:

इंगां.रा.मा.सं. भोपाल के सांस्कृतिक व्याख्या केन्द्र का उद्घाटन 28 दिसम्बर, 2017 को मणिपुर के चूरचंदपुर जिले में एथनोलॉजिकल संग्रहालय, खोईरेंटाक में किया गया। इस केंद्र की संकल्पना संग्रहालय और समुदाय के संबंधों के संसाधन संजाल का विस्तार करने तथा पूर्वोत्तर भारत और विशेष रूप से मणिपुर राज्य में आउटरीच गतिविधियों का विस्तार करने में इंगांरामासं की युगांतकारी उपलब्धि के रूप में देखी जाती है। एथनोलॉजिकल संग्रहालय, खोईरेंटाक एक ग्रामीण संग्रहालय है जिसमें 1990 के दशक के अंत में मणिपुर में जातीय अशांति के बाद एकत्र किए गए कोम जनजाति के कुछ महत्वपूर्ण संग्रह हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान केन्द्र ने निम्नलिखित गतिविधियों को अंजाम दिया है:

**5.9.1 संडे स्कूल विजिट:** खोईरेंटाक खुमान बैपटिस्ट चर्च के शिक्षकों ने अपने संडे स्कूल के छात्रों के साथ और मणिपुर राज्य संग्रहालय द्वारा आयोजित एक सांस्कृतिक सराहना पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले प्रशिक्षुओं के साथ 5 अगस्त, 2018 को इंगांरामासं की सांस्कृतिक व्याख्या केन्द्र के रूप में कार्य करने वाले एथनोलॉजिकल संग्रहालय का दौरा किया।

**5.9.2 बाल सप्ताह समारोह:** संस्कृति व्याख्या केंद्र में स्कूली बच्चों हेतु आनंदपूर्वक सीखने के लिए 'जॉय ऑफ द टॉय' नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत 14 से 20 नवंबर, 2018 तक स्कूली छात्रों एवं शिक्षकों हेतु गाइडेड टूर आयोजित किये गये।

**5.9.3 मनका आभूषणों पर कलाकार कार्यशाला:** मनका आभूषणों पर 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 24 से 26 मार्च, 2019 तक किया गया। इस कार्यशाला के दौरान चार प्रवीण शिल्पकारों ने मनका-गहनों को बनाने के लिए तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का प्रदर्शन किया। पारंपरिक वस्त्र प्रतीकों को समाहित किये विभिन्न प्रकार के हार, झुमके और कंगन कार्यशाला में तैयार किए गए जिसका उद्देश्य कुशल उद्यमियों से युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करवाना था।

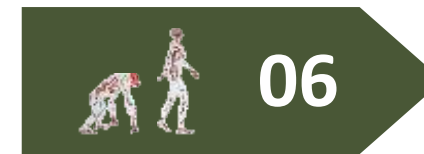
## 5.9. Activities of Cultural Interpretation Centre, Khoirentak, Manipur:

The Cultural Interpretation Centre of the IGRMS, Bhopal was inaugurated on 28<sup>th</sup> December, 2017 at the Ethnological Museum, Khoirentak in Churchandpur District of Manipur. This centre is being perceived as one of the landmark achievements of IGRMS in expanding the resource network of museum and community relationship and the link of outreach activities in the North-eastern states of India especially in the State of Manipur. The Ethnological Museum, Khoirentak is a village museum which houses some important collections of the Kom tribe collected after the ethnic unrest in the late 90's in Manipur. The centre has carried out following activities during the financial year:

**5.9.1 Sunday School Visit:** The Sunday School students along with their teachers of Khoirentak Khuman Baptist Church and trainees participating in a Cultural Appreciation Course organised by the Manipur State Museum visited the Ethnological Museum, Khoirentak, the Cultural Interpretation Centre of the IGRMS on 5<sup>th</sup> August, 2018.

**5.9.2 Children's Week Celebration:** A programme of learning with fun for school children entitled 'Joy of the Toy' was organised at the Cultural Interpretation Centre. Guided tour for school students and teachers were organised from 14<sup>th</sup> to 20<sup>th</sup> November, 2018.

**5.9.3 Artist Workshop on Bead Ornaments:** A 3 days workshop on "Bead Ornaments" was organised from 24<sup>th</sup> to 26<sup>th</sup> March, 2019. During this workshop four master craftspersons demonstrated the technique and traditional wisdom for making bead ornaments. Different types of necklaces, earrings and bracelets bearing the traditional textile symbols were prepared in the workshop which aimed at educating the youths through training from the skilful entrepreneurs.



संग्रहालय के लक्ष्यों की पूर्ति से संबंधित कार्यों जैसे अधोसंरचनात्मक विकास, शैक्षणिक एवं आऊटरीच एवं आपरेशन साल्वेज को करने के लिये क्यूरेटोरियल विंग के अतिरिक्त कई सुविधा इकाईयाँ भी हैं जो उन्हें आबंटित कार्यों को सम्पादित करती है। इसमें संरक्षण, छायांकन, सिने-वीडियो, ग्राफिक कला, बागवानी, मॉडलिंग, संदर्भ पुस्तकालय, जनसंपर्क इकाई, यांत्रिकी, राजभाषा एवं कम्प्यूटर इकाई शामिल है।

### 6.1 संरक्षण इकाई:

संग्रहालय द्वारा एक रसायन संरक्षण इकाई विकसित की गई है जो भारत के विभिन्न जलवायु क्षेत्रों जैसे बर्फ आच्छादित हिमालय से राजस्थान के शुष्क क्षेत्र और उच्च आर्द्र तटीय क्षेत्रों से संकलित प्रादर्यों का संरक्षण कार्य करती हैं। संग्रहालय द्वारा लगभग 28 हजार से अधिक संग्रहालय प्रादर्श अपने सुरक्षित संकलन हेतु अधिग्रहित किये गये हैं। संरक्षण इकाई द्वारा जैव जनित कीड़ों और फफूंद आदि के आक्रमण से रक्षा हेतु स्वयं की सुविधाएँ विकसित की गई है। प्रादर्शों को दवा के छिड़काव, धूमन, रसायनों के लेप एवं दीमक रोधी उपचार द्वारा संरक्षित किया जाता है। अंतरंग प्रदर्शनियों एवं प्रादर्श भंडार में सही आपेक्षिक आर्द्रता को बनाये रखने हेतु सिलिका जेल कणों को प्रयोग किया जाता है। समीक्षा अवधि में इकाई द्वारा कुल 4836 कांसा, लोहा, बेल मेटल, काष्ठ, चमड़ा, बांस, जूट, मिट्टी, घास, एल्यूमीनियम/श्वेत धातु, तांबा, अस्थि, पत्ते, ऊन एवं कपड़े आदि से निर्मित प्रादर्शों की सफाई, संरक्षण परिरक्षण एवं बहाली के कार्य किये गये। इकाई मुक्ताकाश प्रदर्शनियों में प्रदर्शित प्रादर्शों की देखभाल भी करती है। इकाई के सदस्य ने पंजाब विश्वविद्यालय के छात्रों और आदिवासी अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर के कर्मचारियों को एथनोग्राफिक वस्तुओं के संरक्षण, परिरक्षण और पुनरुद्धार विषय पर व्याख्यान दिया। इकाई के सदस्य अन्य गतिविधियों जैसे विशेष व्याख्यान, नुक्कड़ नाटक, परिसर में नियमित 'स्वच्छ भारत अभियान' के आयोजन में भी शामिल रहते हैं।

## सुविधा इकाईयाँ Facility Units

To achieve the targets related to Museum's infrastructural development, Education and Outreach and Operation Salvage other than the curatorial wing, IGRMS has a number of facility units which function for various works identified for them. These include Conservation Unit, Photography Unit, Cine Video Unit, Graphic Art Unit, Horticulture Unit, Modelling Unit, Reference Library, Public Relation Unit, Engineering Unit, Official Language Unit and Computer unit.

### 6.1 Conservation Unit:

The Museum has developed a chemical conservation unit to conserve the structures and objects collected from different climatic zones right from the snow bound Himalayas to arid zone of Rajasthan and highly humid coastal areas of India. Over twenty-eight thousand museum objects have been acquired by Museum in its reserve collection. The conservation unit of the Museum has developed in-house facilities to prevent attack from bio-organisms like insects and fungus etc. The objects are treated by using fumigation, spraying of insecticides, applying rodenticides and by giving anti termite root level treatment etc. Application of silica gel crystals is being carried out to maintain proper relative humidity both at specimen store and indoor exhibitions. During the period under review, the unit carried out cleaning, conservation, preservation and restoration of 4836 objects made of brass, iron, bell metal, wood, leather, bamboo, jute, terracotta, grass, aluminum/white metal, copper, bone, leaf, wool and textiles etc. The unit also looks after the exhibits of open air exhibitions. During the period member of the unit also delivered lecture to students of Punjab University and staff of Tribal Research Institute, Bhubaneswar on Conservation, Preservation and Restoration of Ethnographic Objects. Members of the unit had also been engaged in organisation of activities like special lecture, street shows, regular cleanliness drive in the premises etc. as part of 'Swachha Bharat Abhiyan'.



**6.2 छायांकन इकाई:** वर्ष के दौरान संग्रहालय की छायांकन इकाई ने परिसर में आयोजित सभी गतिविधियों जैसे प्रदर्शनी, कलाकार शिविर, प्रदर्शनकारी कलाओं की प्रस्तुति, सेमिनार, कार्यशाला और अन्य क्षेत्रीय कार्यक्रमों का छाया प्रलेखन किया तथा 25184 डिजिटल फोटो लिये। इकाई ने प्रदर्शनी एवं प्रचार सामग्री हेतु विभिन्न आकार के 229 प्रिंट तैयार किये। इकाई द्वारा विभिन्न घुमंतू एवं सामयिक प्रदर्शनियों के निर्माण में भी सहयोग प्रदान किया व देश के विभिन्न भागों में क्षेत्रीय कार्यक्रमों के प्रलेखन हेतु दौरे भी किये।

**6.3 सिने-वीडियो इकाई:** वर्ष के दौरान संग्रहालय की सिने-वीडियो इकाई द्वारा भोपाल में व भारत के अन्य स्थलों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों जैसे संग्रहालय लोकरुचि व्याख्यान, प्रदर्शनकारी कला कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, कलाकार शिविरों, सेमिनारों, कार्यशालाओं, परिचर्चाओं इत्यादि का दृश्य-श्रव्य प्रलेखन किया। इकाई के सदस्यों द्वारा देश के विभिन्न समुदायों की जीवन शैली के प्रलेखन हेतु कई क्षेत्रीय भ्रमण भी किये गये। इस समयावधि में 277.84 घंटे की श्रव्य-दृश्य रिकॉर्डिंग की गई। इकाई ने संग्रहालय में माह का प्रादर्श श्रृंखला के लिये संपादित वीडिओं प्रदान किये और संग्रहालय में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिए पीए सिस्टम की सेवाएँ प्रदान की।

**6.4 ग्राफिक कला इकाई:** संग्रहालय की ग्राफिक कला इकाई द्वारा कुछ संग्रहालय प्रकाशनों के डिजाइन तैयार किये गये। इकाई के सदस्यों द्वारा सभी कलाकार शिविरों, प्रदर्शनी निर्माण, पेंटिंग/पोस्टर प्रतियोगिता, प्रदर्शनकारी कला प्रस्तुतियों के कार्यक्रम सूचना पट्ट निर्माण, प्रमाणपत्र लेखन, परिसर के सौंदर्यीकरण आदि में सहयोग प्रदान किया गया।

**6.5 बागवानी इकाई:** इकाई द्वारा संग्रहालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फल एवं फूलों का पौधारोपण कार्य निरंतर किया जा रहा है। साथ ही संग्रहालय के विभिन्न क्षेत्रों में लैंडस्केपिंग, बीजारोपण, औषधीय बगीचे का संधारण, घास कटाई, बीज संग्रहण, जैव-कीटनाशक का उत्पादन तथा पुनीत वन की देखभाल भी की जा रही है। इकाई ने कैम्पस में जनजातीय वैद्यों की कार्यशाला के आयोजन में भी सहायता की।

**6.6 प्रतिरूपण इकाई:** संग्रहालय की प्रतिरूपण इकाई विभिन्न प्रदर्शनियों के निर्माण, कलाकार शिविरों, संग्रहालय शैक्षणिक कार्यक्रम 'करो और सीखो' के आयोजन संबंधी कार्यों में सहयोग करती है। इकाई ने विभिन्न चित्रों के प्लास्टर मोल्ड और फाइबर कास्ट तैयार किये और संग्रहालय की दुकान के लिए नई वस्तुओं की प्रतिकृतियाँ भी तैयार की।

**6.2 Photography Unit:** During the year Photography unit of the Museum carried out photo documentation of all in-house activities such as exhibition, artist camps, performing art presentations, seminars, workshops and also other special field events, and took 25184 digital images. The unit also prepared 229 prints of various sizes for exhibitions and various propagation materials. Unit also extended assistance in mounting various travelling and periodical exhibitions and carried out tour for documentation of field events in various parts of country.

**6.3 Cine Video Unit:** During the year the Cine Video unit of the Museum carried out the audio video documentation of various activities and programmes of Museum like, Museum Popular Lectures, Performing Art Presentations, Exhibitions, Artist Camps, Seminars, Workshops, Discussions etc. organised at Bhopal and at other places in India. Members of the unit also made several field visits for video documentation of life ways of different communities of India. Altogether 277.84 hrs of audio-video recording were made during the period. The unit also provided edited videos for exhibit of the month series and services of PA system for various in house programs of the Museum.

**6.4 Graphic Art Unit:** The Graphic Art unit of Museum prepared designs for some of the museum publications. Members of the unit extended assistance in the organisation of all the artist workshops, mounting of exhibitions, painting/poster making competition, programmes of performing art presentations, preparation of signages, writing certificates, campus beautification etc.

**6.5 Horticulture Unit:** The Unit continued plantation of various species of fruits and flowers in the campus and it also undertook landscaping work in different areas of museum, transplanted seedling, maintained medicinal garden, cut the grass, collected seeds, productions of bio-pesticide and maintained the sacred groves plantations. The unit also assisted in organization of Tribal Healers Workshop in the campus.

**6.6 Modelling Unit:** Modelling unit of the Museum attended the works related to mounting of various exhibitions and organisation of artist workshops, 'Do and learn' Museum Education Programmes. It prepared plaster mould and fiber cast of different images and also prepared replicas of new objects for Museum shop.

**6.7 सन्दर्भ पुस्तकालय:** इस वर्ष सन्दर्भ पुस्तकालय में 388 नई पुस्तकें, 250 भारतीय पत्रिकाओं एवं 106 विदेशी पत्रिकाओं के अंक जुड़े हैं। इस समयावधि में पुस्तकें, पत्रिकाएं निर्गमित एवं फोटोकॉपी सुविधा पाठकों को प्रदान की गई। इकाई द्वारा 418 पुस्तकों का वर्गीकरण, 666 पुस्तकों का सूचीकरण, 10067 लेखों का इंडेक्स तैयार किया गया। इकाई द्वारा ई-मेल के माध्यम से नए अधिग्रहण एवं समाचार पत्र कटिंग संबंधी सूचनाएं भी प्रदान की गई। इकाई ने स्थापना दिवस के समय नॉर्थ ईस्ट के साहित्य पर एक पुस्तक प्रदर्शनी भी आयोजित की।

**6.8 जनसंपर्क इकाई:** संग्रहालय की जनसंपर्क इकाई संग्रहालय के कार्यक्रमों और गतिविधियों की सूचनाओं का प्रचार-प्रसार प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से वर्ष भर करती रही। साथ ही एसएमएस एवं ई-मेल के द्वारा आमंत्रण भी भेजे गये। इकाई द्वारा लगभग 291 प्रेस नोट स्थानीय एवं राष्ट्रीय अखबारों में प्रकाशन हेतु तैयार किये गये।

**6.9 यांत्रिकी इकाई:** संग्रहालय परिसर एवं स्टाफ क्वार्टर्स के सिविल, प्लम्बिंग, विद्युत, एवं कारपेंटरी कार्य के सामान्य रखरखाव के अतिरिक्त यांत्रिकी अनुभाग प्रादर्श भंडार तथा नर्मदा नदी पर दीर्घा की छत, माजुली, असम के गेट नं. 2 से संबंधित आर.सी. सी. कार्य, गेस्ट हाउस के सुइट्स का नवीनीकरण, प्लास्टिक स्पीड ब्रेकर्स लगाने आदि में भी संलग्न रहा।

**6.10 राजभाषा इकाई:** संग्रहालय की राजभाषा इकाई ने कर्मचारियों के बीच आधिकारिक कार्यों में हिंदी के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के लिए चार त्रैमासिक कार्यशालाएं और 14 सितम्बर, 2018 और 27 मार्च, 2019 को समीक्षा अवधि में दो वार्तालाप आयोजित किये। राजभाषा प्रभाग, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भी राष्ट्रीय हिंदी कार्यशाला के आयोजन में सहयोग प्रदान किया। एक विशेष कार्यक्रम "हिंदी पखवाड़ा" संग्रहालय स्टॉफ के लिए आयोजित किया, जिसमें कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने संग्रहालय के आधिकारिक कामकाज में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के निरीक्षण के लिए इ.गां.रा.मा.सं. का दौरा किया।

**6.11 कंप्यूटर इकाई:** संग्रहालय की कंप्यूटर इकाई माह का प्रादर्श श्रृंखला के सूचना पैनल प्रदर्शन हेतु तैयार करने में जुटी रही। संग्रहालय की आधिकारिक वेबसाइट <http://igrms.gov.in> का संचालन भी इकाई द्वारा किया जाता है। इंगारामासं. कार्यक्रम संबंधी सूचनाओं एवं वर्चुअल विजिटर्स से संवाद सोशल वेबसाइट्स जैसे फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम एवं यू ट्यूब द्वारा करता है। चालू वर्ष के दौरान 2.5 लाख से अधिक लाइक्स/इमोजी दर्ज किये गये। इकाई सभी अनुभागों के कंप्यूटर रख-रखाव, सेमिनार/व्याख्यान में सहयोग के साथ ही इंटरनेट सुविधा प्रदान करता है। यह दीर्घाओं, प्रादर्शों एवं संग्रहालय संबंधी प्रकाशनों जैसे पोस्टर, लेबल, फोल्डर, लीफलेट, पेनल, प्रमाणपत्र, वार्षिक प्रतिवेदन, न्यूजलेटर आदि के लेआउट और डिजाइन तैयार करता है। अवधि के दौरान कुम्हार पारा मुक्ताकाश प्रदर्शनी के लेआउट डिजाइन और कैटलाग तैयार किये गये।

**6.7 Reference Library:** This year the reference library of the Museum added 388 new books, 250 volumes of Indian and 106 volumes of foreign journals. During the period books/journals were issued and reprographic services were provided to readers. The unit carried out classification of 418 books, cataloging of 666 books, indexing of 10067 articles etc. It is also providing information of new acquisitions and news clippings through email. The unit also organized a book exhibition on Literature of North East during Foundation day.

**6.8 Public Relation Unit:** The public relation unit of the Sangrahalaya has been engaged in imparting and disseminating information about the programmes and activities of the museum through the use of print and electronic media. Invitations were also sent through SMS and email. The unit also prepared around 291 press notes for publication in local and national newspapers.

**6.9 Engineering Unit:** Other than the general maintenance of civil, plumbing, electrical and carpentry works of the Museum premises and staff quarters, the unit had been engaged in replacement of roof of specimen store and gallery on Narmada river, R.C.C. work of exhibit from Majuli, Assam at gate no. 2, renovation of suites of guest house, fixing of plastic speed breakers etc.

**6.10 Official Language Unit:** To popularize the use of the Hindi in official work among the staff the Official Language unit of the Museum organized four quarterly workshops and two colloquiums on 14<sup>th</sup> September, 2018 and 27<sup>th</sup> March, 2019 during the period under review. It also assisted in organizing a national Hindi Workshop by Rajbhasha Prabhat of Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi. A special programme entitled 'Hindi Pakhwada' was organized for the members of staff in which a number of competitive activities were held. An official of Ministry of Home Affairs visited IGRMS for inspection of the implementation of official language policy in the official working of the museum.

**6.11 Computer Unit:** The computer unit of the Museum had been engaged in designing and printing of information panels for exhibits displayed under the series of the exhibit of the month. IGRMS official website <http://igrms.gov.in> is maintained by the unit. IGRMS disseminates its activity information and interacts with virtual visitors via social websites like Facebook, Twitter, Instagram and YouTube. More than 2.5 lac likes/emoji recorded during the current year. Unit provides maintenance service to all the sections, support in seminars/lectures, as well as Internet facilities. It also prepares layouts and designs galleries, exhibits, Museum related publications such as poster, labels, folder, leaflets, panels, certificate, annual reports, newsletter, etc. During the period it has prepared layout and designed catalogue of Kumhar Para open air exhibition.



## लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखे

### Audit Report and Annual Accounts (2018-19)

#### 7.1. वर्ष 2018-19 के लेखे पर लेखा परीक्षा प्रतिवेदन एवं प्रमाण पत्र /

#### Audit Report and Audit Certificate on the accounts for the year 2018-19

#### 7.2. वर्ष 2018-19 के लिए वार्षिक लेखा /

#### Annual Accounts for the year 2018-19



इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वर्ष 31 मार्च, 2019 को समाप्त लेखे पर भारतीय महालेखा परीक्षा एवं नियंत्रण का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के (सेवा के अधिकार, कर्तव्य और शर्तों) के अधिनियम 1971 अनुच्छेद 20 (1) के अंतर्गत इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (इंगारामास) के 31 मार्च, 2019 के अनुसार संलग्न तुलन पत्र उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखे तथा भुगतान एवं पावती लेखे की परीक्षा कर ली है। लेखा परीक्षा का दायित्व वर्ष 2023-24 तक की अवधि हेतु सौंपा गया है। यह वित्तीय ब्यौरे इंगारामास प्रबंधन का दायित्व है। इन वित्तीय ब्योरे पर हमारा दायित्व अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर अभिमत व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन लेखा प्रबंधन के संबंध में केवल वर्गीकरण, श्रेष्ठ लेखा संधारण व्यवहार की सुनिश्चितता, लेखा संधारण प्रतिमान और प्रकटीकरण सिद्धांतों पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों इत्यादि से युक्त हैं। वित्तीय लेनदेन के संदर्भ में कानून, नियम और विनियम (विशेषाधिकार एवं नियमितता) तथा कार्यक्षमता—सह—प्रदर्शन इत्यादि पक्षों यदि कोई है तो उनके परिपालन के संबंध में लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से पृथकतः प्रतिवेदित है।

3. हमने लेखा परीक्षण भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षण प्रतिमानों के अनुसार किया है। इन मानकों की आवश्यकता है कि हम यह विवरण बिना किसी भौतिक मिथ्या कथन के तैयार वित्तीय विवरणों के बारे में उचित विश्वास प्राप्त करने हेतु लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ व करें। एक लेखा परीक्षा में वित्तीय कथन में दी गई राशियाँ तथा खुलासों के समर्थन में साक्ष्यों के परीक्षण के आधार पर जांच सम्मिलित होती है। एक लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा व्यवहार में लाये जाने वाले लेखा संधारण सिद्धांतों का मूल्यांकन और महत्वपूर्ण प्राक्कलनों के साथ ही वित्तीय कथनों के समग्र प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा विश्वास है कि हमारा लेखा परीक्षण हमारे अभिमत के लिए न्याय संगत आधार उपलब्ध कराता है।

4. अपने लेखा परीक्षण के आधार पर हम प्रतिवेदित करते हैं कि :

(i) हमारी यथेष्ट जानकारी और विश्वास के अनुसार हमने लेखा परीक्षा के लिए अभिवांछित सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) प्रतिवेदन में आये तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखा/पावतियों और भुगतान लेखा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्रारूप में तैयार किये गये हैं।

(iii) हमारे अभिमत में इंगारामास द्वारा लेखा बही और अन्य संबंधित दस्तावेज समुचित ढंग से संधारित किये गये हैं। जैसा कि हमारे परीक्षण में आई ऐसी बहियों से प्रतीत होता है।

(iv) हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि :

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the accounts of the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal for the year ended 31 March, 2019.

We have audited the attached Balance Sheet of the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, (IGRMS) Bhopal as at 31 March, 2019, the Income & Expenditure Account and the Receipt & Payment Account for the year ended on that date, under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period upto 2023-24. These financial statements are the responsibility of the IGRMS's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms etc., Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (propriety and Regularity) and efficiency – cum-performance aspects etc. if any are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluation of the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis of our opinion.

4. Based on our audit, we report that :-

(i) We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

(ii) The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and the Receipt & Payment Account dealt with by this report have been drawn up in the format approved by the Ministry of Finance, Government of India.

(iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by the IGRMS, Bhopal in so far as it appears from our examination of such books.

(iv) We further report that :-



क. तुलन पत्र

1. दायित्व  
1.1. वर्तमान दायित्व एवं प्रावधान (अनुसूची-3)-  
रुपये 929.53 लाख.  
इसमें वर्ष के अंत में असमायोजित अग्रिम के रूप में बाकी रुपये 888.96 लाख (कृपया अनुसूची –5बी का संदर्भ ले) शामिल नहीं हैं। सहायता अनुदान से लिये गये असमायोजित अग्रिम को जी आई ए का अव्ययतीत शेष माना जाना चाहिए और इसलिए कॉर्पस/पूंजी कोष के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप वर्तमान दायित्वों और प्रावधानों में रुपये 888.96 लाख का न्यून विवरण तथा इतनी ही राशि का पूंजी कोष में आधिक्य वर्णन हुआ है।

इंगारामासं का उत्तर: इंगारामासं द्वारा सही लेखा प्रविष्टियाँ दी गई है।

1.2. इसमें रुपये 101.95 लाख का अव्ययीत अनुदान साथ ही अनुदान पर ब्याज शामिल नहीं हैं। अव्ययीत अनुदान तथा ब्याजी अनुदान देने वाले का होता है। इसके परिणाम स्वरूप रुपये 101.95 लाख का चालू दायित्वों में न्यून विवरण तथा उतनी ही राशि का पूंजी कोष में आधिक्य वर्णन हुआ है।

इंगारामासं. का उत्तर : निरंतर अनुपाजन किये जा रहे लेखा व्यवहारों के अनुरूप अव्ययीत अनुदान पूंजी कोष में दिखाया गया है।

ख. आय एवं व्यय लेखा  
1 आय  
1.1. अर्जित ब्याज (अनुसूची–10) रुपये 11.06 लाख:  
सा.भ.नि. ब्याज के रुपये 19 लाख के प्रावधान के कारण लेजर लेखा शेष और वार्षिक लेखा (अनुसूची–10) में रुपये 25.72 लाख का अंतर है जो कि आय एवं व्यय लेखा के माध्यम से भेजे जाने की बजाय सा.भ.नि. ब्याज हेतु प्रावधान में सीधे जमा किया गया। साथ ही रुपये 5.21 लाख के एक्यूड ब्याज और स्टाफ को दिये अग्रिम से अर्जित ब्याज (रु.1.51 लाख) को भी लेखा में उपरोक्त अनुसार ही लिया गया है। इसके फलस्वरूप रुपये 25.72 लाख का आय साथ ही साथ व्यय पर (प्रावधान के कारण) न्यून विवरण हुआ।

इंगारामासं. का उत्तर – भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

ग. सामान्य  
सेवा निवृत्ति लाभ हेतु प्रावधान AS-15 में बताये अनुसार एक्चुरियल मूल्यांकन के आधार पर नहीं किया गया है।

इंगारामासं. का उत्तर – भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

लेखा टिप्पणी का प्रभाव:  
उपरोक्त टिप्पणी का कुल प्रभाव यह हुआ कि आय एवं व्यय में क्रमशः रुपये 25.72 लाख का न्यून विवरण हुआ।

A Balance Sheet

A.1. Liabilities  
A.1.1 Current Liabilities and Provisions (Schedule-3)-Rs. 929.53 lakh.  
This does not include Rs 888.96 lakh (Scheduled -5b may please be referred) being remain unadjusted advance at the end of the year. Unadjusted advances meet out from grant-in-aid should be treated as unspent balance of GIA and therefore should not be classified as corpus/capital fund. This resulted in understatement of current Liabilities and Provisions by Rs 888.96 lakh and overstatement of Capital Fund by same amount.

IGRMS Reply: The IGRMS has given correct accounting entries.

A.1.2. This does not include Rs 101.95 lakh being unutilized grants including interest on grants. Unutilized grant and interest belongs to grant giver. This resulted in understatement of Current Liabilities by Rs .101.95 lakh and overstatements of Capital Fund by same amount.

IGRMS Reply: As the consistently followed accounting practice the Unutilised grant is reflected in Capital Fund.

B Income and Expenditure Account  
B.1 Income  
B.1.1 Interest Earned (Schedule-10)-Rs. 11.06 lakh.  
Difference of Rs.25.72 lakh in ledger account balance and annual accounts (Schedule-10) pertains to provision of GPF interest of Rs.19.00 lakh which was directly credited to provision for GPF interest (Shedule-3, Current liabilities and Provision) instead of routed through income and Expenditure Account. Further, accounting treatment of accrued interest of Rs. 5.21 lakh and interest earned on advance to staff (Rs.1.51 lakh) has been done as above. This resulted in understatement of income as well as Expenditure (on account of provision) by Rs.25.72 lakh.

IGRMS Reply: This has noted for future

C. General  
Provision for retirement benefits was not made on the basis of actuarial valuation basis as prescribed in AS-15.

IGRMS Reply: This has noted for future

Effect of audit comments  
The net effect of the above comments is that Income and Expenditure were understated by Rs.25.72 lakh respectively.

घ अनुदान सहायता

वर्ष के दौरान इंगारामासं भोपाल ने रुपये 1718.26 लाख की अनुदान सहायता तथा अनुदान सहायता पर रुपये 4.43 लाख का ब्याज अर्जित किया। इसके अतिरिक्त इसके पास पिछले वर्ष का रुपये 99.00 लाख अव्ययीत शेष था। इस तरह रुपये 1821.69 लाख के कुल उपलब्ध कोष में से वर्ष के अंत में रुपये 101.95 लाख का शेष छोड़कर रुपये 1719.74 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

उपरोक्त के अतिरिक्त इंगारामासं. द्वारा वर्ष के दौरान जनजातीय कार्य मंत्रालय से रुपये 19.10 लाख की अनुदान सहायता प्राप्त की गयी। वर्ष के दौरान यह राशि पूर्ण रूप से उपयोग कर ली गयी।

इंगारामासं. का उत्तर: पुष्टि की गयी।

(v) अपने अवलोकन के सन्दर्भ में हम आगे के अनुच्छेदों में प्रतिवेदित करते है कि इस प्रतिवेदन के सम्बंध में लेखे में आये तुलन पत्र, आय और व्यय लेखे तथा पावतियों और भुगतान लेखा बही की शर्तों के अनुसार हैं।

(vi) हमारे मत में तथा हमारी यथेष्ट जानकारी के अनुसार और हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त वित्तीय ब्यौरे लेखा नीतियों एवं लेखे पर टिप्पणियों तथा ऊपर वर्णित महत्वपूर्ण मामले और इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के अनुलग्नकों में वर्णित अन्य प्रकरणों का एक साथ अध्ययन करने पर भारत में सामान्य स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार एक सत्य और निष्पक्ष छवि की पुष्टि करते हैं।

(क) जहाँ तक इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल के 31 मार्च, 2019 को तुलन पत्र की स्थिति का संबंध है, तथा

(ख) जहाँ तक उस तिथि को समाप्त वर्ष को आय और व्यय लेखे के आधिक्य का सम्बन्ध है।

द्वारा एवं वास्ते भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक.

स्थान—नई दिल्ली  
दिनांक - 10 / 02 / 2020

सही /-  
निदेशक महालेखा परीक्षा  
(सेन्ट्रल रिसीप्ट, नई दिल्ली)

D Grant-In-aid

During the year, IGRMS, Bhopal received grant-in-aid (GIA) of Rs.1718.26 lakh and interest earned of Rs 4.43 lakh on GIA. In addition, it had unspent balance of Rs 99.00 lakh of previous year. Thus out of the total available fund of Rs .1821.69 lakh, an amount of Rs 1719.74 lakh has been utilized leaving a balance of Rs 101.95 lakh at the end of the year.

Apart from the above IGRMS received grant in aid of Rs.19.10 lakh from Ministry of Tribal Affairs during the year. This amount was fully utilized during the year.

IGRMS Reply: Confirmed

(v) Subject to our observations in the preceding paragraphs we report that the Balance Sheet, Income & Expenditure Account and the Receipt and Payment Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

(vi) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting policies and Notes on Accounts and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

(a) In so far as it relates to the Balance Sheet of the state of affairs of the Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal as at 31 march, 2019;and

(b) In so far as it relates to Income & Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of the Comptroller and Auditor General of India.

Place: New Delhi  
Date: 10.02.2020

Sd/-  
Director General of Audit  
(Central Receipt, New Delhi)



अनुलग्नक

1.आंतरिक लेखा परीक्षा व्यवस्था की पर्याप्तता:  
इंगारामासं. भोपाल की वर्ष 2018–19 की आंतरिक लेखा परीक्षा एक चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म के द्वारा सम्पादित की गयी है।  
इंगारामासं. का उत्तर: पुष्टि की गयी।

2. आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था की पर्याप्तता:  
निम्न कारणों से आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था अपर्याप्त पायी गई:  
(I) पूर्व के SAR (2017-18) और प्रबंधन पत्र में दिये गये टीपों के संदर्भ में प्रबंधन का उत्तर प्रभावशाली नहीं है। क्योंकि विभिन्न टिप्पणियों पर प्रबंधन द्वारा उचित सुधारात्मक कदम उठाये जाने बाकी है।  
इंगारामासं. का उत्तर – भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

(ii) कोई लेखा मैनुअल तैयार नहीं किया गया है।  
इंगारामासं. का उत्तर: लेखा मैनुअल तैयार किया जायेगा।

(iii) संग्रहालय द्वारा निवेश करने हेतु कोई भी निति निर्मित नहीं की गयी है। इसका उल्लेख राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति की कार्यकारी परिषद की वित्त समिति की 23 जून, 2017 को हुई 51 वीं बैठक के कार्यवृत्त में भी है।  
इंगारामासं. का उत्तर: निवेश नीति तैयार की जायेगी।

(iv) आडिट पैरा के अनुपालन के संबंध में प्रबंधन का उत्तर प्रभावशाली नहीं है क्योंकि 04 / 1997 से 12 / 2018 तक के 23 पैरा बकाया है।  
इंगारामासं. का उत्तर: विशेष ऑडिट किया गया और 2006–07 से 1 / 18 से 12 / 18 की अवधि के पुराने पैरों की संख्या 23 हो गई है।

(v) विभिन्न लेजर लेखा (उदाहरण के लिये सुरक्षित कोष, सा.भ.नि., डी.सी.आर.जी. कोष आदि) जर्नल रजिस्टर, अन्य सहायक रजिस्टर (सम्पत्ति का रजिस्टर, व्यय नियंत्रण रजिस्टर, चिकित्सकीय दावा व्यय रजिस्टर, कॉनट्रेक्ट्स का रजिस्टर, तथा अनुदान सहायता रजिस्टर, आदि) और ट्रायल बैलेंस आदि को तैयार न किया जाना।  
इंगारामासं. का उत्तर – भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

(vi) पूंजी का रजिस्टर, व्यय नियंत्रण रजिस्टर, चिकित्सा दावा व्यय रजिस्टर, और अनुदान सहायता रजिस्टर संधारित नहीं किये गये है।  
इंगारामासं. का उत्तर: लेखा परीक्षा के निर्देशानुसार सभी रजिस्टर संधारित किये जायेंगे।

(vii) संग्रहालय द्वारा सहायता आदान प्रदान हेतु पृथक बैंक एकाउंट संधारित नहीं किया गया है।  
इंगारामासं. का उत्तर – भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

(viii) लेखा परीक्षा के दौरान लेखा परीक्षा को प्रत्येक बैंकों में किये गये जमा खाता / एफ.डी.आर. खाता आदि द्वारा जारी किये गये बैंक शेष पुष्टि प्रमाण पत्र तथा ब्याज प्रमाण पत्र लेखा परीक्षा को उपलब्ध नहीं कराये गये।  
इंगारामासं. का उत्तर – भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

(ix) पूंजीगत कार्य हेतु दिये गये अग्रिम, यात्रा अग्रिम / अवकाश यात्रा रियायत अग्रिम और गैर शासकीय अग्रिम असमायोजित है। यह अग्रिम बड़ी राशि के है तथा एक लम्बी अवधि से असमायोजित है। इसमें दुरउपयोग / धोखा धड़ी / वसूली न कर पाने का खतरा है।  
इंगारामासं. का उत्तर – भविष्य में ध्यान रखा जायेगा।

(x) लेजर शेष तथा अंतिम वार्षिक लेखा के बीच में महत्वपूर्ण अंतर है अर्थात एकाउंट्स सही तरीके से तैयार नहीं किये गये है।  
इंगारामासं. का उत्तर: लेजर तथा अंतिम वार्षिक एकाउंट्स के बीच कोई अंतर नहीं है।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था:  
स्थायी परिसम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन अपार्याप्त पाया गया क्योंकि स्थायी परिसम्पत्तियों का वर्ष 2017–18 और 2018–19 के दौरान भौतिक सत्यापन नहीं किया गया है।  
इंगारामासं. का उत्तर: पूंजी का भौतिक सत्यापन वर्ष 2019–20 के दौरान कर लिया जायेगा।

4. सूचियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था:  
सूचियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था अपर्याप्त पायी गयी क्योंकि वर्ष 2017–18 के दौरान सूचियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया तथा वर्ष 2018–19 के दौरान 23 अनुभागों / इकाइयों में से केवल 10 के लिये सूचियों का भौतिक सत्यापन किया गया।  
इंगारामासं. का उत्तर: सूचियों का भौतिक सत्यापन वर्ष 2019–20 के दौरान कर लिया जायेगा।

5. वैधानिक बकाया के भुगतान में नियमितता:  
वैधानिक बकायों के भुगतान में कोई अनियमितता नहीं पायी गयी।  
इंगारामासं. का उत्तर: कोई टिप्पणी नहीं।

Annexure

1.Adequacy of Internal Audit System:  
Internal audit of IGRMS, Bhopal for the year 2018-19 was conducted by a chartered accounted firm.  
IGRMS reply: Confirmed

2.Adequacy of Internal Control System:  
Internal control system was found to be inadequate due to:  
(I) The response of the Management towards comments of previous SAR (2017-18) and management letter was not effective as appropriate corrective action on various observations are yet to be taken up by the Management.  
IGRMS Reply: Noted for future

(ii) No accounting manual has been prepared.  
IGRMS Reply: Accounting manual shall be prepared.

(iii) Sangrahalaya has not formulated any policy for carrying out investments. This was also mentioned in the Minutes of the 51<sup>st</sup> Meeting of Finance Committee of Executive Council, Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti held on 23<sup>rd</sup> June 2017.  
IGRMS Reply: Investment policy shall be prepared.

(iv) Response of management towards compliance audit objections was not effective as 23 paras were outstanding pertaining to the period from 04/1997 to 12/2018.  
IGRMS Reply: The special Audit conducted and old paras were reduced to 23 Nos pertaining to period 2006-07 to 1/18 to 12/18

(v) Non maintenance of various ledger accounts (for example Reserve Fund, GPF, DCRG Fund etc.) Journal Register, other subsidiary registers (Register of Assets, Expenditure Control Register, Medical Claim Expenditure Register, Register of Contracts & Grant in Aid Register etc.) and non preparation of Trial Balance etc.  
IGRMS Reply: Noted for future.

(vi) Registers of Assets, Expenditure Control Register, Medical Claim Expenditure Register and Grant-in-aid Register were not being maintained.  
IGRMS Reply: As per instruction of audit all registers shall be maintained

(vii) Separate Bank Accounts for Grants-in-aid transactions was not maintained by Sangrahalaya.  
IGRMS Reply: Noted for future

(viii) Bank Balance Confirmation Certificate and interest certificate issued by respective banks of each Deposit Account/FDR Accounts etc. were not provided to audit during course of audit.  
IGRMS Reply: Noted for future

(ix) There are unadjusted advance on account of Capital Work, TA/LTC advances and advances to non-official . These advances are of significant amount and remained unadjusted for a long time. There is a risk of defalcations/fraud/non recovery  
IGRMS Reply: Noted for future

(x) Significant difference between ledger balance and final annual accounts means accounts are not being prepared properly  
IGRMS Reply: No difference between Ledger and final annual accounts.

3. System of Physical verification of fixed Assets:  
Physical verification of fixed asset is found to be inadequate as physical verification of fixed assets has not been conducted during the year 2017-18 and 2018-19.  
IGRMS Reply: The physical verification of Assets shall be done during the year 2019-20.

4. System of physical verification of Inventories:  
Physical verification of inventories is found to be inadequate as physical verification of Inventories has not been conducted for the year 2017-18 and physical verification of Inventories has been conducted only for 10 out of 23 sections / units during the year 2018-19.  
IGRMS Reply: The physical verification of Assets shall be done during the year 2019-20.

5. Regularity in Payment of statutory dues:  
No irregularity was noticed in the payment of statutory dues.  
IGRMS Reply: No comments.

सही / sd/-

निदेशक / Director

सही /-  
वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी (AMG-II)

सही / sd/-  
निदेशक / Director

Sd/-  
Sr.Audit Officer(AMG-II)

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

1.04.2018 से 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्त एवं व्यय का लेखा

Indira Gandhi Rastriya Manav Sangrahalaya, Bhopal  
Receipt and Payment Account for the Period - 01/04/2018 to 31/03/2019

प्राप्तियाँ Receipts		Amount ( Rs.)
योजना PLAN		
प्रारंभिक शेष 1 / 4 / 2018 को I. OPENING BALANCE AS ON 01/04/2018		
हाथ में नगद Cash in Hand	4,968.00	
बैंक में नगद Cash at Bank	1,69,07,024.77	
Fund in Transit	30,00,000.00	1,99,11,992.77
II. सहायता अनुदान II. GRANT RECEIVED		
संस्कृति विभाग से Department of Culture	17,18,26,000.00	
जनजातीय कार्य मंत्रालय Ministry of Home Affairs	19,10,000.00	17,37,36,000.00
II. ब्याज प्राप्त II. INTEREST RECEIVED		
एफ.डी.आर. पर ब्याज Interest on FDR's	34,61,963.00	
अधिकारियों को अग्रिम पर ब्याज Interest on Advance to Officials	2,16,390.00	36,78,353.00
III. अन्य आय III. OTHER INCOME		
लाइसेंस शुल्क Licence Fee	64,004.00	

भुगतान Payments		Amount ( Rs.)
योजना PLAN		
स्थापना व्यय अ I. ESTABLISHMENT EXP.		
वेतन Salaries	6,24,11,072.00	
भत्ते Allowance	45,63,734.00	
अस्थायी ओहदा मजदूरी Temporary StatusWages	1,93,78,342.00	
वेतन (नई दिल्ली) Salaries(New Delhi)	2,46,488.00	
ईपीएफ में योगदान Employers Contribution to EPF	23,81,342.00	
मजदूरी Wages	2,13,64,138.00	
पेंशन और ग्रेच्युटी Pension & Gratuities	62,96,382.90	
स्टाफ सुविधाएँ Staff Amenities	1,67,532.00	
मजदूरी (मैसूर) Wages (Mysore)	2,57,018.00	11,70,66,048.90
II. प्रशासनिक व्यय II. ADMINISTRATIVE EXP.		
यात्रा व्यय (कार्यालयीन) Travelling Exps. official	38,63,076.00	
यात्रा व्यय (गैर कार्यालयीन) Travelling Exps. Non-officials	5,35,562.95	
कन्वेयन्स चार्ज Conveyance Charges	1,54,624.00	
व्यवसायिक एवं विशेष सेवाएँ Professional & Special Services	1,64,16,623.00	





<div> <div></div> <div> <div></div> <div></div> </div> </div> <div> <div>विविध प्राप्तियों एवं वापसी</div> <div>Misc. Receipts and Refund</div> </div>	8,09,996.00			<div>कार्यालयीन व्यय</div> <div>Office Expenses</div>	14,34,576.00	
<div>INTEREST ON SECURITY DEPOSIT WITH MPEB</div>	41,077.00			<div>कार्यालयीन व्यय (नई दिल्ली)</div> <div>Office Expenses (New Delhi)</div>	54,319.00	
<div>संग्रहालय प्रवेश शुल्क</div> <div>Museum Entry Fees</div>	19,97,411.00	29,12,488.00		<div>कार्यालयीन व्यय (मैसूर)</div> <div>Office Expenses (Mysore)</div>	86,265.00	
				<div>कानूनी प्रभार</div> <div>Legal Charges</div>	22,000.00	
				<div>पोशाक एवं युनिफार्म व्यय</div> <div>Liveries &amp; Uniform Exp.</div>	1,30,000.00	
<div>अन्य आय</div> <div>IV. ANY OTHER RECEIPTS</div>				<div>गाड़ी का रखरखाव</div> <div>Maintenance of Vehicle</div>	1,47,055.90	
				<div>स्टेशनरी एवं फार्म</div> <div>Stationary &amp; Forms</div>	1,26,609.00	
<div>अस्थायी अग्रिम कार्यालयीन</div> <div>Tempory Advance official</div>	8,19,419.00			<div>पेशेवर एवं विशेष सेवा (मैसूर)</div> <div>Prof. &amp; Spl. Services, Mysore</div>	14,44,898.00	
<div>रिहायशी भवन अग्रिम</div> <div>House Building Advance</div>	1,47,048.00			<div>डाक एवं दूरभाष व्यय (मैसूर)</div> <div>Postage &amp; Telephone Exp.(Mysore)</div>	22,211.00	
<div>कम्प्युटर अग्रिम</div> <div>Computer Advance</div>	47,600.00			<div>डाक एवं दूरभाष चार्ज</div> <div>Postage &amp; Telephone charges</div>	5,08,554.00	
<div>संग्रहालय दुकान प्राप्तियों, मैसूर</div> <div>Museum shop receipts, Mysore</div>	1,61,436.00			<div>विद्युत प्रभार</div> <div>Electricity Charges</div>	52,49,506.00	
<div>सावधि जमा</div> <div>Fixed Deposits (FDR)</div>	1,14,65,273.00			<div>स्टेशनरी एवं फार्म (नई दिल्ली)</div> <div>Stationary &amp; Form (New Delhi)</div>	1,721.00	
<div>जीपीएफ GPF</div>	11,06,172.00			<div>एनपीएस NPS</div>	2,80,969.00	
<div>यात्रा रिआयत/एलटीसी अग्रिम</div> <div>TA/LTC Advance</div>	1,01,653.00			<div>डाक एवं दूरभाष व्यय (नई दिल्ली)</div> <div>Postage/Telephone charges (New Delhi)</div>	11,152.00	
<div>स्कूटर अग्रिम</div> <div>Scooter advance</div>	39,400.00			<div>विद्युत प्रभार (मैसूर)</div> <div>Electricity Charges (Mysore)</div>	1,04,193.00	
<div>सूचना का अधिकार अधिनियम शुल्क</div> <div>Right to Information Act fee</div>	100.00			<div>पेट्रोल, ऑयल, डीज़ल</div> <div>Petrol, Oil, Diesel &amp; Lubricant</div>	2,88,175.00	
<div>एमपीईबी द्वारा सुरक्षा जमा की वापसी</div> <div>REFUND OF SECURITY DEPOSIT BY MPEB</div>	47,302.00			<div>पानी प्रभार</div> <div>Water Charges</div>	1,20,196.00	

<div>एसजीएसटी / SGST</div>	100,120.05			<div>बैंक प्रभार / Bank Charges</div>	28,423.65	
<div>सीजीएसटी / CGST</div>	100,120.05			<div>स्टेशनरी एवं फार्म (मैसूर)</div> <div>Stationary &amp; Forms (Mysore)</div>	7,915.00	3,10,38,624.50
<div>अतिरिक्त वसूली</div> <div>Excess Recovery</div>	30,714.00					
<div>अस्थायी अग्रिम गैर-आधिकारिक</div> <div>/ Tempory Advance Non-official</div>	3,600,795.00	1,77,67,152.10		<div>III. MUSEUM EXPENSES</div>		
				<div>रसायन एवं अन्य व्यय</div> <div>Chemical &amp; Other Expenses</div>	2,26,877.00	
				<div>प्रलेखन व्यय</div> <div>Documentation Expenses</div>	16,53,615.00	
				<div>संग्रहालय प्रकाशन व्यय</div> <div>Museum Publication Purchase</div>	6,97,503.00	
				<div>ग्रंथालय व्यय</div> <div>Library Expenses</div>	62,636.00	
				<div>संगोष्ठी कार्यशाला एवं व्याख्यान व्यय</div> <div>Seminar, Workshop &amp; Lecture Expenses</div>	1,61,03,450.90	
				<div>अस्थायी प्रदर्शनी</div> <div>Temporary Exhibition</div>	5,99,403.00	
				<div>जनसुविधाएँ Public Facilities</div>	1,35,313.00	
				<div>बागवानी व्यय</div> <div>Horticulture Expenses</div>	1,46,837.00	
				<div>ग्राफिक कला सामग्री</div> <div>Graphic art materials</div>	33,592.00	
				<div>छाया सामग्री एवं अन्य व्यय</div> <div>Photography Material &amp; Other Expenses</div>	47,099.00	
				<div>फिल्म एवं अन्य मूल्य पर व्यय</div> <div>सीनेवीडियो एवं साउंड</div> <div>Cost of film &amp; other Expenses (Video Cinde &amp; Sound)</div>	81,480.00	
				<div>टेगोर फ़ेलोशिप /</div> <div>Tagore Fellowship</div>	2,00,000.00	
				<div>गेस्ट हाउस का खर्च</div> <div>Guest house expenses</div>	5,07,694.00	
				<div>व्याख्या केंद्र, मणिपुर</div> <div>Interpretation Centre, Manipur</div>	64,710.00	
				<div>संग्रहालय दुकान व्यय</div> <div>Museum Shop Expenses</div>	2,19,215.00	



			शैक्षणिक कार्यक्रम, लोक एवं जनजाति नृत्य Educational Prog. Folk & Tribal Art		
			1. शैक्षणिक कार्यक्रम 1) Education Programme	1,98,218.00	
			मौखिक डेमांस्ट्रेशन, प्रदर्शनी कला 2) Demonstration of Oral Performing Art	82,73,107.90	2,92,50,750.80
			IV. अन्य भुगतान IV. OTHER PAYMENTS		
			उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र से North Central Zonal Cultural Centre	1,10,790.00	
			इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स से India Foundation for the Arts	4,200.00	
			टीडीएस एफडीआर पर ब्याज) TDS on FDR Interest	4,49,240.00	
			चिकित्सा अग्रिम Medical Advance	1,88,500.00	
			डीसीआरजी नीधि / DCRG Fund	44,91,419.00	
			एलआईसी, जीआईएस/ LIC/GIS	500.00	
			आय—कर / Income Tax	87.00	
			सुरक्षा जमा राशि / Security Deposit	50,131.00	
			अवैतनिक / Unpaid	4,968.00	
			अग्रदाय अग्रिम / Imprest Adv.	6,998.00	53,06,833.00
			V. अस्थाई प्रस्तित्थियों एवं निर्माण कार्य की प्रगति पर व्यय V. EXPENDITURE ON FIXED ASSETS & CAPITAL WORK IN PROGRESS		
			अ. रथाई परिसम्पत्तियों A. FIXED ASSETS		
			भवन / Building	17,40,601.00	
			फर्नीचर / Furniture	2,97,381.00	
			ग्रंथालय पत्रिकाएँ Library Journals	6,17,563.00	
			ग्रंथालय पुस्तकें / Library Books	5,59,853.46	
			कार्यालयीन वाहन / Office Vehicle	2,003.00	
			कार्यालय उपकरण Office Equipments	5,58,221.00	

			थीमेटिक प्रदर्श Theatic Specimans	13,45,711.00	
			साईट विकास Development of site	10,93,737.00	
			साईट का विद्युतीकरण Electrification of site	86,140.00	
			ऑपरेशन साल्वेज Operation Salvage	1,81,198.00	
			घुमन्तु प्रदर्शनी Travelling Exhibition	4,33,990.00	
			सिने-वीडियो उपकरण Cine Video Equipments	2,48,390.00	
			प्रलेखन उपकरण Documentation Equipment	20,87,920.00	
			मिट्टी के बर्तन मुक्ताकाश प्रदर्शनी Open Air Exhibition Pottery trail	15,86,546.95	
			प्रादर्श दीर्घा Exhibits Gallery	9,61,862.00	
			पारंपरिक तकनीक मुक्ताकाश प्रदर्शनी / Open Air Exhibition traditional technology	1,10,935.00	
			मुक्ताकाश प्रदर्शनी, तटीय गाँव / Open Air Exhibition Costal Village.	14,77,958.70	
			जनजातिय आवास मुक्ताकाश प्रदर्शनी Open Air Exhibition Tribal Habitat	14,45,413.90	
			शैल कला मुक्ताकाश प्रदर्शनी Open Air Exhibition Rock Art	15,021.00	1,48,50,446.01
			अंतिम शेष 31 / 03 / 2019 को VI. CLOSING BALANCES AS ON 31/03/2019		
			हाथ में नगद / Cash in Hand		
			बैंक में नगद / Cash at Bank	2,04,93,282.66	2,04,93,282.66
		21,80,05,985.87			21,80,05,985.87

उपरोक्त लेखा, लेखे की पुस्तकों से मेल रखता है। / The above balances are in agreement with the books of accounts.

कृते ए. के. सुराना एंड एसोसिएट्स / For A.K. Surana & Associates  
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स / Chartered Accountants

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के लिये  
for Indira Gandhi Rastriya Manav Sangrahalaya.

सही / sd/-  
(विवेक सिंह राजपूत) / ( Vivek Singh Rajput)  
पार्टनर / Partner

सही / sd/-  
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-  
निदेशक / Director



इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल

31 / 03 / 2019 को तुलन पत्र

Indira Gandhi Rastriya Manav Sangrahalaya, Bhopal

Balance Sheet as on 31/03/2019

दायित्व LIABILITIES	लेखा पन्ना SCH.	चालू वर्ष CURRENT YEAR (Amount in Rs)	गत वर्ष PREVIOUS YEAR (Amount in Rs)
पूँजी कोष / CAPITAL FUND	1	38,65,98,586.47	38,38,99,082.67
सुरक्षित फंड / Reserve Fund		72,71,214.00	2,11,20,577.00
निशान फंड / EARMARKED Funds	2	3,21,803.00	4,36,793.00
वर्तमान दायित्व और प्रावधान / CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	9,29,53,288.34	7,45,47,271.00
योग / TOTAL		48,71,44,891.81	48,00,03,723.67
परिसम्पत्तियाँ / ASSETS	SCH	CURRENT YEAR (Amount in Rs)	PREVIOUS YEAR (Amount in Rs.)
स्थायी परिसम्पत्तियाँ / FIXED ASSETS			
योजना / PLAN	14(A)	27,40,09,231.72	26,09,89,065.71
गैर योजना / NON PLAN	14(B)	91,79,174.29	91,79,174.29
अन्य निवेश / INVESTMENT-OTHERS	4	4,70,70,560.24	3,51,00,851.00
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण तथा अग्रिम CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCE	5	15,68,85,925.56	17,47,34,632.67
योग / TOTAL		48,71,44,891.81	48,00,03,723.67

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ, लेखा पर आकस्मिक दायित्व 15

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities and Notes on Accounts 15

उपरोक्त लेखा, लेखे की पुस्तकों से मेल रखता है।

The above balances are in agreement with the books of accounts.

कृते ए. के. सुराना एंड एशोसिएट्स / For A.K. Surana & Associates

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स / Chartered Accountants

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के लिये

for Indira Gandhi Rastriya Manav Sangrahalaya.

सही / sd/-

(विवेक सिंह राजपूत) / (Vivek Singh Rajput)

पार्टनर / Partner

सही / sd/-

लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-

निदेशक / Director

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल Indira Gandhi Rastriya Manav Sangrahalaya, Bhopal

1.04.2018 से 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय व्यय का लेखा Income and Expenditure Account for the Period - 01/04/2018 to 31/03/2019

गत वर्ष Previous Year (Amt. in Rs.)	व्यय / Expenditure	लेखा पन्ना Sch.	चालू वर्ष Current Year (Amt. in Rs.)	Previous Year (Amt. in Rs.)	आय Income	लेखा पन्ना Sch.	Current Year (Amt. in Rs.)
12,49,07,551.00	स्थापना व्यय / TO ESTABLISHMENT EXPENSES	11	12,02,44,166.90	17,53,34,000.00	अनुदान प्राप्त संस्कृति मंत्रालय से BY GRANTS RECEIVED (DEPT OF CULTURE)		17,18,26,000.00
				NIL	रिजर्व फंड से स्थानांतरण BY TRANSFER FROM RESERVE FUND		1,47,00,000.00
3,43,07,964.85	प्रशासनिक व्यय TO ADMINISTRATIVE EXPENSES	12	3,09,70,402.50	4,00,869.00	अनुदान से निर्धारित आय BY EARMARKED FUND INCOME	2	20,24,990.00
1,85,93,771.74	संग्रहालय व्यय TO MUSEUM EXPENSES	13	2,71,79,118.80	6,50,218.26	प्रकाशन से आय / संग्रहालय दुकान BY INCOME FROM PUBLICATION/ MUSEUM SHOP	6	1,61,436.00
16,89,041.00	ह्रास TO DEPRECIATION	14(A)	18,16,267.00	32,62,784.00	अन्य आय BY OTHER INCOME	6A	29,12,588.00
	ह्रास TO DEPRECIATION	14(B)	-	3,08,828.74	प्रकाशन के स्टॉक में वृद्धि / (कमी) BY (INCREASE/DECREASE) IN STOCK OF PUBLICATION	7	6,97,503.00
4,00,869.00	अनुदान से निर्धारित व्यय TO EARMARKED FUND EXPENSES	2	20,24,990.00	23,567.00	संग्रहालय दुकान के स्टॉक में वृद्धि / (कमी) (मैसूरे) BY INCREASE (DECREASE) IN STOCK MUSEUM SHOP (Mysore)	8A	(61,436.00)
25,315.00	समय पर समायोजन TO PRIOR PERIOD ADJUSTMENT		32,09,785.00	55,041.00	स्टॉक में वृद्धि / (कमी) BY INCREASE / DECREASE IN STOCK	9	1,19,215.00
26,43,989.41	आय पर व्यय का अधिक्य TO EXCESS OF INCOME OVER EXPENDITURE		80,41,559.80	25,33,194.00	अर्जित ब्याज / BY INTEREST EARNED	10	11,05,994.00
	शेष में स्थानांतर TRANSFERRED TO BALANCE SHEET						
18,25,68,502.00	कुल Total		19,34,86,290.00	18,25,68,502.00	कुल Total		19,34,86,290.00

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ, लेखा पर आकस्मिक दायित्व / Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities and Note on Accounts 15

उपरोक्त लेखा, लेखे की पुस्तकों से मेल रखता है।

The above balances are in agreement with the books of accounts.

सही / sd/-

(विवेक सिंह राजपूत) / (Vivek Singh Rajput)

पार्टनर / Partner

सही / sd/-

लेखा अधिकारी / Accounts Officer

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स / Chartered Accountants

कृते ए. के. सुराना एंड एशोसिएट्स / For A.K. Surana & Associates

सही / sd/-

निदेशक / Director



अनुसूचि – 1 पूँजी कोष / SCHEDULE -1 (CAPITAL FUND)			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष / CURR.YEAR	गत वर्ष / PREV.YEAR
		राशि रुपये में / (Amt. in Rs.)	राशि रुपये में / (Amt. in Rs.)
1.4.2018 को बकाया	BALANCE ON (01-04-2018)	38,38,99,082.67	38,45,47,789.26
आय और व्यय लेखे में से कुल हस्तांतरित आय व्यय का बकाया जोड़ें / (घटाये)	Add/(Deduct):-Balance of net income/(expenditure) transferred from the Income & Expenditure Accounts	80,41,559.80	26,43,989.41
वर्ष के अंत में बकाया	Balance at the year end	39,19,40,642.47	38,71,91,778.67
घटाएं: सुरक्षित कोष में स्थानांतरित की गई राशि	Less: Amount transferred to Reserve Fund	8,50,637.00	14,35,209.00
घटाएं: डीसीआरजी कोष में स्थानांतरित राशि	Less: Amount transferred to DCRG Fund	44,91,419.00	18,57,487.00
घटाएं: इंगारमासं के 7वें वेतनमान में स्थानांतरित राशि	Less: Amount transferred to IGRMS 7th CPC share		
(अंतिम शेष)	(Closing Balance)31.3.2019	38,65,98,586.47	38,38,99,082.67
कुल	TOTAL	38,65,98,586.47	38,38,99,082.67

अनुसूचि – 2 निर्धारित कोष / SCHEDULE -2 (EARMARKED FUND)						
विवरण / PERTICULARS	FUND WISEBREAK UP				कुल TOTALS	
	यूनेस्को UNESCO	जनजातीय कार्य मंत्रालय Ministry of Tribal Affairs	क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र North Central Zonal Cultural Cenntre	इन्डिया फाउंडेशन फोर द आर्ट्स India Foundation for the Art	चालू वर्ष CURR. YEAR	गत वर्ष PREV. YEAR
A) कोष का प्रारंभिक शेष / Opening Balance of the Fund	2,12,662.00	-	1,10,790.00	1,13,341.00	4,36,793.00	-
B) अतिरिक्त कोष / Additional to the Funds			-	-		-
(I) अनुदान / दान / Grants / Donation		19,10,000.00	-	-	19,10,000.00	-
(ii) कोष के खाते में किये गये निवेश से आय / Income from Investment made on Account of Fund			-	-		-
(iii) अन्य अतिरिक्त / Other Additions						
कुल / TOTAL (A+B)	2,12,662.00	19,10,000.00	1,10,790.00	1,13,341.00	23,46,793.00	-

C) कोष के उद्देश्य की दिशा में व्यय / Utilisation / Expenditure towards objective of Funds						
I) पूँजिगत व्यय / Capital Expenditure						
—अचल संपत्ति / - Fixed Assets						
—अन्य / - Others			-	-	-	-
ii) राजस्व व्यय / Revenue Expenditure						
—वित्त पोषित परि योजना / - On Project Funded Activities		19,10,000.00	1,10,790.00	4,200.00	20,24,990.00	
—वेतन, मजदूरी एवं भत्ते / - On Salary, Wages and Allowances						
—किराया / - Rent						
—अन्य प्रशासनिक व्यय / - Other Administrative Expenses						
कुल/ TOTAL (C)	0.00	19,10,000.00	1,10,790.00	4,200.00	20,24,990.00	
वर्ष के अंत में कुल शेष / Net Balance as at the Year End (A+B-C)	2,12,662.00	0.00	0.00	1,09,141.00	3,21,803.00	4,36,793.00
आय एवं व्यय के उपयोग के बराबर हस्तांतरित राशि / Amount Equivalent to Utilisation Transferred to Income & Expenditure Account	0.00	19,10,000.00	1,10,790.00	4,200.00	20,24,990.00	

सही /sd/-  
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही /sd/-  
निदेशक / Director

अनुसूचि-3 चालू दायित्वों और प्रावधान / SCHEDULE-3 CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS				
विवरण	PATICULARS		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
ए) चालू दायित्व	A) CURRENT LIABILITIES			
1) दायित्व	1) LIABILITIES			
जीवन बीमा /समूह बीमा	LIC / GIC/GIS		60.00	560.00
सा.म.नि.	GPF		2,67,09,045.00	2,38,97,250.00
डीसीआरजी फन्ड	DGRG FUND		4,70,70,560.24	3,51,00,851.00
सीजीएसटी (टीडीएस)	CGST(TDS)		1,00,120.05	-
एसजीएसटी (टीडीएस)	SGST(TDS)		1,00,120.05	-
डीसीआरजी पेयबल	DGRG PAYABLE		12,71,716.00	12,71,716.00
इपीएफ पेयबल	EPF PAYABLE		11,82,600.00	11,82,600.00
शेष भुगतान	UNPAID		-	4,968.00
अन्य पेयबल	OTHER PAYABLE		-	1,89,516.00
2) जमा	2) DEPOSITS			
धरोहर राशि जमा	EARNEST MONEY DEPOSIT		6,08,547.00	6,08,547.00
सुरक्षा जमा	SECURITY DEPOSIT		62,52,357.00	63,02,488.00
अन्य जमा	OTHER DEPOSIT		19,157.00	19,157.00
आधिक्य वसूली / संक्षिप्त भुगतान	EXCESS RECOVERY/Short Payment		1,83,955.00	1,53,241.00
कुल	TOTAL		8,34,98,237.34	6,87,30,894.00
बी) प्रावधान	B) PROVISIONS			
सा.म.नि. ब्याज पर प्रावधान	PROVISION FOR GPF INTEREST		19,00,000.00	17,05,623.00
रुपान्तरन	COMMUTATION		-	7,98,356.00
अवकाश नगदीकरण	LEAVE ENCASHMENT		10,50,000.00	8,00,000.00
लेखा परीक्षा शुल्क	AUDIT FEES		2,05,600.00	3,00,000.00
व्यय	EXPENSES		62,99,451.00	22,12,398.00
कुल (बी)	TOTAL (B)		94,55,051.00	58,16,377.00
कुल (ए+बी)	TOTAL (A+B)		9,29,53,288.34	7,45,47,271.00

अनुसूचि 4 अन्य निवेश गैर योजना / SCHEDULE -4 INVESTMENT - OTHER- NON PLAN				
विवरण	PATICULARS		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
डीसीआरजी फन्ड एलआईसी	DCRG FUND (LIC)		4,70,70,560.24	3,51,00,851.00
कुल योग	TOTAL		4,70,70,560.24	3,51,00,851.00

सही/sd/-  
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही/sd/-  
निदेशक / Director



अनुसूचि 5 वर्तमान परिसम्पत्तियों, ऋण, अग्रिम / SCHEDULE - 5 CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES				
विवरण	PATICULARS		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
ए ) वर्तमान परिसम्पत्तियों	A) CURRENT ASSETS			
हाथ में बकाया नगद	CASH BALANCE IN HAND		-	4,968.00
बैंक में बकाया	BANK BALANCE		2,04,93,282.66	1,69,07,024.77
प्रक्रिया में निधि	FUND IN TRANSIT		-	30,00,000.00
बैंक में फिक्स जमा	FIXED DEPOSITS WITH BANK		3,83,12,662.00	4,97,77,935.00
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK			
अ) संग्रहालय सामान (गैर योजना)	a) MUSEUM GOODS (NON PLAN)		6,56,272.00	5,37,057.00
ब) संग्रहालय प्रकाशन (योजना)	b) MUSEUM PUBLICATIONS (PLAN)		44,58,526.90	37,61,023.90
क) संग्रहालय सामान (योजना)मैसूर	c) MUSEUM GOOD (PLAN)Mysore		35,235.00	96,671.00
सुरक्षा जमा	SECURITY DEPOSITS		2,000.00	2,000.00
एफडीआर ब्याज पर टीडीएस	TDS ON FDR INTREST		13,11,935.00	8,62,695.00
एफ.डी.आर. पर अभिवर्धित ब्याज	ACCURATE INTREST ON FDR		14,61,047.00	19,82,072.00
दूरभाष विभाग में जमा	DEPOSIT TELEPHONE DEPT.		1,63,247.00	1,63,247.00
अ) अन्य जमा	a) OTHER DEPOSIT		7,000.00	7,000.00
ब) म.प्र.वि.म. में सुरक्षा जमा	b) SECURITY DEPOSIT IN MPEB		6,39,903.00	35,76,373.00
कुल (अ)	TOTAL (A)		6,75,41,110.56	8,06,78,066.67
बी) ऋण एवं अग्रिम	B) LOANS AND ADVANCES			
चिकित्सा अग्रिम	MEDICAL ADVANCE		2,38,500.00	50,000.00
यात्रा अग्रिम स्टाफ	TA.ADVANCE (STAFF)		1,97,106.00	298,759.00
प्रादर्श अग्रिम	SPECIMEN ADVANCE		3,600.00	3,600.00
स्कूटर अग्रिम	SCOOTER ADVANCE		59,940.00	99,340.00
निर्माण कार्य अग्रिम	ADV. FOR CIVIL WORK		16,09,300.00	16,09,300.00
कार्यालयीन इम्प्रेस अग्रिम	IMPREST ADVANCE OFFICIAL		10,000.00	3,002.00
अस्थाई अग्रिम (स्टाफ)	TEMP. ADVANCE (STAFF)		57,465.00	8,76,884.00
निर्माण कार्य के लिये अग्रिम	ADVANCE FOR CIVIL WORK		8,12,28,384.00	8,12,28,384.00
मानवशास्त्रीय अग्रिम	ANTHROPOLOGICAL ADV.		95,830.00	95,830.00
कम्प्यूटर अग्रिम	COMPUTER ADVANCE		1,33,300.00	1,80,900.00
रिहायसी भवन अग्रिम	HOUSE BUILDING ADVANCE		4,69,306.00	6,16,354.00
यात्रा अग्रिम गैर कार्यालयीन	TA.ADV. NON OFFICIALS		2,500.00	2,500.00
अस्थाई अग्रिम गैर कार्यालयीन	TEMP.ADV. NON OFFICIALS		47,91,158.00	83,91,953.00
कुल	TOTAL (B)		8,88,96,389.00	9,34,56,806.00
सी) पूर्व भुगतानित व्यय एवं अभिवर्धित आय	C) PREPAID EXPENSES& INCOME ACCRUED		चालू वर्ष CURR.YEAR	गत वर्ष PREV.YEAR
अभिवर्धित ब्याज (एल एवं ए)	ACCRUED INTEREST (L & A)		4,48,426.00	5,99,760.00
कुल (सी)	TOTAL (C)		4,48,426.00	5,99,760.00
कुल (ए+बी+सी)	TOTAL (A+B+C)		15,68,85,925.56	17,47,34,632.67

सही /sd/-  
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-  
निदेशक /Director

अनुसूचि –6: प्रकाशनों / संग्रहालय दुकान से आय / SCHEDULE –6: INCOME FROM PUBLICATIONS/MUSEUM SHOP			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय दुकान से विक्रय (मैसूर)	SALE OF MUSEUM SHOP ( Mysore)	1,61,436.00	2,26,433.00
प्रकाशन से विक्रय	SALE OF PUBLICATION	NIL	1,22,560.26
संग्रहालय दुकान से विक्रय	SALE OF MUSEUM SHOP	NIL	3,01,225.00
योग	TOTAL	1,61,436.00	6,50,218.26
अनुसूचि –6 अ : अन्य आय / SCHEDULE – 6 A: OTHER INCOME			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
अतिथि गृह	GUEST HOUSE	-	1,035.00
संग्रहालय प्रवेश शुल्क	MUSEUM ENTRY FEES	19,97,411.00	20,42,334.00
सूचना का अधिकार अधिनियम शुल्क	RIGHT TO INFORMATION ACT FEES	100.00	250.00
विविध प्राप्तियों	MISC.RECEIPTS	8,09,996.00	9,87,979.00
अनुज्ञा शुल्क	LICENCE FEES	64,004.00	73,805.00
एमपीइबी सुरक्षा पर	INTEREST ON SECURITY DEPOSIT WITH MPEB	41,077.00	-
इनकम टैक्स रिफंड पर ब्याज	INTEREST ON INCOME TAX REFUND	0.00	157,381.00
योग	TOTAL	29,12,588.00	32,62,784.00
अनुसूचि – 7: प्रकाशन स्टॉक में वृद्धि / कमी / SCHEDULE – 7: INCRE./DECR.IN STOCK PUBLICATIONS			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय प्रकाशन	MUSEUM PUBLICATIONS		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	44,58,526.90	37,61,023.90
घटाओ :- प्रारंभिक स्टाक	LESS:- OPENING STOCK	37,61,023.90	34,52,195.16
कुल वृद्धि / कमी	NET INCREASE/(DECREASE)	6,97,503.00	3,08,828.74
अनुसूचि – 8: संग्रहालय दुकान (मैसूर) के स्टॉक में वृद्धि / कमी SCHEDULE – 8: INCRE./DECR.IN STOCK MUSEUM SHOP ( Mysore)			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय प्रकाशन	MUSEUM PUBLICATIONS		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	35,235.00	96,671.00
घटाओ :- प्रारंभिक स्टाक	LESS:- OPENING STOCK	96,671.00	73,104.00
कुल वृद्धि / कमी	NET INCREASE/(DECREASE)	(61,436.00)	23,567.00
अनुसूचि – 9: संग्रहालय दुकान (भोपाल) के स्टॉक में वृद्धि / कमी SCHEDULE –9: INCRE./DECR.IN STOCK MUSEUM SHOP(Bhopal)			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
संग्रहालय सामग्री	MUSEUM GOODS		
अंतिम स्टॉक	CLOSING STOCK	6,56,272.00	5,37,057.00
घटाओ :- प्रारंभिक स्टाक	LESS:- OPENING STOCK	5,37,057.00	4,82,016.00
कुल वृद्धि / कमी	NET INCREASE/(DECREASE)	1,19,215.00	55,041.00
अनुसूचि – 10: अर्जित ब्याज / SCHEDULE -10: INTEREST EARNED			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
बैंक में एफ.डी.आर. पर ब्याज	INTEREST ON FDR	10,40,938.00	24,56,100.00
ऋण / स्टॉफ अग्रिम पर	ON LOANS/ADVANCE TO OFFICIALS	65,056.00	77,094.00
योग	TOTAL	11,05,994.00	25,33,194.00



अनुसूचि – 11 : स्थापना व्यय / SCHEDULE- 11: ESTABLISHMENT EXPENSES			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
वेतन	SALARY	6,24,11,072.00	6,07,55,851.00
भत्ते	ALLOWANCES	45,63,734.00	1,56,81,673.00
अस्थायी ओहदा मजदूरी	TEMPORARY STATUS WAGES	1,93,78,342.00	2,09,31,212.00
इपीएफ–नियोक्ता योगदान	EPF-Employers Contribution	23,81,342.00	17,78,934.00
मजदूरी	WAGES	2,54,09,122.00	1,81,75,971.00
मजदूरी (मैसूर)	WAGES ( Mysore)	2,59,125.00	2,13,078.00
वेतन (नई दिल्ली)	SALARY(New Delhi)	2,46,488.00	2,05,128.00
स्टाफ सुविधाएँ	STAFF AMENITIES	1,67,532.00	1,44,296.00
पेंशन ग्रेच्युटी	PENSION/GRATIUIITY	54,27,409.90	70,21,408.00
योग	TOTAL	12,02,44,166.90	12,49,07,551.00

अनुसूचि – 12: प्रशासनिक व्यय / SCHEDULE – 12: ADMINISTRATIVE EXPENSES			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
यात्रा व्यय(कार्यालयीन)	TRAVELLIAN EXPENSES(OFFICIAL)	38,63,076.00	31,30,652.00
यात्रा भत्ता गैर कार्यालयीन	TRAVELLIANS EXPENSES NON OFFICIAL	5,35,562.95	39,310.00
कार्यालयीन व्यय	OFFICE EXP	14,34,296.00	16,57,733.00
बैंक प्रभार	BANK CHARGES	28,423.65	28,488.85
आवागमन प्रभार	CONVEYANCE CHARGES	1,54,624.00	1,75,920.00
विद्युत प्रभार	ELECTRICITY CHARGES	52,45,423.00	47,90,087.00
विधिक प्रभार	LEGAL CHARGES	22,000.00	302,435.00
गणवेश आदि	LIVERIES & UNIFORMS	1,30,000.00	1,35,000.00
वाहनों का रखरखाव	MAINT. OF VEHICLES	1,42,800.90	2,48,197.00
पेट्रोल, ऑयल, डीजल	PETROL,OIL,DIESEL	2,88,175.00	3,24,049.00
व्यवसायिक एवं विशेष सेवाएँ	PROFESSIONAL & SPECIAL SERVICES	1,63,65,458.00	1,98,49,491.00
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	5,08,554.00	7,06,951.00
स्टेशनरी एवं फार्म्स व्यय	STATIONERY & FORMS EXPS.	1,26,609.00	80,804.00
जल प्रभार	WATER CHARGES	1,20,196.00	1,30,301.00
एनपीएस	NPS	2,80,969.00	4,52,939.00
डीसीआरजी पर ब्याज	INTEREST ON DCRG	-	1,92,877.00
आयकर	INCOME TAX	87.00	-
अस्थायी कार्यालयीन नई दिल्ली	TEMP.OFFICE NEW DELHI		
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	11,152.00	17,344.00
कार्यालयीन व्यय (नई दिल्ली)	OFFICE EXP.NEW DELHI	54,319.00	48,249.00
स्टेशनरी एवं फार्म्स (नई दिल्ली)	STATIONERY & FORMS ( New Delhi)	1,721.00	7,908.00
क्षेत्रीय केंद्र, मैसूर	REGIONAL CENTRE MYSORE		
विद्युत प्रभार	ELECTRIC CHARGES	1,04,535.00	1,11,307.00
कार्यालयीन व्यय	OFFICE EXPENSES	86,265.00	86,119.00
व्यवसायिक एवं विशेष सेवाएँ	PROF. & SPECIAL SERVICES	14,36,030.00	17,58,365.00
डाक / दूरभाष व्यय	POSTAGE/TELEPHONE EXP.	22,211.00	28,856.00
स्टेशनरी एवं फार्म्स व्यय	STATIONERY AND FORMS EXP.	7,915.00	4,582.00
योग	TOTAL	3,09,70,402.50	3,43,07,964.85

सही /sd/-  
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-  
निदेशक/ Director

अनुसूचि – 13: संग्रहालय व्यय / SCHEDULE-13:MUSEUM EXPENSES			
विवरण	PARTICULARS	चालू वर्ष CURRENT YEAR	गत वर्ष PREVIOUS YEAR
प्रलेखन व्यय	DOCUMENTATION EXPENSES	16,53,615.00	2,79,924.00
शैक्षणिक कार्यक्रम	EDUCATIONAL PROGRAMMES	1,98,218.00	1,44,817.00
बगवानी व्यय	HORTICULTURE EXPENSES	1,46,837.00	1,34,117.00
संग्रहालय प्रकाशन क्रय	MUSEUM PUBLICATION PURCHASE	6,97,503.00	4,31,389.00
संग्रहालय दूकान क्रय	MUSEUM SHOP PURCHASE	2,19,215.00	6,06,266.00
प्रदर्शनकारी कलाएँ का प्रलेखन	DEMONSTRATION OF ORAL PERFORMING ART	82,57,264.90	60,79,871.00
छायांकन सामग्री व अन्य व्यय	PHOTOGRAPHY MATERIAL & OTHER EXP.	47,099.00	47,775.00
जन सुविधाएँ	PUBLIC FACILITIES	1,35,313.00	50,915.00
संगोष्ठी, कार्यशाला एवं व्याख्यान	SEMINAR,WORKSHOP & LECTURE	1,40,47,661.90	1,01,28,262.74
अस्थायी प्रदर्शनी	TEMPORARY EXHIBITION	5,99,403.00	4,54,918.00
संरक्षण / रसायन एवं अन्य व्यय	CONSERVATION / CHEMICAL & OHTER EXPENSES	2,26,877.00	1,16,107.00
ग्रंथालय व्यय	LIBRARY EXPENSES	62,636.00	53,290.00
फिल्म का मूल्य एवं अन्य व्यय	COST OF FILM AND OTHER EXPENSES	81,480.00	66,120.00
अतिथि गृह	GUEST HOUSE	5,07,694.00	NIL
व्याख्या केंद्र, मणिपुर	INTERPRETATION CENTRE, MANIPUR	64,710.00	NIL
फेलोशिप व्यय	FELLOWSHIP EXP.	2,00,000.00	NIL
रेखा कला सामग्री	GRAPHICS ART MATERIAL	33,592.00	NIL
	TOTAL	2,71,79,118.80	1,85,93,771.74

सही /sd/-  
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही /sd/-  
निदेशक /Director



अनसूचि 14 क स्थाई परिसम्पत्तियों योजना / SCHEDULE :-14(A) (FIXED ASSETS) PLAN

सकल रोक / GROSS BLOCK			ह्रास / DEPRECIATION				शुद्ध रोक / NET BLOCK		
विवरण / PARTICULARS	वर्ष के शुरू में मूल्य Cost as at beginning of the year (01/04/2016)	वर्ष के दौरान अतिरिक्त Additions during the year (2018-2019)	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष के अंत में मूल्य Cost at the end-year (31/03-2019)	वर्ष के शुरू में Beginning of the year	वर्ष के दौरान जोड़ा Addition during the year	वर्ष के दौरान कमी Deduction during year	वर्ष के अंत में As at the current year (31/03/2019)	वर्ष के अंत में As at the previous year (31/03/2017) Rate of Dep.
भूमि LAND									
A- जनजातीय आवास TRIBAL HABITAT									
A- भूमि का विकास DEVELOPMENT OF LAND	85,13,334.00			85,13,334.00				85,13,334.00	
B- साइट का विकास SITE DEVELOPMENT	2,60,49,701.00	10,93,737.00		2,71,43,438.00				2,71,43,438.00	
BUILDING-मन									
A-BUILDING क-मन	13,43,89,621.00	17,40,601.00		13,61,30,222.00	13,24,93,394.13	2,77,500.00		13,27,70,894.13	10%
सूखें, मशीनरी व उपकरण PLANT,MACHINERY & EQUIP.									
A- उपकरण A- TOOLS	2,10,914.00			2,10,914.00	1,66,870.00	6,607.00		1,73,477.00	15%
B- मशीन उपकरण	242,734.00			242,734.00	242,734.00			242,734.00	15%
C- PHOTOGRAPHY EQUIP.	36,92,585.00			36,92,585.00	36,16,186.00	11,460.00		64,939.00	15%
D- LAB EQUIPMENT	42,457.00			42,457.00	42,457.00			42,457.00	15%
E- CINE-VIDEO EQUIPMENT	2,16,22,374.95	2,48,390.00		2,18,70,764.95	2,08,57,295.54	1,33,391.00		8,80,078.41	15%
F- LIBRARY EQUIPMENT	258,316.00			258,316.00	258,316.00			258,316.00	15%
G- प्रत्यक्ष सामग्री DOCUMENTATION EQUIPMENT	1,42,01,977.00	20,87,920.00		1,62,89,897.00	1,19,19,236.35	5,16,946.00		38,53,714.65	15%
H- अंतरा परदर्शी प्रदर्शी INDOOR EXHIBITION EQUIPMENT	69,04,641.00			69,04,641.00	68,89,836.58	2,221.00		12,583.42	15%
I- बागवानी उपकरण HORTICULTURE EQUIPMENT	3,31,397.00			3,31,397.00	2,30,704.95	15,104.00		85,588.05	15%
J- CERAMIC EQUIPMENT	35,100.00			35,100.00	31,328.05	566.00		3,205.95	15%
K- PHOTOGRAPHY EQUIP(SRC) MYSORE	23,950.00			23,950.00	7,944.31	2,401.00		13,604.69	15%
वाहन VEHICLES									
A- MOTOR VEHICLE	31,83,310.00	2,003.00		31,85,313.00	17,10,775.99	2,21,030.00		12,53,507.01	15%
फर्नीचर व फिक्चर FURNITURE & FIXTURE									
A- FURNITURE	74,94,409.00	2,97,381.00		77,91,790.00	68,35,134.86	82,746.00		8,73,909.15	10%
B- FURNITURE ( New Delhi Off.)	1,71,963.70			1,71,963.70	1,71,963.70			1,71,963.70	10%
कार्यालय उपकरण OFFICE EQUIPMENT									
A- OFFICE EQUIPMENT	1,26,65,541.00	5,58,221.00		1,32,23,762.00	1,18,63,465.75	1,62,806.00		11,97,490.25	15%
B- OFFICE EQUIPMENT ( New Delhi)	254,112.00			254,112.00	254,112.00			254,112.00	15%
C- कार्यालय उपकरण (रिजर्व) MYSORE	63,138.00			63,138.00	24,008.87	5,869.00		33,260.13	15%

सही / sd/-

लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-

निदेशक / Director

कम्प्यूटर /पेरिफेरल्स COMPUTER / PERIPHERALS	1,56,85,542.70			1,56,85,542.70	1,56,85,542.70			1,56,85,542.70	15%
साइट का विद्युतीकरण ELECTRIFICATION OF SITE	1,41,33,816.00	86,140.00		1,42,19,956.00	1,16,79,271.03	3,77,620.00		21,63,064.97	15%
ग्रंथालय पुस्तकें LIBRARY BOOKS									
क - ग्रंथालय पुस्तकें A- LIBRARY BOOKS	1,29,71,858.00	5,59,853.46		1,35,31,711.46				1,35,31,711.46	
ख - ग्रंथालय पत्रिकाएँ B- LIBRARY JOURNALS	1,60,55,280.51	6,17,563.00		1,66,72,843.51				1,66,72,843.51	
ग - जनजातीय साहित्य C- TRIBAL LITERATURE	21,975.00			21,975.00				21,975.00	
पानी की टंकी WATER TANK	17,47,564.00			17,47,564.00				17,47,564.00	
अन्य स्थाई परिसम्पत्तियाँ OTHER FIXED ASSETS									
क - डेड स्टॉक A - DEAD STOCK									
ख - प्रायश्च B - SPECIMEN	98,27,473.00			98,27,473.00				98,27,473.00	
ग - पादचित्रियाँ C- SLIDES	7,61,202.00			7,61,202.00				7,61,202.00	
घ - अंतरा परदर्शीयाँ D- INDOOR EXHIBITION	2,61,31,157.00			2,61,31,157.00				2,61,31,157.00	
च - सभागृहा परदर्शी E - OPEN AIR EXHIBITION	19,04,172.00			19,04,172.00				19,04,172.00	
I- जनजातीय आवास TRIBAL HABITAT	5,76,31,693.00	14,45,413.90		5,90,77,106.90				5,90,77,106.90	
2 - टट्टिया गाँव COASTAL VILLAGE	1,07,31,677.20	1,47,7,958.70		1,22,09,635.90				1,22,09,635.90	
3 - रॉल कला ROCK ART	60,38,333.45	15,021.00		60,53,354.45				60,38,333.45	
4- हिमालयीन गाँव HIMALAYAN VILLAGE	19,09,668.00			19,09,668.00				19,09,668.00	
5- मरु गाँव DESERT VILLAGE	16,93,855.00			16,93,855.00				16,93,855.00	
6 - नदी घाटी RIVER VALLEY	38,38,728.00			38,38,728.00				38,38,728.00	
7 - मंयूर MYSORE	21,18,338.00			21,18,338.00				21,18,338.00	
8 - पारम्परिक तकनीक TRADITIONAL TECHNOLOGY	28,32,579.00	1,10,935.00		29,43,514.00				29,43,514.00	
9 - प्रदर्श - गैलरी EXHIBITS - GALLERY	72,80,010.00	9,61,862.00		82,41,872.00				82,41,872.00	
10 - पोटरी ट्रेल POTTERY TRAIL	33,94,180.00	15,86,546.95		49,80,726.95				49,80,726.95	
छ - ऑपरेशन साल्वेज F - OPERARION SALVAGE ***	56,61,341.00	1,81,198.00		58,42,539.00				58,42,539.00	
ज - मिथक सीधियाँ G - MYHOLOGICAL TRAIL	3,84,457.00			3,84,457.00				3,84,457.00	
न- धार्मिक प्रादर्य H- THEMATIC SPECIMEN	3,47,01,569.00	13,31,698.00		3,60,33,267.00				3,60,33,267.00	
द- मानवशास्त्रीय फिल्म I- ANTHROPOLOGICAL FILM	12,64,132.00			12,64,132.00				12,64,132.00	
क- सफ़्त परदर्शियाँ J- TRAVILLING EXHIBITION	68,97,467.00	4,33,990.00		73,31,457.00				73,31,457.00	
योग प्राप्त रकम TOTAL OF CURRENT YEAR	48,59,69,643.51	1,48,36,433.01		50,08,06,076.52	22,49,80,577.80	18,16,267.00		27,40,09,231.72	26,09,89,065.71



अनुसूचि – 14 ख स्थाई परिसम्पत्तियाँ गैर योजना / SCHEDULE -14 (B) (FIXED ASSETS) NON PLAN										
विवरण PARTICULARS	सकल रोक / GROSS BLOCK			हास / DEPRECIATION				शुद्ध रोक / NET BLOCK		दर पर Rate of * Dep.
	वर्ष के शुरू में मूल्य Cost as at beginning of the year (01/04/2018)	वर्ष के दौरान जोड़ें Additions during the year (2018-2019)	वर्ष के अंत में मूल्य Cost at the end-year (31/03-2019)	वर्ष के शुरू में Beginning of the year	वर्ष के दौरान हटोली Addition during the year	वर्ष के दौरान कटौती Deduction during year	वर्ष (31/03/2018) तक हास Total up to the year (31/03/2019)	वर्ष के शुरू में (31/03/2019) As at the current year (31/03/2019)	वर्ष के अंत में (31/03/2018) तक हास As at the previous year (31/03/2018)	
स्थायी परिसम्पत्तियाँ FIXED ASSETS										
जमीन LAND										
क - भूमि A- LAND	8,35,717.00		8,35,717.00					8,35,717.00	8,35,717.00	
ख - भूमि का विकास B- DEVELOPMENT OF LAND	28,50,920.97		28,50,920.97					28,50,920.97	28,50,920.97	
भवन BUILDING										
क - भवन A-BUILDING	57,38,434.00		57,38,434.00				57,38,434.00		-	10%
संसाधन, मशीनरी और उपकरण PLANT,MACHINERY & EQUIP.										
क - औजार A- TOOLS	2,322.97		2,322.97		2,322.97		2,322.97			15%
ख - फ़िल्ड उपकरण B- FIELD EQUIPMENT	23,876.65		23,876.65		23,876.65		23,876.65			15%
ग-मॉडेलिंग उपकरण C- MODELING EQUIPMENT	36,307.55		36,307.55		36,307.55		36,307.55			15%
घ उपकरण उपकरण D- PHOTOGRAPHY EQUIP.	4,06,393.29		4,06,393.29		4,06,393.29		4,06,393.29			15%
ङ-मुद्रणमाला उपकरण E- LAB EQUIPMENT	1,34,927.80		1,34,927.80		1,34,927.80		1,34,927.80			15%
च-सिने ध्वनि उपकरण F- CINE-SOUND EQUIPMENT	24,41,452.00		24,41,452.00		24,41,452.00		24,41,452.00			15%
ज-गुणालय उपकरण G- LIBRARY EQUIPMENT										
वाहन VEHICLES										
क - मोटर वाहन A- MOTOR VEHICLE	7,49,875.27		7,49,875.27				7,49,875.27			
फर्निचर व फ़िक्चर FURNITURE & FIXTURE										
क - फर्नीचर A- FURNITURE	12,90,869.39		12,90,869.39		12,90,869.39		12,90,869.39			10%
कार्यालय उपकरण OFFICE EQUIPMENT										
क - कार्यालय उपकरण A-OFFICE EQUIPMENT	27,43,648.89		27,43,648.89		27,43,648.89		27,43,648.89			15%
स्थल विकास SITE DEVELOPMENT	17,65,553.00		17,65,553.00					17,65,553.00	17,65,553.00	
कम्प्यूटर, सेफ़्टेक्स COMPUTER / PERIPHERALS	19,50,828.00		19,50,828.00		19,50,828.00		19,50,828.00			60%
ग्रंथालय पुस्तक LIBRARY BOOKS										
क - ग्रंथालय पुस्तक A- LIBRARY BOOKS	18,33,277.39		18,33,277.39					18,33,277.39	18,33,277.39	
ख - ग्रंथालय पत्रिकाएँ B- LIBRARY JOURNALS	3,62,176.45		3,62,176.45					3,62,176.45	3,62,176.45	
अन्य स्थाई परिसम्पत्तियाँ OTHER FIXED ASSETS										
क - डेड स्टॉक A- DEAD STOCK	26,329.24		26,329.24					26,329.24	26,329.24	
ख - प्रदर्शनी B- SPECIMEN	2,90,619.70		2,90,619.70					2,90,619.70	2,90,619.70	
ग - परदर्शनीएँ C- SLIDES										
घ - अंदरूनी प्रदर्शनियाँ D- INDOOR EXHIBITION	1,30,765.00		1,30,765.00					1,30,765.00	1,30,765.00	
ब - ग्रंथालय प्रदर्शनी E- OPEN AIR EXHIBITION										
फ- जनजातीय आवास TRIBAL HABITAT	5,50,002.25		5,50,002.25					550,002.25	550,002.25	
छ - ओपरेशन साल्वेज G- OPERARION SALVAGE	5,33,813.29		5,33,813.29					533,813.29	533,813.29	
योग वास्तु वर्ष TOTAL CURRENT YEAR	2,46,98,110.10		2,46,98,110.10		1,55,18,935.81		1,55,18,935.81	91,79,174.29	91,79,174.29	

सही / sd/-  
निदेशक / Director

सही / sd/-  
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

अनुसूचि: 15: महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ  
SCHEDULE 15: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. **लेखा नीतियाँ:** वित्तीय कथन ऐतिहासिक मूल्य रीतियों तथा लेखा की एकूड विधि के आधार पर तैयार किये जाते हैं जब तक कि उल्लेखित न किये जायें।  
**ACCOUNT CONVENTION:** The financial statements have been prepared under the historical cost convention unless otherwise stated and on the accrued method of accounting.
2. **सूची मूल्यांकन:** भंडार कीमत के आधार पर मूल्यांकित किये जाते हैं।  
**INVERTORY VALUATION:** Stores are valued at cost.
3. **निवेश:** निवेश फेस वेल्यू पर किये जाते हैं।  
**INVESTMENT:** Investments are carried at face value.
4. **नियत परिसम्पत्ति:** नियत परिसम्पत्तियाँ अधिग्रहण के मूल्य, जिसमें अधिग्रहण से संबंधित आंतरिक फ्रेट, शुल्कों तथा करों और आकस्मिक तथा सीधे व्यय शामिल हैं, पर दर्शायी जाती हैं।  
**FIXED ASSETS:** Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition.
5. **ह्रास:** ह्रास, आयकर अधिनियम 1961 में बतायी गयी दर अनुसार लिखे गये मूल्य विधि पर दिया जाता है।  
**DEPRECIATION:** Depreciation is provided on written down value method as per rate specified in the Income Tax Act 1961.
6. **शासकीय अनुदान:** शासकीय अनुदान लेखा वास्तविक आधार पर किये जाते हैं।  
**GOVERNMENT GRANTS:** Government grants are accounted on realization basis.

सही / sd/-  
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-  
निदेशक / Director

अनुसूचि: 16: लेखा पर आकस्मिक लेखा, दायित्व एवं टीप  
SCHEDULE 16: CONTINGENT ACCOUNTS, LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. **वर्तमान परिसम्पत्ति, ऋण तथा अग्रिम:** प्रबंधन के मत में, वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण तथा अग्रिम का वास्तविकता में एक मूल्य हैं जो कि सामान्य प्रक्रिया में कम से कम तुलन—पत्र में दर्शायी गयी कुल राशि के बराबर हैं।  
**CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES:** In the opinion of the management, the current assets loans and advances have a value on realization in the ordinary course equal at least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.
2. **कराधान:** क्योंकि इ.गां.रा.मा.सं. की आय आयकर के दायित्व में नहीं है इसलिये आयकर हेतु कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया।  
**TAXATION:** As the Income of IGRMS is not liable to Income Tax, no provision of Income Tax has been considered necessary.
3. अनुसूची 1 से 16 तक 31.3.2019 को तुलन—पत्र का तथा इस तिथि को समाप्त हुये वर्ष के आय एवं व्यय लेखे का एक आवश्यक अंग है तथा संलग्न किये गये हैं।  
Schedule 1 to 16 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet as at 31.3.2019 and the Income and expenditure account for the year ended on that date.

सही / sd/-  
लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-  
निदेशक / Director



## लेखे पर टिप्पणियां NOTES ON ACCOUNTS

1. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के वित्तीय कथन (तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखे) सुझाये अनुसार फार्म में तैयार किये गये हैं या यथा संभव उसके निकट हैं।  
The financial statements of IGRMS (Balance Sheet and Income & Expenditure Accounts) have been prepared in the form suggested or as near thereto as possible.
2. तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखों को तैयार करने में अपनायी गयी सभी महत्वपूर्ण लेखा नीतियों पर एक कथन वित्तीय कथनों में सम्मिलित किया गया है।  
A statement of all significant accounting policies adopted in the preparation of the Balance sheet and the Income and Expenditure accounts has been included in the financial statements.
3. आदान प्रदान एवं घटनाओं के तुलन-पत्र तथा आय एवं व्यय लेखे में देखे गये तथा प्रस्तुत किये गये लेखे अपने तत्वानुसार संचालित किये गये हैं न कि केवल वैध पत्रक के आधार पर।  
The accounting treatment and presentation in the Balance sheet and the Income & Expenditure account of transactions and events have been governed by their substance and not merely by the legal form.
4. कुल संचालित परिणाम द्वारा बढ़े/घटे पूंजीगत कोष को आय एवं व्यय लेखा में दर्शाया गया है।  
Capital fund as increased/ decreased by the net operating results is shown in the Income and Expenditure account.
5. कैंटीन लेखा (प्राप्तियां और भुगतान लेखा, आय एवं व्यय लेखा, तुलनपत्र) अलग से तैयार किया जा रहा है।  
The Canteen accounts (Receipts & Payment account, Income & Expenditure account, Balance sheet) is being prepared separately.
6. भूमि की कीमत को तुलन पत्र में नहीं दर्शाया गया है चूंकि भूमि मध्यप्रदेश शासन द्वारा संग्रहालय को नाममात्र मूल्य पर आवंटित की गयी थी और इस प्रकार तुलन पत्र में परिलक्षित भूमि के लिए राशि उसका बाजार मूल्य/वास्तविक मूल्य नहीं है।  
The Cost of the land has not been shown in the Balance sheet, because the Madhya Pradesh Government has allotted the land to IGRMS at a nominal cost and hence the amount towards Land reflected in Balance sheet is not the market value/ actual cost.
7. वित्तीय वर्ष 2007-08 से प्राप्त संग्रहालय शुल्क, लाइसेन्स शुल्क, और अन्य विविध प्राप्तियां को आरक्षित फंड में लांभाकित किया गया। वर्ष के दौरान एकत्रित की गयी राशि रु. 850637/- को फंड में स्थानांतरित किया गया। वर्ष 2018-19 के दौरान सहायता अनुदान सामान्य व्यय को पूरा करने के लिए रिजर्व फंड से 147,00,000/- रुपये निकाले गए। आरक्षित निधि की कुल राशि 31.03.2019 को 72,71,254 रुपये दर्शायी गयी है।  
From the financial year 2007-08 amount received as Museum fees, License fees, and other miscellaneous receipts are credited to Reserved Fund. During the year an aggregate amount of Rs. 850637/- has been transferred to the Fund. An amount of Rs. 147, 00,000/- was withdrawn from Reserve Fund to meet the Grant in aid General expenditure during the year 2018-19. The total amount of Reserved fund stood at Rs. 72, 71,254/- as on 31.03.2019.
08. वर्ष के दौरान राशि रु. 34,61,963/- को एफडीआर ब्याज से प्राप्त हुई है वर्ष 2018-19 के लिए इसी राशि से रु. 19,00,000/- को जीपीएफ ब्याज के प्रावधान हेतु रखा गया है।  
During the year an amount of Rs.34,61,963/- has received FDR Interest, out of which an amount of Rs.19,00,000/- has been kept as provision for GPF Interest for the year 2018-19

09. 31.03.2019 को रु. 4,48,426/- की कुल शेष पर अधिकारियों को दिये गये ऋण एवं अग्रिम पर एकत्रित ब्याज राशि रु. 65,056/- मान्य की गयी है।  
The Accrued Interest on Loans & Advances paid to Officials has been recognized at Rs.65,056/- on aggregate balance of Rs. 4,48,426/- as on 31.3.2019.
10. डीसीआरजी स्कीम में जमा की गयी राशि को दायित्व की दिशा में डीसीआरजी कोष में अलग से दर्शाया गया है।  
Amount deposited under DCRG scheme has been separately shown as DCRG Fund in the Liability side.
11. प्रदर्शनी, प्रादर्श एवं संदर्भ पुस्तकों पर ह्रास नहीं लगाया गया है क्योंकि ये सामग्रियाँ इथनोग्राफिक महत्व की हैं।  
The depreciation not charged for Exhibition, Specimen and Reference book, because these items are having ethnographic values.
12. एफ.डी. आर. 31.3.2019 तक रु. 383,12,662/- है।  
The FDR as on 31.3.2019 is Rs. 383,12,662/-.
13. गतवर्ष के आंकड़ों का जहां भी आवश्यकता है पर पुनःकार्य, पुनर्समूहन, पुनर्व्यवस्थापन तथा पुनर्वर्गीकरण किया गया।  
The Previous year's figures have been reworked, regrouped, rearranged and reclassified wherever necessary.

सही / sd/-

लेखा अधिकारी / Accounts Officer

सही / sd/-

निदेशक / Director



## अनुलग्नक Annexures



## राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति के सदस्य Members of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti

पदेन सदस्य	Ex-officio members
प्रभारी मंत्री, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली – 110001	अध्यक्ष (पदेन) <b>Minister in Charge,</b> President (ex-officio) Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi –110001
सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली – 110001	उपाध्यक्ष (पदेन) <b>Secretary,</b> Vice-President (ex-officio) Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi –110001
संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली-110 001	सदस्य (पदेन) <b>Joint Secretary,</b> Member (ex-officio) Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi –110001
वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली-110 001	सदस्य (पदेन) <b>Financial Adviser,</b> Member (ex-officio) Ministry of Culture, Government of India, New Delhi –110001
निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकाता-700 016	सदस्य (पदेन) <b>Director,</b> Member (ex-officio) Anthropological Survey of India, 27, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata-700016
सचिव, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली 110 001	सदस्य (पदेन) <b>Secretary,</b> Member(ex-officio) Ministry of Home Affairs, Govt. of India, New Delhi 110001
मुख्य सचिव, म.प्र. शासन, मंत्रालय, भोपाल	सदस्य (पदेन) <b>Chief Secretary,</b> Member (ex-officio) Govt. of Madhya Pradesh, Mantralaya, Bhopal
निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, शामला हिल्स, भोपाल – 462013	सदस्य-सचिव <b>Director,</b> Member Secretary Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Shamla Hills, Bhopal-462013



## नामित सदस्य

## Nominated members

प्रो. सुभद्रा मित्रा चन्ना, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त प्रोफेसर, एल. एल. 101, टॉवर -8, सी डबल्यू जी विलेज, अक्षर धाम मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली -110092 (संदर्भ क्र. 29.03.2015-A&A दि.19.03.2018 द्वारा प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव के स्थान पर नामित किया गया)	सदस्य	Prof. Subhadra Mitra Channa, Retd. Prof. of Department of Anthropology, Delhi University, L.L. 101, Tower - 8, CWG Village, Near Akshar Dham Metro Station, Delhi - 110092 (Nominated vide 29-03/2015-A&A Dt- 19.03.2018 in place of Prof. Vinay Kumar Shrivastava)	Member
प्रो. ए. के. कपूर, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110 007	सदस्य	Prof. A.K. Kapoor, Department of Anthropology, University of Delhi, Delhi 110007	Member
प्रो. मोयना चक्रवर्ती, मानव विज्ञान अध्ययन शाला, पण्डित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, आमानाका, जीई रोड, रायपुर-492 010	सदस्य	Prof. Moyna Chakravarty, School of Studies in Anthropology, Pt. Ravishankar Shukla University, Amanaka, G.E. Road, Raipur 492010	Member
प्रो. एस. एम. पटनायक, मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 110 007	सदस्य	Prof. S.M. Patnaik, Department of Anthropology, University of Delhi, Delhi 110007	Member
प्रो. अरुण कुमार, मानव विज्ञान अध्ययन शाला, पण्डित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, आमानाका, जीई रोड, रायपुर-492 010	सदस्य	Prof. Arun Kumar, School of Studies in Anthropology, Pt. Ravishankar Shukla University, Amanaka, G.E. Road, Raipur 492010	Member
डॉ. डी.के. लिम्बू, मानव विज्ञान विभाग, नार्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, नेह्रू शिलांग-793 022	सदस्य	Dr. D.K. Limbu, Department of Anthropology, North-Eastern Hill University, NEHU, Shillong 793022	Member
प्रो. मिताश्री मित्रा, मानव विज्ञान अध्ययन शाला, पण्डित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, आमानाका, जीई रोड, रायपुर-492 010	सदस्य	Prof. Mitashree Mitra, School of Studies in Anthropology, Pt. Ravishankar Shukla University, Amanaka, G.E. Road, Raipur 492010	Member
डॉ. शुभो रॉय, मानव विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 25, बालीगंज सरक्यूलर रोड, कोलकाता 700019	सदस्य	Dr. Subho Roy, Department of Anthropology, Calcutta University, 25, Ballygunge Circular Road, Kolkata 700019	Member

## राष्ट्रीय मानव संग्रहालय समिति की कार्यकारी परिषद के सदस्य Members of the Executive Council of Rashtriya Manav Sangrahalaya Samiti

## पदेन सदस्य

## Ex-officio members

सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001	अध्यक्ष (पदेन)	Secretary, Ministry of Culture, Government of India, Shastri Bhavan, New Delhi -110001	Chairman (ex-officio)
संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001	उपाध्यक्ष (पदेन)	Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India, Shastri Bhavan, New Delhi -110001	Vice-Chairman (ex-officio)
वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001	सदस्य (पदेन)	Financial Adviser, Ministry of Culture, Govt. of India, New Delhi -110001	Member (ex-officio)
निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकाता-700 016	सदस्य (पदेन)	Director, Anthropological Survey of India, 27, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata-700016	Member (ex-officio)
महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व विज्ञान सर्वेक्षण, जनपथ, नई दिल्ली-110 011	सदस्य (पदेन)	Director General, Archaeological Survey of India, Janpath, New Delhi-110001	Member (ex-officio)
निदेशक, राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, ओल्ड सी.बी.आई. बिल्डिंग, ब्लाक-श्री, चतुर्थ मंजिल, नई दिल्ली-110 003	सदस्य (पदेन)	Director, National Museum of Natural History, Old CBI Building, Block-III, 4 <sup>th</sup> Floor, New Delhi -110003	Member (ex-officio)
महानिदेशक, भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकाता-700 016	सदस्य (पदेन)	Director General, Geological Survey of India, 27, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata-700016	Member (ex-officio)



संयुक्त सचिव, जनजातीय कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली-110 001	सदस्य (पदेन)	Joint Secretary, Ministry of Tribal Welfare, Govt. of India, New Delhi-110001	Member (ex-officio)
सचिव, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन, मंत्रालय, भोपाल	सदस्य (पदेन)	Secretary, Department of Culture, Govt. of Madhya Pradesh, Mantralaya, Bhopal	Member (ex-officio)
सचिव, जनजातीय कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन, मंत्रालय, भोपाल	सदस्य (पदेन)	Secretary, Department of Tribal Welfare, Govt. of Madhya Pradesh, Mantralaya, Bhopal	Member (ex-officio)
निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, शामला हिल्स, भोपाल – 462013	सदस्य-सचिव	Director, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Shamla Hills, Bhopal-462013	Member Secretary

## नामित सदस्य

## Nominated Members

प्रो. सुभद्रा मित्रा चन्ना,	सदस्य	Prof. Subhadra Mitra Channa,	Member
मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त प्रोफेसर, एल. एल. 101, टॉवर -8, सी डब्ल्यू जी विलेज, अक्षर धाम मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली -110092 (संदर्भ क्र. 29.03.2015-A&A दि.19.03.2018 द्वारा प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव के स्थान पर नामित किया गया)		Retd. Prof. of Department of Anthropology, Delhi University, L.L. 101, Tower - 8, CWG Village, Near Akshar Dham Metro Station. Delhi - 110092 (Nominated vide 29-03/2015-A&A Dt- 19.03.2018 in place of Prof. Vinay Kumar Shrivastava)	
डॉ. डी.के. लिम्बू, मानव विज्ञान विभाग, नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, नेह्रू शिलांग-793 022	सदस्य	Dr. D.K. Limbu, Department of Anthropology, North-Eastern Hill University, NEHU, Shillong – 793022	Member
प्रो. मिताश्री मित्रा, मानव विज्ञान अध्ययन शाला, पण्डित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, आमानाका, जीई रोड, रायपुर-492 010	सदस्य	Prof. Mitashree Mitra, School of Studies in Anthropology, Pt. Ravishankar Shukla University, Amanaka, GE Road, Raipur - 492010	Member



## वित्त समिति के सदस्य Members of the Finance Committee

वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली-110 001	अध्यक्ष (पदेन)	Financial Adviser, Ministry of Culture, Government of India, New Delhi-110001	Chairman(ex-officio)
संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली-110 001	सदस्य (पदेन)	Joint Secretary, Ministry of Culture, Government of India, New Delhi-110001	Member(ex-officio)
महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व विज्ञान सर्वेक्षण, नई दिल्ली-110 011	सदस्य (पदेन)	Director General, Archaeological Survey of India, New Delhi-110011	Member(ex-officio)
निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, 27, जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकाता-700 016	सदस्य (पदेन)	Director, Anthropological Survey of India, 27, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata -700016	Member(ex-officio)
निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, शामला हिल्स, भोपाल - 462013	सदस्य (पदेन)	Director, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Shamla Hills, Bhopal - 462013	Member(ex-officio)





एक कदम स्वच्छता की ओर



शामला हिल्स, भोपाल / Shamla Hills, Bhopal. MP- 462003 फोन/Phone: +91-755 - 2661458, +91-755 - 2526501 ईमेल/Email: directorigrms@gmail.com, dirigrms-mp@nic.in  
फैक्स/Fax: +91-755-2665500 वेब/Web: www.igrms.gov.in